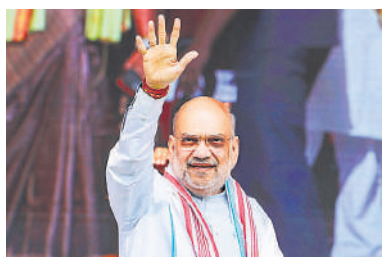

केंद्रीय गृह मंत्री बोले- अमित शाह बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय घुसपैठियों को वापस भेजेंगे - 12

शेयर बाजार में चौथे दिन भी तेजी सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी हुआ 23 हजारी - 12

मणिपुर में सीआरपीएफ शिविर पर भीड़ का हमला, गोलीबारी में दो लोगों की मौत - 13

जम्मू-कश्मीर में लश्कर के अंतर्राज्यीय आतंकी माड्यूल का खुलासा, पांच गिरफ्तार- 13

आज का मौसम

23.0° अधिकतम तापमान

15.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.57

सूर्यास्त 06.37

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

मुरादाबाद

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:01 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 8 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 5, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

ईडी ने अल फलाह के चेयरमैन की 39 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और उनके धर्मार्थ ट्रस्ट के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत दिल्ली के जामिया नगर में एक मकान, फरीदाबाद में खेती की जमीन और कई बैंक खातों में जमा राशि कुर्क की है, जिनकी कुल कीमत 39 करोड़ रुपये से ज्यादा है। हरियाणा के फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी 10 नवंबर 2025 को दिल्ली के लाल किला क्षेत्र में हुए विस्फोट से जुड़े एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल की जांच के दौरान जांच एजेंसियों के रडार पर आई थी। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। सिद्दीकी (61) अभी जेल में बंद है।

एयर इंडिया समूह घरेलू अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

मुंबई। एयर इंडिया समूह 8 अप्रैल से घरेलू उड़ानों के लिए 299 रुपये से 899 रुपये तक और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए 24 डॉलर से 280 डॉलर तक का ईंधन अधिभार लगाने जा रही है। हालांकि, कुछ मार्गों पर ईंधन अधिभार नहीं लगाया जाएगा। यह अधिभार अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों पर भी लागू होगा। बांग्लादेश और जापान, हांगकांग और दक्षिण कोरिया जैसे सुदूर पूर्व गंतव्यों के लिए आने-जाने वाली उड़ानों पर ईंधन अधिभार में संशोधन की जानकारी आवश्यक नियामकीय अनुमोदनों के अधीन उचित समय पर दी जाएगी।

आज रात पूरी सभ्यता खत्म होगी : ट्रंप ऐसा जवाब देंगे, भूल नहीं पाओगे : ईरान

होर्मुज खोलने की चेतावनी के चंद घंटे शेष, ईरान के खार्ग द्वीप पर ताबड़तोड़ हमले

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान उनकी ओर से दी गई मंगलवार की नवीनतम समय-सीमा तक होर्मुज को फिर से खोलने समेत समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) एक पूरी सभ्यता का अंत हो जाएगा। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब ईरान में हवाई हमलों में खर्ग द्वीप के अलावा दो पुल और एक रेलवे स्टेशन को निशाना बनाया गया। इस बीच, ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर हमला हुआ तो ऐसा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे। ईरानी अधिकारियों ने युवाओं से बिजली संयंत्रों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर मानव शृंखला बनाने की अपील की है।

ट्रंप ने पहले भी समयसीमा बढ़ाई थी, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन में मंगलवार रात आठ बजे तक की समयसीमा अंतिम है। इसी के साथ दोनों पक्षों की ओर से बयानबाजी चरम पर पहुंच गई, जिससे ईरानी नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि यदि ईरान होर्मुज को पूरी तरह से नहीं खोलता, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों को नष्ट कर दिया जाएगा। इस जलडमरूमध्य के रास्ते शांति काल में दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि उनके समेत 1.4 करोड़ ईरानी स्वयंसेवक युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। वहीं, इजराइल ने ईरान की अर्थव्यवस्था को झटका देने के उद्देश्य से किए जा रहे हमलों की संख्या में लगातार वृद्धि की है। जिसमें 18 की मौत हो गई। ईरान ने भी इजराइल व सऊदी अरब पर मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं, जिसमें एक प्रमुख पुल को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। ईरान हालांकि, उन्नत अमेरिकी और इजराइली हथियारों या हवाई प्रभुत्व का मुकाबला नहीं कर सकता, लेकिन होर्मुज पर उसकी पकड़ विश्व अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है, जिससे ट्रंप पर देश और विदेश दोनों जगह से इस गतिरोध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने का दबाव बढ़ रहा है। कूटनीति से संकट को सुलझाने की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों ने कहा कि बातचीत जारी है - लेकिन ईरान ने नवीनतम अमेरिकी प्रस्ताव को खारिज कर दिया है, और यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के संभावित हमलों को रोकने के लिए समय पर कोई समझौता हो पाएगा या नहीं।

अपने ऊर्जा ठिकानों के बचाव को लेकर ईरान के लोगों ने मानव शृंखला बनाई।

- ईरानी राष्ट्रपति बोले- मेरे समेत 1.4 करोड़ ईरानी युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार
- युवाओं से बिजली संयंत्रों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर मानव शृंखला बनाने की अपील
- इजराइल की ईरान पर एयरस्ट्राइक, 18 की मौत ईरान बोला- अमेरिका के दोस्तों पर अटैक करेंगे

ईरान में अपने नागरिकों से भारत ने कहा- जहां हैं, वहीं रहें...48 घंटे संवेदनशील

नई दिल्ली। वाशिंगटन द्वारा तेहरान को दी गई चेतावनी के बाद पश्चिम एशिया संकट के एक गंभीर मोड़ पर पहुंचने के बीच भारत ने मंगलवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को अगले 48 घंटों तक जहां हैं, वहीं रहने की सलाह दी। आपातकालीन परामर्श में, ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों से घर के भीतर रहने तथा सैन्य ठिकानों, ऊर्जा ढांचों और बहुमंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों से पूरी तरह दूर रहने का आग्रह किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी खत्म करने के लिए उनके द्वारा दी गई रात 8 बजे (पूर्वी समय) तक की समयसीमा (भारतीय समय के अनुसार बुधवार सुबह 5:30 बजे) का पालन नहीं करता है, तो पूरी की पूरी सभ्यता आज रात खत्म हो जाएगी।

शिक्षामित्रों को 18, अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में 80 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई। साथ ही चार हजार करोड़ रुपये से 25 लाख उच्चशिक्षा के विद्यार्थियों को बांटने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन खरीद की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक में शिक्षा के अलावा उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, शहरी विकास और स्वास्थ्य से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई, जिससे विकास परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिनमें से 1,29,332 का मानदेय समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्र व राज्य के 60-40 फीसदी के साझा अंश से दिया जाता है। यदि केंद्रांश स्वीकृत नहीं होता है तो राज्य सरकार अतिरिक्त भार वहन करेगी। वहीं, 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों को भी इस फैसले से बड़ी राहत मिली है। अब शिक्षामित्रों को 10,000 की जगह 18,000 और अंशकालिक अनुदेशकों को 9,000 के स्थान पर 17,000 प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी और मई माह के भुगतान में शामिल की जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के 1.6 लाख से अधिक शिक्षा कर्मियों को सीधा लाभ मिलेगा, जबकि सरकार पर 1475.27 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

- मंत्रिपरिषद से 22 प्रस्तावों को मंजूरी, 25 लाख युवाओं को मिलेंगे टैबलेट-स्मार्टफोन
- शिक्षामित्रों को लेकर सीएम की घोषणा पर मुहर, 1475.27 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

कैबिनेट के अन्य बड़े फैसले

- पीपीपी मॉडल पर 49 बस स्टेशनों का एयरपोर्ट जैसा कायाकल्प।
- ग्रेटर नोएडा में 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की मंजूरी।
- सामाजिक न्याय के प्रणेताओं के स्मारकों का सरकार करेगी संरक्षण।
- हर विधानसभा में 10 स्मारकों का विकास।
- 'डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को किया स्वीकृत।
- गोरखपुर में उप्र वनिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश।
- बलिया में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना।
- शहरी विकास व औद्योगिक निवेश को बढ़ावा।
- मेट्रो, बस स्टेशन और सड़क-पुल की कई परियोजनाओं को हरी झंडी।
- औद्योगिक विकास को 24,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी।
- शाहजहांपुर, गोरखपुर, ग्रे. नोएडा, प्रयागराज, हाथरस, यमुना, मुरादाबाद में औद्योगिक इकाई मंजूर।
- हिंदू बांग्लादेशी विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और भूमि आवंटन से जुड़े निर्णय।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर पर असम पुलिस का छापा

कांग्रेस नेता के आवास पर पहुंची असम पुलिस।

- कांग्रेस ने प्रतिशोध की कार्रवाई का लगाया आरोप मुख्यमंत्री हिमंत बोले- पुलिस खेड़ा को पाताल से भी ढूंढ निकालेगी
- सीएम की पत्नी के पास 3 पासपोर्ट होने के आरोप लगने के मामले में खेड़ा पर दर्ज हुई रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

असम पुलिस मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची और तलाशी ली। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा की पत्नी पत्नी रिनिकी भुइयां द्वारा खेड़ा के आरोपों के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई।

खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर तीन पासपोर्ट और अघोषित संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। असम पुलिस के डीसीपी देबोजित नाथ ने कांग्रेस नेता के आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा कि खेड़ा अपने आवास पर नहीं मिले, लेकिन वहां से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं। नाथ ने कहा कि कुछ दोष साबित करने वाली सामग्री मिली है। डीसीपी ने बताया कि गुवाहाटी की अपराध शाखा पुलिस थाना ने मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। कांग्रेस ने शर्मा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह नौ अप्रैल के चुनावों में आसन्न हार के कारण परेशान, विचलित हैं और विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहे हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस खेड़ा को पाताल से भी ढूंढ निकालेगी और उनसे उन फर्जी दस्तावेजों के बारे में पूछताछ करेगी, जिनका इस्तेमाल उनके परिवार को निशाना बनाने के लिए किया था।

मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज होगा कर्मियों का पूरा रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कार्मिक प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए अब सभी कर्मचारियों के खिलाफ लंबित या संचालित विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में प्रमुख सचिव कार्मिक एम. देवराज ने मंगलवार को सभी विभागों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि कर्मचारियों से संबंधित समस्त सूचनाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहें और विभागीय कार्यवाहियां पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संचालित हो सकें। निर्देशों के मुताबिक, प्रत्येक कार्यालय का ऑफिस एडमिन लॉगिन के माध्यम से अपने अधीन कार्यरत सभी कर्मचारियों की विभागीय कार्यवाही (नियम-7, 10(2)) और सतर्कता जांच की स्थिति पोर्टल पर अपडेट करेगा। नोडल अधिकारी फिल डीपी स्टेटस विकल्प के जरिए संबंधित कर्मचारियों का पूरा विवरण दर्ज करेंगे।

- विभागीय कार्रवाई व सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन करना अनिवार्य

सेवा पुस्तिका से भी जोड़ा जाएगा विवरण

यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय या सतर्कता जांच का इतिहास है, तो उसकी पूरी जानकारी मानव संपदा पोर्टल के सर्विस बुक मॉड्यूल में भी अपडेट करनी होगी, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड ट्रैकिंग आसान हो सके।

अहम है यह फैसला

कार्मिक प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ेगी। विभागीय कार्रवाई की निगरानी आसान होगी। डिजिटल रिकॉर्ड से जवाबदेही तय होगी। भ्रष्टाचार पर लगेगा अंकुश।

सुप्रीम सुनवाई | नौ जजों की संविधान पीठ ने महिलाओं को एंट्री मामले में 5 घंटें की सुनवाई, केंद्र ने अपना पक्ष रखते हुए कहा

2018 का सबरीमाला फैसला त्रुटिपूर्ण था, पुनर्विचार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि 2018 का सबरीमाला फैसला त्रुटिपूर्ण था और इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। फैसले में केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाया गया था। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें 2018 के सबरीमाला फैसले में की गई उस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति है जिसमें कहा गया कि 10-50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर से बाहर रखना 'अस्पृश्यता' का एक रूप है, जो अनुच्छेद 17 का उल्लंघन है।

सबरीमाला मामले में, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ का मत था कि उम्र या मासिक धर्म की स्थिति के आधार पर

महिलाओं को केरल के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश से रोकना अस्पृश्यता का एक रूप है जो उन्हें अधीनस्थ स्थिति में रखता है, पितृसत्ता को कायम रखता है और उनकी गरिमा के लिए अपमानजनक है। मेहता ने कहा, भारत उतना पितृसत्तात्मक या लैंगिक रूढ़ियों से ग्रस्त नहीं है जितना पश्चिम समझता है। मेहता ने कहा कि अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं का अनावश्यक सिद्धांत पेश किया गया है, लेकिन सवाल यह है कि अनिवार्य क्या है, इसका निर्णय कैसे किया जाए। यह आस्था, विश्वास का विषय है। किसी बात को आवश्यक मानने या न मानने के लिए, सबसे पहले धार्मिक ग्रंथों का न्यायिक विश्लेषण करना होगा। ग्रंथों को उसी तरह समझना होगा जिस तरह उन्हें समझा जाना चाहिए। मेरा विनम्र निवेदन है कि यह तभी संभव है जब व्यक्ति आध्यात्मिक समझ के उस स्तर को प्राप्त कर ले। मेहता ने कहा, भारत ने हमेशा से महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया है। मेहता ने अदालत से कहा, हम शायद एकमात्र ऐसे समाज हैं जो महिलाओं की पूजा करते हैं। राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों तक, हम देवियों के सामने नतमस्तक होते हैं। इसलिए, हमें इस चर्चा में पितृसत्ता और लैंगिक रूढ़ियों की अवधारणाओं को शामिल नहीं करना चाहिए।

गुण-दोष पर विचार के बजाय 7 प्रश्नों तक पीठ सीमित

पीठ ने कहा कि वह सबरीमाला फैसले के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी और मामले में निर्धारित सात प्रश्नों तक ही सीमित रहेगी। सितंबर 2018 में, पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक के मुकाबले चार के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को सबरीमाला अयप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था। इसके बाद, 14 नवंबर, 2019 को, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की एक अन्य पीठ ने दो के मुकाबले तीन के बहुमत से, विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया।

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

गैस कनेक्शन वितरण तेज करने के निर्देश

बिजनौर , अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जिले में पीएनजी कनेक्शन की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए। जिले में 9000 परिवारों को पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य निर्धारित है, लेकिन अब तक केवल करीब 1500 घरों को ही कनेक्शन मिल पाए हैं। परिवारों तक गैस कनेक्शन पहुंचाया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन उपभोक्ताओं को कनेक्शन मिल चुके हैं, उनकी सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रहे।

विनियमन समीक्षा समिति की 11 को बैठक

मुरादाबाद, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति अश्विनी त्यागी के सभापतित्व में 11 अप्रैल को दिल्ली रोड स्थित सर्किट हाउस सभागार में विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेगी। इसमें मुरादाबाद, संभल और रामपुर के अधिकारी भी शामिल रहेंगे। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने विनियमन समीक्षा समिति द्वारा समीक्षा बैठक को देखते हुए सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ मंगलवार को तैयारी बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विनियमन समीक्षा समिति की बैठक में हर अधिकारी निर्धारित प्रोटोकॉल का गंभीरता पूर्वक पालन करेंगे। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति में सभापति अश्विनी त्यागी के साथ सदस्य ओम प्रकाश सिंह, रमा निरंजन, पवन कुमार सिंह, वीरेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, संतोष सिंह, शाह आलम, अविनाश सिंह चौहान, मानवेंद्र सिंह और धर्मेंद्र कुमार भारद्वाज शामिल हैं।

आचार्य कामेश्वर मिश्र के निधन पर शोक

मुरादाबाद, अमृत विचार : श्री परिवार दिव्य महायज्ञ समिति ट्रस्ट के प्रधान महायज्ञ संचालक आचार्य कामेश्वर मिश्र का मंगलवार को शाम करीब छह बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना से श्री परिवार के साथ शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। ज्योतिषाचार्य पंडित केदार मुरारी ने बताया कि वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को उनके पैतृक निवास जैतपुरा गांव, जिला गोपालगंज (बिहार) में किया जाएगा। उन्होंने उनके निधन पर शोक जताया।

अधिकारियों की लापरवाही पर सांसद का पारा चढ़ा

दिशा की बैठक में कई विभागों की कार्यप्रणाली पर जनप्रतिनिधियों ने जताया असंतोष, कार्यप्रणाली सुधारने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक मंगलवार को सर्किट हाउस सभागार में सांसद रुचि वीरा की अध्यक्षता में हुई। इसमें विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए सांसद ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने एक वर्ष पूर्व दिए गए विकास कार्यों के प्रस्तावों की जानकारी न देने और पत्रों का जवाब न मिलने पर असंतोष व्यक्त किया।

बैठक की शुरुआत स्वयं सहायता समूहों की समीक्षा से हुई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 2011 समूह गठित हैं, जिनमें लगभग 1100 सक्रिय हैं। इस पर सांसद ने "लखपति दीदी" योजना के अंतर्गत आय बढ़ाने पर जोर देते हुए कम से कम एक लाख रुपये वार्षिक आय सुनिश्चित करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की बाजार में बिक्री बढ़ाने और समूह की महिलाओं को बैठक में शामिल करने के लिए कहा।

बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधि व अधिकारी। ● अमृत विचार

- एक वर्ष पूर्व दिए गए विकास कार्यों के प्रस्तावों की जानकारी न देने का आरोप
- जनप्रतिनिधियों के पत्रों का जवाब न देने पर बैठक में जताया गया असंतोष

सांसद ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तीन दिन के भीतर लंबित कार्यों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत कच्चे मार्गों का सर्वे कर उन्हें मुख्य मार्गों से जोड़ने के प्रस्ताव तैयार करने को कहा। कार्यों में देरी पर अधिकारियों ने नई योजना लागू होने का कारण बताया।

कृषि विभाग के अधिकारियों को बदलते मौसम के अनुरूप नए प्रयोग और किसानों को अधिक उत्पादन के लिए जागरूक करने, नगर विकास विभाग को पाकबड़ा में सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए प्रस्ताव भेजने को कहा। पशुपालन विभाग में 21 पशु चिकित्सालयों में मात्र 9 चिकित्सकों की तैनाती पर सांसद ने चिंता जताई। बैठक में तेंदुओं के बढ़ते आतंक का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिले में लगभग 100 तेंदुए हैं और 35 नए शावक भी हैं। प्रभावित क्षेत्रों में पिंजरे लगाए गए हैं तथा उन्हें पकड़कर स्थानांतरित करने की कार्रवाई जारी है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी से सांसद ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति रिपोर्ट मांगी।इसमें बताया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष बड़ी संख्या में कार्ड बनाए गए हैं। सांसद ने कार्डों में त्रुटियों को सुधारने के लिए कहा। बैठक में विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, गोपाल अंजान के अलावा मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी के साथ ही कई विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जलनिगम की कार्यदायी संस्थाओं को करें ब्लैक लिस्ट: जल निगम की कार्यदायी संस्थाओं के काम न करने पर सांसद ने उन्हें ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए। वहीं बिजली विभाग के अधिकारियों को सांसद ने उपभोक्ताओं पर जबरन प्रीपेड मीटर न थोपने के लिए कहा। इसके अलावा आवारा पशुओं, नीलगाय, कुत्तों और बंदरों की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की गई।

इन कार्यों पर सांसद का विशेष जोर

1-ठाकुरद्वारा से पीपलसाना होते हुए कवक्कलपुर से जहांगीरपुरी तक जाने वाली 13 किलोमीटर रोड की पैचिंग के बाद रूके कार्य को जल्द पूरा कराया जाए।

2- नगर निगम द्वारा हटाए गए ठेला पटरी वालों के लिए बनाए गए दुकानों की 6 से 7 लाख की धनराशि को नगर निगम की बोर्ड की बैठक में कम किया जाए। जिससे ठेले पर रोजगार करने वाले आसानी से नगर निगम की स्मार्ट योजना के अंतर्गत बनाई गई दुकानों का लाभ ले सकें।

3-असालतपुरा बकरी का हाता में एक वर्ष से खराब पड़े ट्यूबवेल को जल्द सही कराया जाए, जिससे गर्मी में लोगों को परेशानी न हो।

4-छोटे व्यवसाय करने वाले गरीब लोगों पर मनमर्जी और कमर्शियल हाउस टैक्स न थोपा जाए।

5-लाकड़ी फाजलपुर से हनुमान मूर्ति तक बंद पड़े नाले को जल्द सही कराया जाए। जिससे वहां होने वाले लोगों को जलभराव की समस्या से निजात मिल सके।

6-जिगर मुरादाबादी के नाम से बने जिगर द्वार की मरम्मत कराने के लिए कहा।

7- हनुमान मूर्ति से पंडित नगला जाने वाले मार्ग पर बन रहे फ्लाईओवर की सड़क को जोड़ने वाली पीतल नगरी की सड़क की मरम्मत जल्द कराई जाए।

8- महानगर में होने वाले नए विकास कार्यों की परियोजनाओं के लिए शिलापट लगाए जाएं।

अनुपस्थित अधिकारियों पर करें कार्रवाई

बैठक में कुछ विभागों के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर सांसद ने जिलाधिकारी अनुज सिंह को कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

नहर में गोवंश के अवशेष मिलने से मचा हड़कंप

अमरोहा, अमृत विचार: रजबपुर थाना क्षेत्र के शकरपुर गांव स्थित नहर में गोवंश के अवशेष मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे और घटना पर कड़ी नाराजगी जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। घटना रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव शकरपुर स्थित नहर की है। दरअसल मंगलवार को यहां सूखी पड़ी नहर में गोवंश के अवशेष पड़े मिले। वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी पर बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और घटना को लेकर नाराजगी व्यक्त की। सीओ ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। लोगों को आश्वस्त किया कि मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने गोवंश के अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मामले में अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

रेलवे ने छह जोड़ी ग्रीष्म कालीन विशेष ट्रेनें चलाईं

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- यात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने लिया निर्णय

अमृत विचार : रेल प्रशासन ने गर्मी के दौरान सफर में यात्रियों की सुविधा के लिए छह जोड़ी ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें संचालित की हैं। इससे यात्रियों को सफर में आसानी होगी।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि समर स्पेशल साप्ताहिक गाड़ी संख्या 05101 को 11 अप्रैल से 11 जुलाई (23 मई को छोड़कर) तक प्रत्येक शनिवार को गोरखपुर जंक्शन से नई दिल्ली के बीच संचालित किया जाएगा। समर स्पेशल गाड़ी संख्या -05102 प्रत्येक रविवार को 12 अप्रैल से 12 जुलाई तक (24 मई को छोड़कर) नई दिल्ली से गोरखपुर जंक्शन तक संचालित की जाएगी। यह ट्रेनें बरेली-मुरादाबाद होकर गुजरेंगी। गाड़ी संख्या 05193-05194 को छपरा-पठानकोट-छपरा तक 6 अप्रैल से आगे निर्धारित तिथियों तक प्रत्येक सोमवार व बुधवार को संचालित की जाएंगी। गाड़ी संख्या 04512-04511 आरक्षित विशेष एक्सप्रेस गाड़ी 16 अप्रैल से 10 अगस्त तक रूट के अनुसार कुल 13-13 फेरे संचालित होंगे। गाड़ी संख्या 04520-04519 को भी 27-27 फेरों के लिए बुधवार, शनिवार, गुरुवार और रविवार को चलाई जाएंगी। गाड़ी संख्या 04312-04311 आरक्षित समर स्पेशल एक्सप्रेस गाड़ी 17 अप्रैल से 12 अगस्त तक कुल 26 फेरे संचालित की जाएगी। वहीं गाड़ी संख्या 04624-04623 भी 13 अप्रैल से 2 जुलाई तक निर्धारित रोस्टर के अनुसार 12-12 फेरे संचालित होंगी।

मेहर को लेकर उलझा निकाह, बारात लौटने के बाद हुई रस्म

शाहबाद, अमृत विचार: नगर के मोहल्ला जिलेदारान में एक परिवार की खुशियां उस समय गम में बदल गईं। जब मेहर को लेकर हुए विवाद के चलते बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट आई। हालांकि कुछ घंटों की मशक्कत और समझाइश के बाद मामला सुलझा और दूल्हा दोबारा गांव पहुंचकर निकाह कर दुल्हन को विदा कराकर ले आया।

मोहल्ला निवासी युवक की शादी तहसील क्षेत्र के मधुपुरी गांव की युवती के साथ तय हुई थी। सोमवार देर शाम दूल्हा बारात लेकर मधुपुरी गांव पहुंचा। बारातियों का स्वागत हुआ और बरातियों ने खाना भी खाया। लेकिन निकाह से पहले मेहर को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद खड़ा हो गया। बताया जा रहा है कि लड़की पक्ष की ओर से मेहर में मकान का कुछ हिस्सा युवती के नाम रजिस्ट्री कराने की शर्त रखी गई थी।

एसएसपी ने बदले दो इंस्पेक्टर और 32 दरोगा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- देर रात जारी हुआ तबादला आदेश कई चौकी प्रभारी भी इधर से उधर
- नई तैनाती स्थल पर तत्काल जिम्मेदारी संभालने का दिया निर्देश

अमृत विचार: वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सोमवार की देर रात दो निरीक्षक और 32 उप निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। जिले में पुलिस महकमे में व्यापक बदलाव में कई चौकी प्रभारी भी प्रभावित हुए हैं। सभी को अपनी नई तैनाती स्थल पर तत्काल जिम्मेदारी संभालने का निर्देश दिया है।

जिले में देर रात हुए फेरबदल में उप निरीक्षक सुनीता रानी प्रभारी को चौकी बुध बाजार सदर कोतवाली से थाना मूंढापांडे, उप निरीक्षक प्रवीण कुमार प्रभारी चौकी काशीपुर तिराहा थाना कटघर से प्रभारी चौकी बुध बाजार सदर कोतवाली बनाया गया। उप निरीक्षक विशाल चौधरी थाना मझोला से प्रभारी चौकी काशीपुर तिराहा बनाए गए। उ.नि. सचिन भाटी पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी लाइनपार, उ.नि.चन्द्रप्रभा गौतम को प्रभारी चौकी कंजरी सराय से थाना कोतवाली से प्रभारी, मिशन शक्ति बनाया गया है। उ.नि. देवेन्द्र सिंह प्रभारी चौकी नागफनी थाना नागफनी से प्रभारी चौकी कंजरी सराय सदर कोतवाली,उ.नि. तेजेन्द्र सिंह पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी नागफनी,उ. नि. विपिन कुमार प्रभारी चौकी बंगला गांव से प्रभारी चौकी डीएमआर थाना छजलैट, उ.नि नरेश कुमार थाना कटघर से प्रभारी चौकी बंगला गांव, उ.नि.लोकेश कुमार थाना कोतवाली से प्रभारी चौकी लाजपत नगर थाना कटघर, उ.नि.रोहित यादव प्रभारी चौकी लाजपतनगर थाना कटघर से वरिष्ठ उप निरीक्षक सदर कोतवाली, उ.नि.शिवम कोतवाली मझोला से प्रभारी चौकी काशीराम नगर, उ.नि. धर्मेन्द्र सिंह प्रभारी चौकी रौंडा झौंडा थाना मूंढापांडे से पुलिस लाइन, उ.नि.जोगेन्द्र कुमार पुलिस लाइन से प्रभारी चौकी रौंडा झौंडा थाना मूंढापांडे, उ.नि.विकेश कुमार राणा वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना मुगलपुरा से थाना थाना मैनाठेर बना दिया। उप निरीक्षक अनुज कुमार वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना मुगलपुरा से पुलिस लाइन, उ.नि. विनीत गौतम प्रभारी चौकी वीरपुर थाना भगतपुर से प्रभारी चौकी हकीम पुर थाना पाकबड़ा, उ.नि. विपिन कुमार थाना बिलारी से प्रभारी चौकी वीरपुर थाना भगतपुर, उ.नि.धर्मेन्द्र कुमार थाना छजलैट से प्रभारी चौकी कांवड पथ थाना छजलैट, उ.नि. सुमित कुमार थाना भगतपुर (पुलिस लाइंस सम्बद्ध) से प्रभारी चौकी ढकिया थाना डिलारी बनाए गए। उ.नि. कमलदीप थाना कांठ से प्रभारी चौकी गढ़ी सलेमपुर थाना कांठ, उ.नि. जितेन्द्र कुमार प्रभारी चौकी जरगांव थाना बिलारी से पुलिस लाइन, उ.नि. रोहित कुमार वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना कांठ से प्रभारी चौकी जरगांव थाना बिलारी, उ.नि. हरेंद्र सिंह पुलिस लाइन से वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना सोनकपुर, उ.नि. विनीत कुमार थाना बिलारी से प्रभारी चौकी अमरपुर काशी थाना बिलारी और उ.नि. वीरेन्द्र सिंह थाना मैनाठेर से प्रभारी चौकी धर्मपुर कला थाना बिलारी बनाए गए। उ.नि. दीपक कुमार सिंह पुलिस लाइन से थाना बिलारी भेजे गए, उ.नि. विनोद कुमार वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना गलशहीद से थाना पाकबड़ा, उ.नि.दीपक थाना मूंढापांडे से थाना कटघर, उ.नि. राजेश कुमार थाना पाकबड़ा से प्रभारी लोअर कोर्ट, उ.नि.साहब सिंह थाना छजलैट से पुलिस लाइन, उ.नि.योगेश कुमार पुलिस लाइन्स से थाना ठाकुरद्वारा बनाए गए है। निरीक्षक विजय सिंह को अपराध शाखा से निरीक्षक प्रशासनिक थाना कटघर और नरेन्द्र कुमार गौड़ प्रभारी, मॉनिटरिंग सेल से निरीक्षक प्रशासनिक थाना मझोला बनाए गए।

लोहे के जाल के नीचे दबकर बालक की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

- मस्जिद में रखा था लोहे का जाल उसी के पास खेलते वक्त छिप गया था बच्चा

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के रचैटा गांव में सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। खेलते समय छिपने के लिए मस्जिद में गया बालक अचानक गिरे लोहे के जाल के नीचे दब गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी अजीम बेग का पुत्र शाहवान अपने साथियों के साथ खेल रहा था। खेल-खेल में वह छिपने के लिए गांव की जामा मस्जिद में चला गया। वहां दीवार से सटाकर रखा गया लोहे का भारी जाल उसे नजर आया, जिस पर वह चढ़ने लगा। इसी दौरान अचानक जाल गिर गया और शाहवान उसके नीचे दब गया। घटना को देख साथ खेल रहे बच्चों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तुरंत भागकर परिजनों को सूचना दी। आनन-फानन में मौके पर पहुंचे परिजनों ने स्थानीय लोगों की मदद से जाल को हटाकर बच्चे को बाहर निकाला और गंभीर हालत में उसे मुरादाबाद के पाकबड़ा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार देर रात उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

नैनीताल हाईवे पर रोडवेज बसों की भिड़ंत, छह घायल

संवाददाता बिलासपुर

अमृत विचार: नैनीताल हाईवे पर रामपुर डिपो और टनकपुर डिपो की दो रोडवेज बसों के बीच हुई इस भिड़ंत में करीब छह यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया और यातायात बहाल कराया।

यह घटना मंगलवार की दोपहर साढ़े ग्यारह बजे हुई। रामपुर डिपो की एक बस चालक हर स्वरूप और परिचालक रिंकी सैनी करीब 26 यात्रियों को लेकर हल्द्वानी के लिए रवाना हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों और कंडक्टर के अनुसार पीछे से आ रही टनकपुर डिपो की बस का चालक लगातार ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। नवीन मंडी के पास टनकपुर डिपो की बस अचानक आगे आई और चालक ने तेजी से ब्रेक लगा दिए। इसके चलते पीछे चल रही रामपुर डिपो की बस अनियंत्रित होकर उससे जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे में कंडक्टर रिंकी सैनी, चालक हर स्वरूप, रामपुर निवासी हरजीत कौर और देवेंद्र कौर समेत लगभग आधा दर्जन यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोप है कि टक्कर मारने के बाद टनकपुर डिपो का चालक बस समेत मौके से फरार हो गया। सूचना पाकर उपनिरीक्षक केशू शर्मा और आकिल हुसैन पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त

बिलासपुर में घायल यात्रियों से जानकारी प्राप्त करते उपनिरीक्षक केशू शर्मा।

हाईवे पर खड़ी दुर्घटनाग्रस्त बस।

- मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 11 बजे हुआ सड़क हादसा

बस को हाईवे से हटवाकर रास्ता साफ कराया। शेष यात्रियों को अन्य बसों के जरिए उनके गंतव्य की ओर रवाना किया गया है। प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि अभी इस प्रकरण में कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर आने पर जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

गागन पर नया पुल तैयार होने पर फर्राटा भरेंगे वाहन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गागन नदी पर 18.44 करोड़ रुपये की लागत से पूर्व में निर्मित क्षतिग्रस्त सेतु के स्थान पर नया पुल बन रहा है। इसके बन कर तैयार होने के बाद वाहन फर्राटा भर सकेंगे। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम इसकी कार्यदायी संस्था है।

जिले में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके पूरा होने पर जिले के विकास को और गति मिलेगी। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने परियोजनाओं के कार्यों में शिथिलता पर नाराजगी भी जताई है। गागन नदी पर पूर्व में निर्मित पुल के समानांतर निर्मित क्षतिग्रस्त पुल के स्थान पर नया सेतु, पहुंच मार्ग एवं अन्य कार्य कराए जा रहे हैं। राज्य सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि गागन नदी पर 18.44 करोड़ रुपये की लागत से नया पुल बन रहा है।

अन्य परियोजनाएं भी जिले के विकास में अहम

डॉ भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी की क्षमता दोगुना करने में अनावासीय भवन का निर्माण कार्य भी गतिमान है। जो 31 मई तक पूरा किया जाना है। इसकी भौतिक प्रगति 71 प्रतिशत है। इसके अलावा नवीन थाना सोनकपुर में अनावासीय भवनों का निर्माण भी कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत रतनपुर कला में ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम निर्माण, गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र आदि के निर्माण से विकास तेज होगा।

आरोग्य मंदिर में उपद्रवियों ने की तोड़फोड़

- एक माह पूर्व भी हो चुकी है इसी तरह की घटना
- सीएचओ ने थाना पर शिकायती पत्र दिया

संवाददाता हसनपुर

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगरौला स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र में अज्ञात उपद्रवियों ने बीती रात जमकर तोड़फोड़ की। घटना का पता मंगलवार सुबह तब चला जब कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर महिमा यादव ड्यूटी पर पहुंचीं। केंद्र के दरवाजे और खिड़कियां टूटी हुई थीं और अन्दर दवाइयां पड़ी थीं।

सीएचओ महिमा यादव ने तत्काल घटना की सूचना डायल 112 को दी। मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। महिमा यादव ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र को निशाना बनाए जाने की यह दूसरी घटना है। करीब एक माह पूर्व भी अज्ञात चोरों ने खिड़की तोड़कर केंद्र से एक प्रिंटर चोरी कर लिया था, जिसका अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही इन घटनाओं से क्षेत्र में दहशत है। ग्रामीणों ने पुलिस से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि सरकारी संस्थानों को सुरक्षित रखा जा सके। कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में तोड़फोड़ के बाद बिखरीं पड़ी दवाइयां। ● अमृत विचार

पाकिस्तान के 185 शरणार्थी परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व

संवाददाता रामपुर/बिलासपुर

- यूपी कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव पर लगी मुहर, कृषि राज्य मंत्री औलख ने दी जानकारी

अमृत विचार: पूर्वी पाकिस्तान से आए 185 शरणार्थी परिवारों को भूमि का मालिकाना हक मिलेगा। मंगलवार को यूपी कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। 70 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद बिलासपुर के पाकिस्तान विस्थापित परिवारों को भूमि का स्वामित्व मिलेगा।

उप्र कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने बताया कि मंगलवार को कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव पर मुहर लग गई है। उन्होंने बताया कि इस फैसले से दशकों से पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर और बिजनौर में रह रहे परिवारों को भूमि स्वामित्व का अधिकार मिलेगा। हालांकि मामले में निखिल भारत बंगाली समन्वय समिति के प्रदेश महासचिव दीपांकर बैरागी एडवोकेट ने बताया कि ये अच्छी खबर है। लेकिन अभी लिखित में इसका आदेश मिलेगा तो तभी कुछ बताएंगे। उन्होंने कहा कि शरणार्थियों को भूमि का मालिकाना हक दिलाए जाने को लेकर पिछले काफी समय से मांग करते चले आ रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर देश के राजनेताओं तक भूमि का मालिकाना हक का मुद्दा खूब उठाया था। कहा कि पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर परिवारों प्रथमता संबंधित ट्रांजिट कैंपों लाकर वर्ष 1955 में क्षेत्र के गांव मानपुर ओझा में 12 परिवार, वर्ष 1960 में 155 परिवार, जबकि वर्ष 1971 में क्षेत्र के गांव कौशलगंज में 12 तथा गांव दिबदिबा में 6 परिवार पुनर्वासित किए गए थे।

आज से अनूपशहर गंगा पुल पर नौ दिन बंद रहेगा आवागमन

कार्यालय संवाददाता,संभल

- पुल पर मरम्मत कार्य के चलते बंद किया गया यातायात
- डायवर्जन प्लान जारी, 16 अप्रैल तक किया जाएगा मरम्मत कार्य

अमृत विचार: जनपद संभल को बुलंदशहर और दिल्ली-एनसीआर से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण अनूपशहर गंगा पुल पर मरम्मत कार्य के चलते नौ दिन तक बंद रहेगा। प्रशासन ने 8 से 16 अप्रैल तक इस पुल पर सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया है। पुल बंद होने से हजारों वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों से होकर सफर करना पड़ेगा।

अनूपशहर गंगा पुल क्षेत्रीय यातायात और व्यापारिक गतिविधियों के लिहाज से बेहद अहम माना जाता है। उत्तराखंड के रुद्रपुर औद्योगिक क्षेत्र से तैयार माल ट्रकों के माध्यम से इसी मार्ग से देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है, जबकि कच्चा माल भी इसी रास्ते से लाया जाता है। इसके अलावा दिल्ली, नोएडा और बुलंदशहर से अलीगढ़ व आसपास के क्षेत्रों में जाने वाले लोग भी बड़ी संख्या में इसी पुल का उपयोग करते हैं। पुल पर मरम्मत कार्य शुरू होने के चलते प्रशासन ने पहले ही रूट डायवर्जन प्लान तैयार कर लिया है, ताकि यातायात प्रभावित न हो और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़े। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुल पर भारी यातायात दबाव को देखते हुए मरम्मत कार्य आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना को टाला जा सके। पुलिस प्रशासन ने अपील की है कि वे यात्रा से पहले निर्धारित वैकल्पिक मार्गों की जानकारी अवश्य कर लें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं, जिससे जाम और असुविधा की स्थिति न बने।

ये है डायवर्जन प्लान

प्रभारी पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि अनूपशहर पुल से होकर दिल्ली, अनूपशहर और बुलंदशहर की ओर जाने वाले वाहनों को अब केसरपुर तिराहा थाना रजपुरा से डायवर्ट किया जाएगा। यहां से वाहन नूरपुर तिराहा, इंदिरा चौक बबराला होते हुए गुन्नौर चौक पहुंचेंगे और फिर नरोरा गंगा पुल के रास्ते अपने गंतव्य की ओर बढ़ेंगे। इस दौरान पुलिस बल को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

शहर में आज

- रेलवे क्रिकेट स्टेडियम में अंतरमंडलीय क्रिकेट टूर्नामेंट 11:00 बजे
- लालबाग स्थित काली माता मंदिर में सायंकालीन आरती 7:00 बजे

सिटी ब्रीफ

निशुल्क खाद्यान्न 20 तक होगा वितरित

मुरादाबाद, अमृत विचार : राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत निशुल्क खाद्यान्न का वितरण 20 अप्रैल तक चलेगा। जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि योजना से आच्छादित गरीब लाभार्थियों का आर्थिक बोझ कम करने के लिए निशुल्क खाद्यान्न गेहूं व चावल वितरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि योजना में अन्त्योदय कार्ड धारक लाभार्थियों को प्रति कार्ड 21 किलोग्राम गेहूं और 14 किलोग्राम फोर्टिफाइड चावल कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न वितरित किया जाता है, जबकि पात्र गृहस्थी लाभार्थियों को तीन किलोग्राम प्रति यूनिट गेहूं और दो किलोग्राम प्रति यूनिट फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जाएगा। निशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ई-पॉस मशीन से निकलने वाली पर्ची के आधार पर ही वितरण सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सरकारी राशन की दुकानों पर सुबह आठ बजे से 12:00 बजे तक और फिर दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक किया जाएगा।

फैक्ट्री के कबाड़ में लगी आग, अफरा तफरी मची

मुरादाबाद, अमृत विचार : जनपद के मझोला थाना क्षेत्र स्थित लाकड़ी फाजलपुर में मंगलवार दोपहर एक फैक्ट्री में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग सक्रिय हो गया और मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। एफएस एक्सपोर्ट्स नामक फैक्ट्री के कबाड़ वाले कमरे में आग लगी थी। फैक्ट्री में लकड़ी से संबंधित कार्य होने के कारण आग के तेजी से फैल गई। हालांकि, समय रहते अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। दमकल की तीन गाड़ियों ने करीब 40 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। फैक्ट्री संचालक को सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

तेज आंधी और बारिश के बाद नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

कांठ रोड पर निरीक्षण के बाद कर्मचारियों को निर्देश देते नगर आयुक्त। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: तेज आंधी व बारिश के बाद नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने महानगर के कई क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में आंधी के कारण पेड़ों के टूटने तथा उससे उत्पन्न अवरोधों को देखकर उसका समाधान करने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वह अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से सड़कों पर गिरे पेड़ों एवं मलबे को शीघ्र हटाकर आवागमन सुचारू करने के लिए कहा। नगर आयुक्त ने दो टूक कहा कि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

महापौर की उपस्थिति में शपथ के बाद नामित पार्षदों ने निगम हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई

शासन से नगर निगम में नामित दस पार्षदों को दिलाई गई शपथ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- कार्यक्रम के दौरान शहर के कई गणमान्य रहे मौजूद

अमृत विचार: शासन से नगर निगम में नामित दस पार्षदों को मंगलवार को टाउनहॉल स्थित नगर निगम कार्यालय सभागार में शपथ दिलाई गई। महापौर विनोद अग्रवाल और जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शपथ के बाद नामित पार्षदों ने निगम हित में कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

शासन की ओर से नामित पार्षदों अमित सिंह (मिंटू), अभिनव बंसल, विकल वाल्मीकि, हरीश प्रजापति, कुलदीप विश्नोई, रवि सैनी, दीपक यादव, ज्योति बंसल, हेमा खत्री और कमल गुलाटी को मंगलवार को टाउनहाल स्थित नगर निगम सभागार में शपथ ग्रहण कराया गया। महापौर विनोद अग्रवाल ने नामित पार्षदों को शपथ दिलाने के बाद सभी नामित पार्षदों को प्रमाण पत्र वितरित किया। इसके अलावा सभी का माल्यार्पण कर महापौर, नगर विधायक रितेश गुप्ता, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, एमएलसी गोपाल अंजान आदि ने स्वागत किया।

शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला, नगर निगम सदन में उप नेता पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, पूर्व उप सभापति डॉ. गौरव श्रीवास्तव, सदन में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस पार्षद अनुभव मेहरोत्रा सहित अन्य पार्षद और नगर निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

टाउन हॉल स्थित नगर निगम के सभागार में महापौर ने उन्हें प्रमाणपत्र देकर दी बधाई। • अमृत विचार

सदन में पार्षदों के समर्थकों की भीड़ सेल्फी की होड़

नामित पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी आए थे, जो सदन की कुर्सियों पर जमकर बैठने के साथ ही गैलरी में भी खड़े थे। इसके चलते भाजपा के ही कई वरिष्ठ पार्षदों को बैठने की जगह नहीं मिली। वह शपथ ग्रहण समारोह के दौरान खड़े रहे। वहीं नामित पार्षदों का नाम जैसे ही शपथ लेने के लिए पुकारा जाता रहा उनके समर्थकों में फोटो खींचने की होड़ लगी रही। शपथ ग्रहण होने के बाद समर्थक पार्षदों के साथ सेल्फी लेने में भी जुटे रहे।

तेज आंधी से कार व ई-रिक्शा पर टूटकर गिरीं पेड़ की टहनियां

पश्चिमी विक्षोभ से भारी नुकसान, लकड़ी पर लटके बिजली के तार भी टूट कर गिरे, शहर के कई हिस्सों में गुल रही बिजली

- मुरादाबाद व आसपास के कई जिलों में पश्चिमी विक्षोभ का असर
- आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की है सतर्कता के लिए एडवाइजरी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

शास्त्री नगर में आंधी से पेड़ गिरने से कार हुई क्षतिग्रस्त। • अमृत विचार

आंधी में गिरे पेड़ से क्षतिग्रस्त ई-रिक्शा। • अमृत विचार

तेज आंधी में बिजली के पोल टूटने से जमीन पर बिखरी केबल। • अमृत विचार

तेज आंधी से फटा होर्डिंग। • अमृत विचार

अमृत विचार: पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली, एनसीआर से लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद सहित कई अन्य जिलों में मंगलवार को मौसम का मिजाज बदल गया। दोपहर बाद मौसम में आए बदलाव के बीच तेज आंधी से शहर के मानसरोवर कॉलोनी के शास्त्री नगर में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। आंधी के चलते कई पेड़ और उसकी शाखाएं अलग-अलग गलियों में टूटकर कार और ई-रिक्शा पर गिरीं, जिससे लोगों में अफरा तफरी मच गई। वहीं शहर के अन्य हिस्सों में बूंदाबांदी होने से तापमान में कमी आई।

मंगलवार को सुबह से बादल उमड़ते घुमड़ते रहे। शाम को अचानक तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई। शहर के मानसरोवर के शास्त्री नगर कॉलोनी में कई जगह पेड़ व पेड़ों की टहनियां टूटकर कार और ई-रिक्शा पर गिरने से लोगों में अफरा तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे। लकड़ी पर लटके बिजली के तार भी टूटकर नीचे गिर गए, जिसके चलते आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि शहर के कई अन्य हिस्सों में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी हुई। लोग बचने के लिए सुरक्षित स्थान की तलाश करते दिखे। धूल भरी आंधी के चलते दुकानों के आगे सामान सुरक्षित रखने के लिए दुकानदारों ने पॉलीथिन लगाया।

आंधी के साथ बूंदाबांदी के चलते तापमान में कमी आई। अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बुधवार को इसमें और कमी का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। वहीं पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम खराब होने से नुकसान की संभावना को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एडवाइजरी जारी कर सतर्कता बरतने की सलाह दी थी। खराब मौसम ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं।

पोल पर पेड़ गिरने से कई मोहल्लों में बिजली की आपूर्ति रही ठप

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- शास्त्री नगर, कंपनी बाग, कांशीराम नगर, आशियाना में टूटे बिजली के तार
- बारिश के चलते मरम्मत कार्य प्रभावित, 132 केवी विद्युत केंद्र की सप्लाई रोकी

अमृत विचार : तेज आंधी व बारिश ने मंगलवार को बिजली विभाग की नींद उड़ा दी। कई स्थानों पर तेज आंधी से सड़क किनारे पेड़ बिजली के पोल व तारों पर गिरने से पोल उखड़ गए, जिससे महानगर की बिजली आपूर्ति कई घंटे बाधित रही। वहीं, बिजली विभाग के अधिकारियों ने आंधी को देखते हुए 132 केवी विद्युत केंद्र से हो रही विद्युत सप्लाई बंद करा दी।

मौसम बदलने का असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा। शहर के मानसरोवर क्षेत्र स्थित शास्त्री नगर कॉलोनी में आंधी ने तबाही मचाई। इसमें बिजली विभाग के चार पोल उखड़ कर गिर गए। लाइनपार मोहल्ले की बिजली व्यवस्था शाम पांच बजे से चौपट हो गई। तेज हवा से कई बड़े पेड़ जड़ से उखड़ कर 33 केवी और 11 केवी की विद्युत लाइनों पर जा गिरे। तकनीकी व्यवस्था देख रहे अधिशासी अभियंता द्वितीय ने बताया कि महानगर में दो-तीन स्थानों पर पेड़ गिरने से बिजली के पोल और तार टूटने से कंपनी बाग, गुरहट्टी, कमिश्नर कंपाउंड, लोकोशेड, खुशहालपुर और लाइनपार की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। उन्होंने बताया कि कांठ रोड स्थित विवेकानंद विद्युत केंद्र से जा रही बिजली सप्लाई को फाल्ट के डर से बंद करा दिया है। उन्होंने बताया बारिश के चलते मरम्मत कार्य नहीं किया जा सकता है। बारिश थमने के बाद ही आपूर्ति बहाल की जाएगी।

हादसे में युवक की मौत परिजनों ने लगाया जाम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया चालक मौके से फरार

अमृत विचार : सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया। आक्रोशित परिजनों ने सड़क जाम कर हंगामा किया। परिजन ट्रक चालक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े थे। पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश कर रही है।

थाना डिलारी थाना क्षेत्र के गांव मानपुर निवासी यूसुफ मंगलवार की सुबह अपने घर से काम पर जाने के लिए निकला था। थाना भोजपुर क्षेत्र के धारक नगला गांव के पास डिलारी दोराहा पर हुई, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार यूसुफ को टक्कर मार दी, जिससे युवक ट्रक के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे और सड़क जाम कर दिया। परिजनों का आरोप था कि ट्रक चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। जाम के चलते सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस को जाम खुलवाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी देर तक समझाने-बुझाने के बाद परिजन माने और जाम खोला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

रोमांचक मुकाबलों में जम्मू और कपूरथला विजयी

मुरादाबाद, अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल द्वारा आयोजित अंतर मंडलीय रेलवे सुरक्षा बल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। जो 11 अप्रैल तक चलेगी। इसमें मुरादाबाद, दिल्ली, अंबाला, जम्मू, फिरोजपुर और रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला की कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन पहले मैच में अंबाला ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। जम्मू ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 172 रन बनाए। जवाब में अंबाला की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन ही बना सकी, जिससे जम्मू ने 17 रन से जीत दर्ज की। इस मैच में अजीत जांगिड़ ने 34 रन बनाने के साथ तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और मैन ऑफ द मैच बने।

महापुरुषों की प्रतिमाओं का होगा सौंदर्यीकरण

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना में हर विधानसभा में 10 प्रतिमाओं का होगा सौंदर्यीकरण

अमृत विचार: महापुरुषों, राष्ट्रीय स्तर के समाज सुधारकों व सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों की सुरक्षा व संरक्षण सरकार प्रदान कराएगी। इसके लिए डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अन्तर्गत कार्य कराया जाएगा।

शासन की ओर जारी गाइडलाइन में कहा है कि महापुरुषों, राष्ट्रीय स्तर के समाज सुधारकों व सांस्कृतिक विभूतियों की प्रतिमाएं राष्ट्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक विरासत की महत्वपूर्ण प्रतीक हैं। यह प्रतिमाएं सार्वजनिक स्मृति, सामाजिक मूल्यों और राष्ट्रीय एवं स्थानीय योगदानकर्ताओं के प्रति सम्मान दर्शाती हैं। वर्तमान में कई मूर्तियां छत्र एवं बाउंड्रीवाल के बगैर हैं। जिससे मौसम की मार व अतिक्रमण व उपेक्षा के प्रति संवेदनशील हैं। डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना के अन्तर्गत 31 दिसंबर 2025 तक स्थापित प्रतिमाओं की भौतिक सुरक्षा, प्रतिमा स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। प्रतिमाओं के आसपास के स्थल को विकसित करने के साथ ही बाउंड्रीवाल निर्माण कराया जाएगा। प्रत्येक विधानसभा में 10 ऐसी प्रतिमाओं को चिह्नित कर उसे सहेजा जाएगा। इसके लिए शासन ने प्रति स्मारक 10 लाख रुपये निर्धारित किया है।

रुक्मणी की शानदार जीत, 26 रन से एनएस को हराया

मुरादाबाद, अमृत विचार : रुक्मणी क्रिकेट अकादमी के मैदान पर मंगलवार को रुक्मणी क्रिकेट अकादमी और एनएस क्रिकेट अकादमी के बीच 40 ओवर का मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रुक्मणी क्रिकेट अकादमी की टीम ने 36.2 ओवर में 209 रन बनाए। टीम की ओर से एम ए मिश्रा ने सर्वाधिक 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। उनके अलावा नईम सैफी ने 24, अशरफ रजा ने 23 और अंश यादव ने 19 रन का योगदान देकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी एनएस क्रिकेट अकादमी की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा गया। टीम 35.5 ओवर में 183 रन पर सिमट गई।

परियोजनाओं की धीमी प्रगति जिले की रैंक कर रही प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- प्रभारी मंत्री ने भी जताई थी पिछले दिनों सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक में नाराजगी

अमृत विचार: जिले में महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति जिले की रैंक पर असर डाल रही है। गुरु जम्भेश्वर राज्य विश्वविद्यालय सहित कई अन्य महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं में सुस्ती शासन में किरकिरी करा रही है।

पिछले महीने जिले के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार ने सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक में निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी भी जताई थी। उन्होंने गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों को हर हाल में जल्द पूरा करने का निर्देश कार्यदायी संस्था व संबंधित अधिकारियों को दिया था। 6 अप्रैल को निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने भी असंतुष्टि जताई थी। उन्होंने यूपीसीएलडीएफ द्वारा राजकीय प्रक्षेत्र रौण्डा के सुदृढ़ीकरण कार्य, राजकीय प्रक्षेत्र पंडितपुर के सुदृढ़ीकरण कार्य, राजकीय पौधशाला फहेलउल्लागंज के सुदृढ़ीकरण कार्य की प्रगति धीमी होने पर भी इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया था।

इसके अलावा ग्रामीण अभियंत्रण द्वारा बनवाए जा रहे कस्तूरबा बालिका ठाकुरद्वारा में एकेडमिक ब्लाक एवं छात्रावास भवन निर्माण कार्य, उ.प्र. राजकीय निर्माण निगम द्वारा बिलारी में ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम निर्माण कार्यों में भी निर्माण एजेंसी की सुस्ती सामने आई थी।

विधानसभा चुनाव-2027 | व्यूह रचना में जुटे राजनीतिक दल, संगठन के बूते दिखाएंगे दमदारी

बूथ जीता, चुनाव जीता के फार्मूले पर सभी दल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- जिले की विधानसभाओं में सपा का वर्चस्व, चार सीटों पर दौड़ रही साइकिल
- दो सीटों पर खिला कमल, कांग्रेस व बसपा को लंबे समय से जीत का इंतजार

विधानसभा	पार्टी	विधायक
मुरादाबाद नगर :	भाजपा	रितेश गुप्ता
मुरादाबाद ग्रामीण	सपा नासिर	कुरैशी
कुंदरकी	भाजपा	रामवीर सिंह (उपचुनाव में जीते)
बिलारी	सपा	मोहम्मद फहीम इरफान
ठाकुरद्वारा -	सपा	नवाब जान खां
कांठ	सपा -	कमाल अख्तर

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने अभी से व्यूह रचना शुरू कर दी है। अपने समर्थकों की किलेबंदी मजबूत कर दूसरे के किले में सेंधमारी के भी प्रयास जारी हैं। जिले की विधानसभा सीटों के वर्तमान परिदृश्य में सपा सभी पर भारी है, क्योंकि छह में से चार सीटों पर उसके विधायक जीते हुए हैं।

विधानसभा चुनाव में अब मुश्किल से एक वर्ष का समय रह गया है। इसे देखते हुए राजनीतिक दल राजनीतिक रणनीति बनाने में जुट गए हैं। पार्टी के कार्यक्रमों व बैठकों में विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा शुरू हो गई है। वहीं चौक चौपाल पर भी लोग चुनाव के गुणा गणित और इस पर पड़ने वाले प्रभावों में मशगूल हैं। आम जनता ही नहीं राजनीतिक दलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी इस पर मंथन कर रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य पर नजर डालें तो जिले की विधानसभाओं में सपा का वर्चस्व बना हुआ है। जिले की छह में से चार विधानसभा सीटों पर सपा की साइकिल का कब्जा है। दो सीटों पर भाजपा का कमल खिला है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा केवल शहर विधानसभा सीट ही जीत सकी थी। बहुत कम वोटों से भाजपा के रितेश गुप्ता अपनी सीट बचाने में कायम रहे थे, अन्यथा भाजपा का जिले में सूपड़ा साफ हो जाता। कुंदरकी में हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत हासिल करके अपनी विधायक संख्या दो कर ली थी। वहीं कांग्रेस और बसपा को लंबे समय से जीत का इंतजार है।

चुनाव में जीत-हार से पहले प्रत्याशियों के चयन पर विशेष नजर है। सभी को टिकाऊ और जिताऊ प्रत्याशी पर ही भरोसा जताना है। ऐसे में अभी से कई नये दावेदार भी पार्टी के कार्यक्रमों और पार्टी के बड़े नेताओं की नजर में अपनी उपस्थिति करा रहे हैं। वहीं सभी राजनीतिक दल बूथ जीता, चुनाव जीता के फार्मूले पर सभी दमदारी दिखाने की पूरी तैयारी कर रहे हैं।

संक्रामक बीमारियों से बचाव व रोक को दिखानी होगी गंभीरता

मुरादाबाद, अमृत विचार: जिलाधिकारी अनुज सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्थानीय निकाय और विकास खंडों में डेंगू, मलेरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव एवं इसके संक्रमण को रोकने के लिए गंभीरता पूर्वक कदम उठाएं।

जिलाधिकारी ने कहा कि बीते वर्ष में हाई रिस्क जोन के रूप में चिह्नित गांव और वार्डों में विशेष रूप से साफ सफाई एवं फॉगिंग का कार्य होना चाहिए, जिससे इस वर्ष उन स्थानों पर संक्रामक बीमारियों का प्रसार न होने पाए।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से कहा कि बच्चों को हाथ धोने के सही तरीके के बारे में भी जागरूक किया जाए। क्योंकि व्यक्तिगत सफाई संक्रामक बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण है।

कीर्तन में गूंजा वाहे गुरु का जयकारा

गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर लालबाग स्थित गुरुद्वारे में शबद कीर्तन प्रस्तुत करता रागी जत्था। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : लालबाग स्थित गुरु तेग बहादुर जी गुरुद्वारा में गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को भव्य कीर्तन समागम का आयोजन श्रद्धा के साथ किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट की।

समागम के दौरान विभिन्न स्थानों से आए रागी जत्थों ने शबद-कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। गुरुद्वारा परिसर में विशेष दीवान सजाया गया, जहां गुरुवाणी का गुणगान हुआ। कीर्तन के बीच-बीच में संगत द्वारा वाहे गुरु के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर सामूहिक अरदास की गई, जिसमें देश और समाज की खुशहाली व मानवता के कल्याण की कामना की गई। गुरुद्वारा के प्रधान गुरप्रीत सिंह दुआ ने गुरु तेग बहादुर की शहादत और उनके उपदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु साहिब ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए बलिदान दिया, जो सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। अंत में अटूट लंगर बरता गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वहीं, लंगर वितरण कर श्रद्धालुओं ने पुण्य लाभ कमाया।

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार,8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

दहेज हत्या के आरोपी पति को भेजा जेल

बिलारी अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के खाता गांव में बीती 30 मार्च को दहेज के लिए पति द्वारा विवाहिता की हत्या कर दी गई और शव को रात में ही जला दिया गया। जिस मामले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तक घटना की जानकारी पहुंची। जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा चौकी इंचार्ज और एक सिपाही को भी लाइन हाजिर कर दिया गया। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर निवासी विजय सिंह ने घटना के बारे में बिलारी पुलिस को तहरीर दी थी जिस पर पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जान शुरू कर दी ।मंगलवार को बिलारी कोतवाली पुलिस ने फरार चल रहे हत्यारोपी पति यशपाल पुत्र वीर सिंह निवासी खाता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जैविक खेती के प्रति किया जागरूक

कांठ, अमृत विचार : बृहद गो संरक्षण केंद्र रायपुर खुर्दपुर में गौ सेवा गतिविधि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भूमि सुपोषण एवं संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तरीय जन अभियान कार्यक्रम पर चर्चा की गई तथा आसपास के गांव के लोगों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भूमि सुपोषण अभियान रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों को कम कर प्राकृतिक में जैविक कृषि के माध्यम से मिट्टी की उर्वरकता पुनः प्राप्त करने का एक देशव्यापी जन आंदोलन है। आसपास के गांव के लोग अपने खेतों की मिट्टी लेकर आए उस मिट्टी को एकत्र कर कलश की स्थापना करते हुए पूजा अर्चना की गई एवं गो माता की पूजा की गई। इस मौके पर विकास शर्मा जिला संयोजक गौ सेवा गतिविधि, अमित चौहान विभाग संयोजक, मोहित शर्मा, अंकित राजपूत, अंकुर चौहान, राजेंद्र चौहान, सतवीर चौहान, कैलाश चौहान, आदि गौ भक्त उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकाली कलश यात्रा

बिलारी अमृत विचार। ढकिया नरू गांव की दुर्गा कुंवर कॉलोनी में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। पूजा अर्चना करके कथा व्यास मनोज शास्त्री ने कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। राधा कृष्ण का गुणगान करते हुए कलश यात्रा गांव के निर्धारित रास्तों पर होती हुई चामुंडा देवी के मंदिर पर पहुंची ,वहां से फिर कथा स्थल तक आई। जिसमें सोमपाल मिथिलेश, प्रीति लज्जा ज्योति पूजा तनु, किरण पुष्पा तान्या रामवती सरोज देवी मिथिलेश दीपक नागर,पूजा स्वाति, शोभा आदि शामिल रहे। कथा व्यास ने भक्ति ज्ञान और वैराग्य के प्रसंग पर विस्तार से चर्चा की और गोकर्ण और धुंधकारी नामक भाइयों का प्रसंग सुनाया।

कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार कंपाउंडर की मौत, विरोध में जाम

भगतपुर व भोजपुर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझाकर यातायात सुचारू कराया

- पीपलसाना में निजी चिकित्सक के यहां करता था कार्य

संवाददाता, भोजपुर

हादसे में मौत के बाद धारक नगला पुलिस चौकी के सामने हाईवे जाम करते ग्रामीणों को समझाते पुलिस अधिकारी।

अमृत विचार : मुरादाबाद टिहरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर भोजपुर क्षेत्र के डिलारी दोराहा पर अनियंत्रित कंटेनर ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की उपचार को ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। विरोध में ग्रामीणों ने एक घंटे हाइवे जाम कर दिया। भगतपुर और भोजपुर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर यातायात सुचारू कराया।

मृतक युसूफ।

मंगलवार को थाना डिलारी के गांव मानपुर साबित निवासी 23 वर्षीय युसूफ पुत्र गुलाम अहमद बाइक पर सवार होकर गांव पीपलसाना में स्थित निजी अस्पताल में ड्यूटी करने जा रहा था। युवक अस्पताल में कंपाउंडर का कार्य करने के साथ ही नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था।डिलारी दोराहे पर वाहनों की चेकिंग कर रही ट्राफिक पुलिस को देखकर युवक ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी और भोजपुर दिशा को भागने लगा। इसी दौरान ठाकुरद्वारा दिशा से आ रहे कंटेनर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। कंटेनर की टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। नजदीक में स्थित धारक नगला पुलिस घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर जा रही थी। रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। बाइक सवार युवक के परिजनों को हादसे की जानकारी हुई तो वह भीड़ के साथ मौके पर आये और दौराहे पर वाहन चैकिंग के नाम पर अवैध वसूली कर रही ट्राफिक पुलिस को हादसे का जिम्मेदार ठहराते हुए धारक नगला पुलिस चौकी के सामने हाईवे पर जाम लगा दिया। यातायात ठप होने पर हाईवे पर मुरादाबाद और ठाकुरद्वारा दिशाओं पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हाईवे जाम होने पर पुलिस में हड़कंप मच गया। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार और भगतपुर थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने मौके पर पहुंचकर मृतक के परिजनों को समझा बुझाकर यातायात सुचारू कराया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर थाना मैनाठेर के गांव असदपुर निवासी ट्रक चालक नाजिम पुत्र जुम्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कंटेनर को कब्जे लेकर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया।

घर का ताला तोड़कर लाखों के जेवर चोरी

ठाकुरद्वारा,अमृत विचार : क्षेत्र के नई बस्ती मोहल्ले में एक महिला के घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा लाखों रुपये के सोने के आभूषण चोरी करने का मामला सामने आया है।

पीड़िता ने डिप्टी एसपी को शिकायत पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला नई बस्ती निवासी उजमा परवीन पत्नी रिजवान 7 अप्रैल को दोपहर करीब 12:30 बजे एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए काशीपुर गई थीं। जब वह वापस लौटीं तो उनके घर का ताला टूटा हुआ मिला और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से सोने का हार, एक जोड़ी कंगन, एक जोड़ी झुमकी, एक जोड़ी चेन और एक जोड़ी पेंडल गायब मिले। पीड़िता के अनुसार चोरी हुए आभूषणों का कुल वजन करीब 7 तोला है, जिसकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। ताला टूटा हुआ मिला और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। पीड़िता ने मामले की तहरीर आशीष प्रताप सिंह को देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने तथा चोरी गया सामान बरामद कराने की मांग की है।

विद्युत लाइन की चपेट में आकर तीन लोग झुलसे, एक की मौत

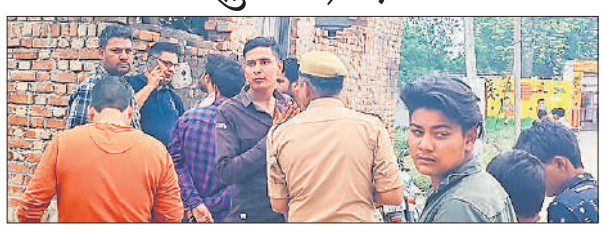

हादसे के बाद मौके पर मौजूद पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में 11000 की विद्युत लाइन का तार लोहे के पिलर में टच होने से तीन व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गए जिसमें उपचार को ले जाते समय एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का दौरा किया।

ग्राम अकबरपुर चैदरी निवासी साजिद के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। मंगलवार को राजमिस्त्री निर्माण कार्य में लगे थे। तभी गांव का ही इकबाल पुत्र मोहम्मद सोनू कुमार एवं इरफान निवासी नया गांव यह लोग भी राजमिस्त्रियों के पास पहुंच गए। जैसे ही निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों ने दीवार बनाने के लिए लोहे का पिलर खड़ा किया उसके ऊपर 11 हजार वोल्टेज की विद्युत लाइन निकल रही थी, लोहे का पिलर विद्युत लाइन के तार में टच हो गया। पिलर खड़ा कर रहे लोगों के करंट लग गया। करंट लगते ही राज मजदूर तो अलग हट गए और इकबाल, इरफान, सोनू यह तीनों गंभीर रूप से झुलस गए। बिजली का करंट से घायल लोगों को उपचार के लिए एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। इकबाल की हालत गंभीर होने पर उसे उपचार के लिए मुरादाबाद लेकर जा रहे थे, जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद मृतक के परिजन उसके शव को घर ले आए। लोगों ने घटना की जानकारी थाना कांठ पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेशपाल सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने और पुलिस कार्यवाही करने से इनकार कर दिया। मृतक के तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा अरशद 15 वर्ष, छोटा बेटा हर्ष 13 वर्ष, एक बेटी निशा 10 वर्ष पत्नी सभी का रो-रो कर बुरा हाल है।

शादी में डीजे पर भड़का विवाद, बरातियों में संघर्ष

वायरल वीडियो में मारपीट करते दिखते दोनों पक्ष। ● अमृत विचार

संवाददाता कुंदरकी, अमृत विचार: गूलर चौराहे से चक फाजलपुर रोड पर स्थित मैरिज हॉल में मंगलवार को पास के गांव में लड़की की शादी के दौरान डीजे की तेज ध्वनि ने खेला करा दिया।

दूसरे गांव से बारात लाने वालों ने जबरन डीजे की आवाज तेज कर नाच-गाना शुरू किया तो लड़की पक्ष ने विरोध किया। छोटी सी आपत्ति गाली-गलौज से बढ़ी और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडों से मारपीट होने लगी। पूरा हंगामा मोबाइल में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह हालात संभाले। समझदार लोगों के समझाने पर निकाह संपन्न हुआ और शाम को रुखसती हो गई।

गाली-गलौज व मारपीट करने पर दर्ज कराई रिपोर्ट

ठाकुरद्वारा,अमृतविचार : गाली-गलौज करने और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र के ग्राम राजपुर मिलक निवासी धर्मेंद्र कुमार पुत्र स्व. रामअवतार सिंह ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कहा कि वह वर्तमान में काशीपुर में रहकर शिक्षक का कार्य करते हैं। 5 अप्रैल को गांव आए थे। आरोप है कि वह अपने घर के सामने खड़े थे, तभी पड़ोस के मनोज पुत्र नवल सिंह सैनी वहां आया और होली के दौरान हुए झगड़े की बात करने लगा। जब उन्होंने इस मामले से खुद को अलग बताया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगा और थप्पड़ मारकर मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

टायर फैक्ट्री से प्रदूषण के खिलाफ भाकियू का धरना

संवाददाता बिलारी

तहसील पर धरना देते भाकियू पदाधिकारी और किसान। ● अमृत विचार

- धरना स्थल पर आए प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी 15 दिन के अंदर करेंगे जांच संचालकों को भेजेंगे नोटिस

अमृत विचार: स्योंडारा रोड स्थित श्रीराम इंडस्ट्रीज के नाम से संचालित टायर फैक्ट्री से हो रहे प्रदूषण के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में आसपास के ग्रामीण पिछले काफी समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। एक सप्ताह पूर्व एसडीएम को ज्ञापन भी दिया गया था और मंगलवार को तहसील पर धरना भी दिया। जिसमें प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी, एसडीएम विनय सिंह, वन विभाग की टीम मौजूद रही।

धरने के दौरान किसानों ने अधिकारियों से फैक्ट्री से हो रहे प्रदूषण की जांच करने की बात कही जिस पर प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी ने 15 दिन के अंदर जांच पूरी करने को कहा साथ ही फैक्ट्री की जांच और आसपास के ग्रामीणों से जानकारी भी करने की बात कही, वही वन विभाग से संचालकों द्वारा उनसे एनओसी नहीं लेने की बात भी कही गई है । जिस पर वह उन्हें नोटिस भेजेंगे। मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन के पूर्व युवा प्रदेश प्रभारी पश्चिमी शुभम राठी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एसडीएम कार्यालय पर पहुंचे । जहां उन्होंने नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। नारेबाजी के दौरान एसडीम विनय सिंह ने प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी और वन विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया जहां काफी देर किसानों को समझने के बाद कहा कि फैक्ट्री 15 दिन के अंदर फैक्ट्री के सभी मानकों की जांच कराई जाएगी प्रदूषण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा कि वह फैक्ट्री के अंदर मीटर लगाएंगे। जिससे पता चलेगा कि फैक्ट्री से कितना प्रदूषण हो रहा है साथ ही फैक्ट्री से निकल रही बदबू और संचालकों द्वारा वेस्टीज को इधर-उधर फेंका जा रहा है, इसको लेकर उन्हें नोटिस भेजा जाएगा। वन विभाग द्वारा बताया गया की फैक्ट्री के बाहर में गेट पर जो टाईल्स लगाई गई है, उनकी परमिशन नहीं दी गई है हमारे द्वारा भी उन्हें नोटिस भेजा जाएगा। 15 दिन के अंदर जांच पूरी होने के आश्वासन पर किसानों ने धरना स्थगित किया। धरना प्रदर्शन में शुभम राठी, आंसू बालियान, भारतीय किसान यूनियन युवा के जिला अध्यक्ष ऋषभ चौधरी समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मुख्तियारपुर नवादा में 52 लोगों ने कराई टीबी जांच

संवाददाता, कांठ

जांच कराते ग्रामीण व मौजूद स्वास्थ्य टीम।

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के ग्राम मुख्तियारपुर नवादा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी (क्षय रोग) की रोकथाम एवं समय पर पहचान के उद्देश्य से विशेष जांच कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में कुल 52 लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिनके चैस्ट एक्स-रे भी कराए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को टीबी के लक्षणों, इसके संक्रमण से बचाव तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अपील की कि किसी को लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना या कमजोरी जैसी समस्या हो तो तुरंत जांच कराएं। कैंप में डॉ. जगवीर सिंह, मुकेश, प्रदीप तथा लैब टेक्नीशियन रणवीर सिंह ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जांच कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

कार्यकर्ताओं ने भाजपा के स्थापना दिवस पर चलाया गांव चलो संपर्क अभियान

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

ठाकुरद्वारा के वार्ड 12 में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते वक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र में उत्साह और धूमधाम के साथ कार्यक्रम आयोजित किए। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार 7 से 12 अप्रैल तक 'गांव चलो संपर्क अभियान' के तहत विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में वार्ड नंबर एक, मोहल्ला जाटवान में पंडित अरविंद शर्मा के निवास पर संपर्क अभियान कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि जिला महामंत्री डॉ ओमपाल सैनी उपस्थित रहे। इसके बाद मोहल्ला बंजारन, वार्ड नंबर 12 स्थित धर्मशाला में भी संपर्क अभियान हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भूमि राशन ठाकुरद्वारा के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह चौहान ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में सभी सरकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के हर वर्ग तक पहुंचाया जा रहा है। पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार पाल और शिवेंद्र गुप्ता ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष दीपक वाल्मीकि, संजीव कुमार चौहान, भाजपा मीडिया प्रभारी कमलेश कुमार, प्रदीप कुमार पाल, विमल कुमार, नामित सभासद सुधीर नायक, हेमेंद्र प्रताप सिंह, अजय कुमार वर्मा, लक्ष्मी देवी ठाकुर, प्रकाश सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिटी डायरी

260 परिवारों को मिले राशन कार्ड

कुंदरकी, अमृत विचार : विधायक रामवीर सिंह ने कुंदरकी ब्लॉक में पात्र लाभार्थियों को राशन कार्ड वितरित कर जनसेवा का संकल्प दोहराया। सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने वाले इस कार्यक्रम में 260 परिवारों को कार्ड मिले। विधायक ने कहा कि पहले राशन कार्ड के लिए दफ्तरों के चक्कर लगते थे, अब पारदर्शी व्यवस्था से लाभ घर-घर पहुंच रहा है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गुलाम जिलानी, मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप, जिला मंत्री अरविंद ठाकुर, नसीम खान, ग्राम प्रधान डाकिया जुम्मा अब्दुल मलिक खान, इरफान पठान, इरशाद खान,अंकित चौहान, परशुराम सैनी, सरवर अली, चिराग अली समेत बड़ी संख्या में अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में काव्यपाठ और स्लोगन प्रतियोगिता कराई

संवाददाता, कांठ, अमृत विचार : उप्र सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान 5 के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालय में काव्य पाठ एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं जागरूकता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा नज़ाकत हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं समानता जैसे विषयों पर प्रभावशाली कविताएं प्रस्तुत कीं। वहीं स्लोगन निर्माण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने सशक्त संदेशों के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया। निर्णायक मंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का चयन किया। जिन्हें महाविद्यालय प्रशासन द्वारा साक्षी को प्रथम और पायल को द्वितीय स्थान दिया गया। स्लोगन लेखन में नरेंद्र कुमार को प्रथम और अमित कुमार को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए आयोजकों ने सभी का भी आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

छजलैट में 10 को जुटेंगे किसान प्रमुख मुद्दों पर होगी चर्चा

मुरादाबाद,अमृत विचार : किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 10 अप्रैल को ब्लॉक छजलैट स्थित किसान भवन पर बैठक एवं आंदोलन होगा। इसमें भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के पदाधिकारियों द्वारा समस्त किसान संगठन व उनके प्रदेश, मंडल, जिला, तहसील और ब्लॉक के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान जुटेंगे। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. नौ सिंह ने बताया कि प्रशासन को 10 अप्रैल तक मांगें पूरी न करने पर किसानों की बड़ी पंचायत की जानकारी दे दी गई थी। इसमें किसानों की ज्वलंत समस्याओं को एकजुट होकर उठाने के साथ ही उनके समाधान के लिए संघर्ष की रणनीति बनाई जाएगी। इसके लिए किसानों से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने की अपील है। किसानों के मुख्य तीन मुद्दे हैं जिसमें रिजेक्ट गन्ना, बैंकों और क्षेत्र में बढ़ रही तेंदुओं से हो रही समस्या शामिल हैं।

खेत पर कब्जे के विवाद में मारपीट, मुकदमा दर्ज

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : खेत पर कब्जे को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति और उसके बेटों के साथ मारपीट कर जान से मारने का आरोप में कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उत्तराखंड के जिला उधम सिंह नगर थाना आईटीआई के ग्राम गुलड़िया निवासी, अकबर अली पुत्र अब्दुल हमीद कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी आराजी काश्त संख्या 22, मूल्य संख्या 73 मोजा फरीदनगर में स्थित है। आरोप है कि 6 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 3 बजे वह अपने पुत्र अली मुर्तजा और सुवहान रजा के साथ खेत पर पहुंचे थे। इसी दौरान गांव के ही हारून पुत्र वली मोहम्मद, महफूज पुत्र हारून, अहसान पुत्र रईस और सलमान पुत्र फारूख लाठी-डंडों से लैस होकर वहां पहुंच गए। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उनके बेटों को गालियां दीं और विरोध करने पर लाठी-डंडों से मारपीट कर दी, जिससे दोनों को चोटें आईं। जाते समय आरोपियों ने खेत को अपना बताते हुए दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

मानसिक बीमार महिला को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : महिला सुरक्षा टीम की तत्परता से एक मानसिक अस्वस्थ महिला को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया। यूपी-112 के माध्यम से सूचना मिली कि ग्राम रामनगर खागूवाला में 45 वर्षीय एक महिला संदिग्ध हालत में घूम रही है, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। सूचना पर उप निरीक्षक विनय कुमार महिला सुरक्षा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और महिला से नाम पता पूछने का प्रयास किया, लेकिन वह कोई जानकारी नहीं दे सकी। इसके बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। महिला की पहचान ग्राम राजा का ताजपुर थाना नूरपुर, बिजनौर निवासी के रूप में हुई।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9412554796
0591 3591634

सूचना

मैंने अपना नाम Tripti Saxena से बदलकर Aadya Saxena कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। Aadya Saxena D/o Priyank Saxena पता- मिथलेश निवास, गली नं. 3, सांई विहार रामपुर।

सूचना

मेरे हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2023 अनुक्रमांक 1230741938 एवं इंटरमीडिएट वर्ष 2025 अनुक्रमांक 2255631256 के प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गए है। चंचल पुत्री करन सिंह निवासी ग्राम जनुनागर तहलील मिलक (रामपुर)

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

धूमधाम से मना सीएनएस एकेडमी का वार्षिकोत्सव

संवाददाता, कांठ

कार्यक्रम में बोलते एमएलसी डॉ हरी सिंह ढिल्लों।

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के कुचावली स्थित सीएनएस एकेडमी में वार्षिकोत्सव समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन सुन्दर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर बाबा फुलसनदे वालों को शाल पहनाकर आशीर्वाद लिया। मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ हरि सिंह ढिल्लों, विशिष्ट अतिथि जयपाल सिंह व्यस्त रहे। कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजेश कुमार चुन्नु, डॉ. अनुज अग्रवाल, पल्लवी अग्रवाल, अरविंद गुरु, जेआरएसएम कॉन्वेंट स्कूल के निदेशक सचिन यादव तथा भारत इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के चेयरमैन शुभम चौधरी भी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य प्रियंका सिंह ने विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।इस अवसर पर सुमित चौधरी चेयरमेन सरकारी खाद भंडार, पूर्व ब्लॉक प्रमुख चरण सिंह, रालोद नेता अभिनय चौधरी, चौ ऋषिपाल सिंह किसान यूनियन, फॉरेस्ट रेंजर पुष्पेंद्र चौधरी, सतवीर मान, जाट महासभा उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

यूजीसी के समर्थन में राष्ट्रीय समानता दल का प्रदर्शन

संवाददाता, कांठ

- एसडीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन भेजा

अमृत विचार: यूजीसी बिल पास करने के लिए राष्ट्रीय समानता दल की तहसील इकाई ने यूजीसी बिल के समर्थन में प्रदर्शन कर एसडीम के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया।

राष्ट्रीय समानता दल के कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर में पहुंचकर यूजीसी के समर्थन में जुलूस के रूप में तहसील परिषद कांठ पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने यूजीसी बिल के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एसडीएम कांठ संत दास पवार के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति व जिला अधिकारी मुरादाबाद को ज्ञापन प्रेषित किया। समानता दल के जिला अध्यक्ष तेज सिंह ने दर्जनों की संख्या में तहसील पहुंचकर नारेबाजी की और शीघ्र ही यूजीसी बिल को पास करने का समर्थन दिया। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि यूजीसी बिल पास न होने से कई समस्याएं सामने आ रही हैं। ज्ञापन में बताया गया कि एससी एसटी, ओबीसी छात्र-छात्राओं को अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है । उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए गए स्थगनादेश को हटाकर तत्काल लागू किया जाए। समर्थन करने वालों में तेज सिंह सैनी ,सत्यम सिंह ,अनिल, सैफ अली, ओम प्रकाश सैनी, मोहम्मद उद्दीन, जालिब अंसारी, परम सिंह ,राकेश सैनी ,राकेश कुमार वाल्मीकि, साबिर सैफी, हरि सिंह सैनी ,वीरेंद्र पाल सिंह भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

एसपी से मिले वेलफेयर एसो. के पदाधिकारी

शाहबाद, अमृत विचार : शाहबाद वेलफेयर पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने नवागत पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना से शिष्टाचार भेंट की। पदाधिकारियों ने उनका स्वागत करते हुए जिले में बेहतर कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपेक्षा जताई। उन्होंने एसपी को श्रीमद्भागवत गीता भेंट की। एसपी सोमेंद्र मीना ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि जनपद में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। इस दौरान संगठन के अध्यक्ष आफताब बेग, सिफत मियां, एहसान खान, वीपी विद्यार्थी, राजीव भटनागर, फैजान खान, तकरीर मलिक आदि मौजूद रहे।

पति समेत चार पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज

भोजपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव निवासी विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, जेठ एवं नंदोई के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को दी तहरीर में पीड़िता ने कहा है कि 7 अप्रैल 25 को गांव चकबेगमपुर निवासी संजय पुत्र हेतराम के साथ हिंदू धर्म के रीति-रिवाज से विवाह हुआ था। विवाह में पिता ने उपहार, एक लाख रुपए नगद व सामान दिया था। पति ,जेठ अमरीश, नंदोई कुंवरपाल और सास पिता द्वारा दिए गए दान दहेज से खुश नहीं थे। भैंस और बुलेट मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उत्पीड़न करने लगे। एक अप्रैल की रात को मारपीट कर घर से निकाल दिया। आरोपियों ने कहा कि घर वापस आई तो जान से मार देंगे। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में बाइक सवार जख्मी, रेफर

शाहबाद, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला जिलेदारान निवासी अख्तर अपने निजी काम से मुरादाबाद गए थे। वापस आते समय सैफनी थाना क्षेत्र के गांव ताजपुर बहेटा के निकट किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के लिए उन्हें सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। लेकिन हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना की सूचना पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

फिलिस्तीन के राजदूत से मिले नवेद मियां, जुल्म की निंदा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

राजदूत से मुलाकात करते नवेद मियां।

अमृत विचार: पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने सोमवार को भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला मोहम्मद अबू शावेश से मुलाकात की।

उन्होंने गाजा समेत पूरे फिलिस्तीन में इजरायल के जुल्म की निंदा की। उन्होंने कहा कि इजरायल की ज्यादती का अंत जरूर होगा। नवेद मियां ने बताया कि वो फिलिस्तीन के समर्थक हैं। वो पीड़ितों के साथ खड़े हैं और यही जाहिर करने के लिए राजदूत से मिले थे। अब्दुल्ला मोहम्मद अबू शावेश भारत में फिलिस्तीनी राजदूत हैं। वो 22 अक्टूबर 1970 को गाजा के नुसेरात शरणार्थी शिविर में जन्मे थे। मौजूदा संघर्ष के बीच अपने लोगों के मुखर समर्थक रहे हैं और गाजा में संकट को समाप्त करने के प्रयासों का समर्थन करते हुए अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का आग्रह करते रहे हैं। नवेद मियां ने कहा कि फिलिस्तीन में इजरायली नाइंसाफी रोकने के लिए दुनियाभर के इंसाफ पसंद देशों को आगे आना चाहिए।

शहर विधायक आकाश सक्सेना के साथ एनएचएआई अधिकारियों ने मौके पर पहुंच किया सर्वे

दस करोड़ से संवरेगी बाईपास सर्विस रोड, निर्माण जल्द

संवाददाता कार्यालय, रामपुर

बाईपास की सर्विस रोड का निर्माण को लेकर एनएचएआई अधिकारियों से वार्ता करते शहर विधायक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से बाईपास के चारों तरफ सर्विस रोड का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए करीब दस करोड़ रुपये की लागत आएगी। मंगलवार को शहर विधायक आकाश सक्सेना के साथ ही एनएचएआई के अधिकारियों ने बाईपास का सर्वे किया। सर्विस रोड का निर्माण होने से लोगों का आवागमन सुलभ हो जाएगा।

रामपुर-बरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर जीरो प्वाइंट से लेकर शहजादनगर तक बाईपास बना है। रामपुर से बाहर-बाहर निकले इस बाईपास पर सांवरिया बैंक्वेट हॉल के पास बाईपास पर आने जाने के लिए सर्विस रोड बनी हैं। लेकिन काफी समय से सर्विस रोड जर्जर हो गई थी। इस कारण लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें हो रहीं थीं। इसको लेकर शहर विधायक आकाश सक्सेना ने एनएचएआई के अधिकारियों से बात की, जिसके बाद एनएचएआई के टीम लीडर राजीव कुमार अपनी टीम के साथ रामपुर पहुंच गए। उन्होंने विधायक के साथ सर्विस रोड का निरीक्षण किया।

उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर ट्रेफिक का दबाव अधिक है। जिस कारण यह सर्विस रोड जल्द ही खराब हो जाती हैं। ऐसे में अब इसकी ड्राइंग में फेरबदल किया जा रहा है, ताकि सर्विस रोड को पहले से अधिक मजबूत और ज्यादा समय तक चलने वाला बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि सर्विस रोड के निर्माण के लिए करीब दस करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर विधायक आकाश ने बताया कि बाईपास पर सर्विस रोड अत्यधिक खराब हो गई थी, जिस वजह से आएदिन हादसे हो रहे थे। उन्होंने बताया कि सर्विस रोड का निर्माण होने की वजह से न सिर्फ आवागमन सुलभ होगा, बल्कि लोगों को सुरक्षित सफर भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि बाईपास पर रामपुर में प्रवेश करने के लिए साइन बोर्ड भी लगाए जाएंगे।

> बाईपास की सर्विस रोड का निर्माण जल्द शुरू हो जाएगा। इसके लिए आगामी 15 दिनों में निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। - **राजीव कुमार**, टीम लीडर, एनएचएआई, मुरादाबाद

गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन

अखंड पाठ साहिब के साथ हुए नितनेम पाठ, सुबह से अपराह्न तक सजाए गए विशेष दीवान में पहुंत संगत निहाल

गुरुद्वारे में सजा विशेष दीवान। ● अमृत विचार

गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन करते रागी जत्था।

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में आयोजित हुए कार्यक्रम

अमृत विचार: श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के प्रकाश पर्व पर सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा में प्रातः 5 से श्री नितनेम साहिब, श्री सुखमणि साहिब के पाठ हुए अरदास के बाद सुबह 8:30 से 9 बजे तक श्री अखंड पाठ साहिब जी की समाप्ति हुई। गुरुद्वारे में कीर्तन दरबार सजा जिसमें श्री दरबार साहिब अमृतसर से आए जगरूप सिंह जी ने सुबह 9 से 10:45 बजे तक शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई।

गुरुद्वारे में दोपहर 1 से 3 बजे तक गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा के हजूरी रागी जत्थे ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया। दूसरे दीवान में प्रोफेसर भाई जगरूप सिंह श्री दरबार साहिब अमृतसर ने शबद कीर्तन कर संगत को निहाल किया और कथा की।

अपराह्न 3 बजे अरदास हुई। अमृतसर से आए रागी जत्थे को प्रधान दर्शन सिंह खुराना ने शाल और सरोपा ओढ़ाकर सम्मानित किया इसके बाद संगत को गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। इसके बाद दीवान सजा जिसमें पटियाला से आए रागी जत्था भाई विश्वदीप सिंह ने संगत को निहाल किया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रधान दर्शन सिंह खुराना, प्रबंधक कमेटी के मीत प्रधान गुरचरण सिंह आहूजा, सेक्रेटरी त्रिलोचन सिंह वाधवा, भूपेंद्र सिंह, सुरेंद्र सिंह चावला, अमरजीत सिंह, महेंद्र सिंह होरा, राधेश्याम अरोड़ा, हरीश अरोड़ा, हरपाल सिंह, जसमीत सिंह, पपेंद्र सिंह, संतोख सिंह, धनवंत सिंह, प्रेम अरोड़ा, रविंद्र सिंह, गुरजीत सिंह, हरजीत सिंह, राज सिंह, कंवलजीत सिंह कथूरिया, मुख्य ग्रंथि सेवा सिंह, गुरमीत सिंह, सेवादार राजा सिंह, परमजीत सिंह, अवतार सिंह लाडी, जसमीत सिंह वीर आदि उपस्थित रहे।

गुरुद्वारे में शबद कीर्तन में उपस्थित संगत। ● अमृत विचार

चुनाव की तैयारियों में जुटें बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● अपना दल एस के जिला कार्यालय पर हुई समीक्षा बैठक

अमृत विचार: सिविल लाइंस स्थित अपना दल एस जिला कार्यालय पर मंगलवार को पार्टी की मासिक समीक्षा बैठक हुई। जिलाध्यक्ष चौधरी घनवीर सिह संधू की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को आगामी चुनाव को लेकर दिशा निर्देश दिए गए।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि सभी पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत कर पंचायत चुनाव व विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। पार्टी की नीतियों व विचारधारा की जानकारी जनता तक पहुंचाएं और पार्टी से जोड़ने का काम करें। जिला महासचिव जसवंत पटेल ने कहा कि पार्टी रामपुर में जिला पंचायत के सभी वार्डों में मजबूत प्रत्याशी उतारेगी। बैठक का संचालन महबूब अली पाशा ने किया। बैठक में जिला महासचिव जसवंत पटेल, अमित्रजीत संधू, याकूब अली एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष रामपाल गंगवार, मोहन लाल गंगवार फौजी, इक्तेदार अली, चौधरी महेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष किसान मंच राजकुमार गंगवार, जिलाध्यक्ष विधि मंच चौधरी वीरेंद्र सिंह, जिला सचिव रामरतन लाल सागर, जिला कोषाध्यक्ष ताज मोहम्मद, विधानसभा अध्यक्ष चमरऊआ महबूब अली पाशा, विधानसभा अध्यक्ष बिलासपुर आसिम बारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य कृपाल सिंह सैनी, जिला कार्यकारिणी सदस्य रामप्रसाद जाटव, जोन अध्यक्ष शंकरपुर जाटव, सुरजीत सिंह, जोन अध्यक्ष स्वार सत्यपाल सिंह लोधी, जोन अध्यक्ष चमरपुरा फैज पाशा, जोन अध्यक्ष केमरी कमरुद्दीन, मीडिया प्रभारी करनदीप सिंह आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिविल लाइंस स्थित अपना दल एस जिला कार्यालय पर बैठक करते जिलाध्यक्ष।

युवा सत्ता पार्टी के समागम में युवाओं की भूमिका पर मंथन

मिलक, अमृत विचार: मिलक क्षेत्र के परम गांव में युवा सत्ता पार्टी की ओर से युवा समागम कार्यक्रम किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में संगठन की नीतियों, युवाओं की भूमिका तथा सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नलिन सिंह ने कहा कि देश और प्रदेश की दिशा तय करने में युवाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज का युवा केवल दर्शक बनकर नहीं रह सकता, उसे व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए आगे आएं। प्रदेश अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने कहा कि युवा सत्ता पार्टी युवाओं को संगठित कर उन्हें सकारात्मक दिशा देने पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में युवा अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप अवसर न मिलने के कारण निराश होते हैं, इसलिए आवश्यक है कि युवाओं को ऐसा मंच मिले, जहां वे अपनी बात रख सकें। संचालन प्रवक्ता एडवोकेट क्रांति शेखर सारंग ने किया। इस दौरान संजीव कश्यप, नगर अध्यक्ष अखिलेश यादव, तुलसी राम, नगर संयोजक अनुज पाण्डेय, दीपक यादव, प्रशांत यादव, दीपक कुमार, दिनेश दिवाकर, बीडी शर्मा, संजय राठौर आदि मौजूद रहे।

युवा सत्ता पार्टी के अध्यक्ष नलिन सिंह।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत पर रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार: नैनीताल हाईवे पर सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत होने के मामले में पुलिस ने टैक्सी चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। गांव कुसुमखेड़ा हल्द्वानी निवासी रवि लटवाल कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें कहा कि मौसेरा भाई प्रमोद सिंह कनवाल अपनी पत्नी नंदिनी के साथ बीते शनिवार को टैक्सी से दिल्ली वापस हल्द्वानी लौट रहे थे। इस दौरान टैक्सी चालक ने जीरो पॉइंट के पास लापरवाही से ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली के पीछे से टकरा गई। जिसके चलते टैक्सी में सवार प्रमोद सिंह की मौत हो गई। बाद में उसने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की। प्रभारी निरीक्षक जीत सिंह ने बताया कि इस मामले में अज्ञात टैक्सी चालक के खिलाफ संबंधित धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

पुरानी शराब की बोतलों को नए एमआरपी से बेच रहे दुकानदार

शाहबाद, अमृत विचार: क्षेत्र में शराब की दुकानों पर पुरानी बोतलों पर नई और अधिक एमआरपी चिपकाकर बिक्री किए जाने का आरोप है। मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें शराब की बोतल पर लिखी एमआरपी पर चिपकी अतिरिक्त चिट हटाई जा रही है। चिट पर एमआरपी से भी अधिक कीमत लिखी हुई है।

आरोप है कि कुछ विक्रेता पुराने स्टॉक की बोतलों पर नई दरों के स्टिकर लगाकर ग्राहकों से निर्धारित कीमत से अधिक वसूली कर रहे हैं। वायरल वीडियो में भी बोतल पर दो अलग-अलग एमआरपी दिखाई दे रही हैं। जिसे लेकर ग्राहक विरोध करता नजर आ रहा है। इस घटना के सामने आने के बाद उपभोक्ता इसे खुली लूट बता रहे हैं। विक्रेता ग्राहकों से नई, अधिक कीमत वसूल रहे हैं, जबकि नियमों के अनुसार पुरानी एमआरपी वाली बोतलों को उसी दर पर बेचना चाहिए।इस मामले में आबकारी विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह सब विभाग की मिलीभगत या लापरवाही के बिना संभव नहीं है। क्या कहते हैं नियम शराब की बोतलों पर अंकित एमआरपी ही अंतिम बिक्री मूल्य होता है। यदि बोतल पुरानी है तो उसे उसी पुरानी एमआरपी पर बेचना अनिवार्य है। नई कीमत केवल नए स्टॉक पर ही लागू होती है।

बोतल से नई एमआरपी हटाते हुए।

कंपोजिट स्कूल पटवाई में परीक्षाफल वितरित, मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

- कक्षा आठ की विनीता, आदित्य संध्या, सुहैल शिवम राजनंदिनी
- 7वीं के उवैश, रिंकी, अयान, अंजलि सुलेमान, हसनैन मिस्वाह सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: मंगलवार को क्षेत्र के कंपोजिट स्कूल पटवाई में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा-8 में आदित्य और विनीता ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कक्षा 8 से विनीता, आदित्य, संध्या, सुहैल, शिवम कुमार, राजनंदिनी, कक्षा 7 से उवैश, रिंकी, अयान, सुलेमान, हसनैन, मिस्वाह, अंजलि, कक्षा 6 से वैभव यादव, मयंक एवं मोहिनी, कक्षा 5 से राशि, कक्षा 4 से अभय, कक्षा 3 से महक, कक्षा 2 से सिदरा तथा कक्षा-1 से निखत को सम्मानित किया गया। इसके अलावा पूरे सत्र में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज करने वाले छात्र-छात्राओं को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया। इस दौरान कक्षा-8 उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भावभीनी विदाई दी गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री आनंद प्रकाश गुप्ता, प्रधानाध्यापिका सरोज सक्सेना, शकुन लोधी, ज्योत्सना, कविता सक्सेना, अजब सिंह, हर्षिता गुप्ता, पूनम भारद्वाज, जीनत फिरदौस सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

कंपोजिट स्कूल पटवाई में परीक्षाफल वितरण के दौरान छात्रों के साथ स्टाफ।

आयोजन

नगर पालिका बोर्ड बैठक में मुख्य अतिथि रहे विधायक आकाश सक्सेना ने शहर के विकास का दिलाया भरोसा

नामित सभासदों को पालिकाध्यक्ष ने ग्रहण कराई शपथ

- सभासदों ने वार्डों में गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत का उठाया मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

शपथ ग्रहण करते नामित पालिका सभासद। ● अमृत विचार

पालिका सभागार में मौजूद सभासद एवं अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पालिका बोर्ड की बैठक में पालिकाध्यक्ष सना मामून ने 5 नामित सभासदों को गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर पालिका परिसर ढोल नगाड़ों की थाप से गूंजता रहा। मुख्यातिथि शहर विधायक आकाश सक्सेना ने आधुनिक मशीनों से सफाई कराने के लिए ट्रायल का भरोसा दिलाया। उन्होंने सफाईकर्मियों के हाथों से झाड़ू हटवाने का आश्वासन दिया। इससे पहले सभासदों ने गर्मी के मौसम में पेयजल आपूर्ति की दिक्कत होने का मुद्दा उठाया। कहा कि गर्मी के मौसम में शहर के कई मोहल्लों में पानी की दिक्कत होती है।

पालिका सभागार को रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया था नामित सभासदों के समर्थकों से पालिका सभागार भरा हुआ था। मंगलवार को अपराह्न 2:40 बजे हुई पालिका बोर्ड की बैठक के लिए दो बिंदुओं का एजेंडा जारी किया गया था। जिसमें पहला प्रस्ताव वित्त वर्ष 2026-27 के विकास कार्यों पर चर्चा और नामित सभासदों को शपथ ग्रहण कराना था। पालिकाध्यक्ष ने अपराह्न 3:10 बजे पांच नामित सभासदों मुकेश आर्य, अजय अरोड़ा, पीयूष श्रीमाली, विवेक विश्नोई और पूजा गुप्ता को शपथ ग्रहण कराई। इससे पहले बोर्ड की बैठक शुरू होते ही सभासद दिनेश कुमार दिन्ने ने कहा कि उनके वार्ड के मोहल्ला महल कुमेदान, घर उस्मान खां में गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। सभासद मुराद कलीम ने कहा कि वार्डों के कर्मचारियों के ट्रांसफार्मर हो गए हैं लेकिन वह काम पर नहीं आए हैं। इसके अलावा बुद्ध बाजार को बापू माल में शिफ्ट कराए जाने के लिए कहा गया। ताकि सर्राफा बाजार, जामा मस्जिद, चाकू बाजार, बाजार सफदर गंज में बुध बाजार लगने से जाम लगा रहता है। अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने कहा कि इस मामले में प्रशासनिक अधिकारियों के संज्ञान में लाकर पुलिस फोर्स को लेकर बुध बाजार को शिफ्ट कराया जाएगा। सभासद विनोद कश्यप ने स्टोर के कर्मचारियों के बारे में चीफ इंस्पेक्टर से जानकारी ली। इसके अलावा नैनीताल हाईवे के निकट डंपिंग ग्राउंड की चारदीवारी कर वहां गेट लगवाए जाने के लिए सुझाव दिया गया। इस बीच बैठक में मुख्य अतिथि शहर विधायक आकाश सक्सेना पहुंचे और उनका मामून शाह खां, रेखा शर्मा, जावेद कुरैशी ने उनका स्वागत किया।

ऑटोमेटिक मशीनों से सफाई की रामपुर से होगी शुरुआत: विधायक

मुख्यातिथि शहर विधायक आकाश सक्सेना ने कहा कि विकास पार्टी या व्यक्ति देखकर नहीं होता है लोगों की दिक्कतों को दूर करने के लिए विकास कराया जाए। कहा कि सरकार की नीति को कैसे घर-घर तक पहुंचाया जा सके यही प्रयास रहता है। प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ हर आदमी तक पहुंचे। कहा कि इस साल में जितना विकास कार्य होने वाला है वह देखने लायक होगा। कहा कि तमाम सभासदों को यह कहने का मौका मिलेगा कि जिस वादे के साथ वह चुनाव जीतकर आए थे उससे ज्यादा किया है। कहा कि वार्डों में रामपुर से पूरे प्रदेश में सफाई कर्मियों के हाथों से झाड़ुओं को लेकर मशीनें दी जाएंगी। जिससे पूरे प्रदेश में नया संदेश जाएगा सड़कों पर ऑटोमेटिक मशीन चलेंगी।

बोर्ड की बैठक में सभासद रहे मौजूद

जिया उर रहमान बाब, शाहवेज भूरा, अलीमउद्दीन खां, मुराद कलीम, मुशाहिद खां, गुड्डू, शाहवेज अंसारी, फहीम अहमद, आसिफ खां, कामरान गुड्डू, जफर अली, अजहर मियां, शहाब खां, अशोक बाबू, जमील इनायती, श्वेता शर्मा, शहनाज बेगम, रोशन जहां, राजू सिकंदर, नूर जहां, महफूज गुड्डू, सीमा बी, तनवीर खां, जावेद कुरैशी आदि।

> नामित सभासदों का नगर पालिका में स्वागत है। रामपुर शहर को सभी सम्मानित सदस्य मिले हैं। शहर विधायक के सहयोग से विकास हो रहा है इससे बहुत फायदा होगा। - **सना मामून**, पालिकाध्यक्ष

डंपर की टक्कर से बैंककर्मी घायल

बिलासपुर, अमृत विचार: डंपर की टक्कर से कार सवार बैंककर्मी के घायल होने के मामले में पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की।

सरस्वती विहार डहरिया हल्द्वानी उत्तराखंड निवासी पंकज कुमार द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। जिसमें कहा कि उसका भाई मनोज कुमार मुरादाबाद स्थित आईडीबीआई बैंक में कार्यरत है।कहा कि बीते शनिवार को उसका भाई कार से मुरादाबाद बैंक शाखा में जा रहा था। इस दौरान रुद्र बिलास चौकी के पास गलत दिशा की ओर से आ रहे डंपर चालक ने लापरवाही से कार में टक्कर मार दी। जिससे कार में सवार उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार हेतु रुद्रपुर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। बाद में उसने पुलिस को तहरीर सौंपकर डंपर चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अमृत विचार

मुरादाबाद , बुधवार,8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

साइबर सेल ने मोबाइल बरामद कर पीड़ित को सौंपा

शाहबाद, अमृत विचार : साइबर सेल शाहबाद पुलिस ने गुम हुआ मोबाइल फोन बरामद कर पीड़ित को वापस सौंप दिया। पीड़ित ने अपना खोया मोबाइल पाकर खुशी जाहिर की। प्राप्त जानकारी अनुसार उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति लखनऊ के प्रांतीय सचिव गिरीश कुमार पाठक का मोबाइल फोन 13 मार्च को गुम हो गया था। इस संबंध में कोतवाली शाहबाद में सूचना दर्ज कराई गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल ने भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर कार्रवाई शुरू की। इसके बाद साइबर टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मोबाइल बरामद कर लिया। बरामद मोबाइल को कार्रवाई के बाद शिकायतकर्ता को सौंप दिया गया। अपना मोबाइल वापस पाकर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया।

घर में घुस कर महिला से मारपीट, पांच पर रिपोर्ट दर्ज

स्वार, अमृत विचार : नगर पंचायत नरपतनगर दुन्दावाला में घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। मंगलवार को अफरोज जहां पत्नी गयासुद्दीन ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि 3 अप्रैल की सुबह को नगर निवासी सिराजुद्दीन, जुनैद, सावेज, भूरा तथा अशरफ घर में जबरन घुस गए और उसके परिजनों के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। विरोध करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता रोते बिलखते थाने पहुंची गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रिश्तेदारों पर बेटी और गहने गायब करने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार : बिजली विभाग में संविदा कर्मी ने अपनी पत्नी और एक व्यक्ति पर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी घर से 15 हजार रुपये और जेवरात लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई है, जिसमें दोनों आरोपियों की मिलीभगत है। मोहल्ला कायस्थान निवासी सुबोध सक्सेना ने बताया कि उसकी पत्नी अक्सर घर में झगड़ा करती है। बीती 30 मार्च को उसकी पत्नी बेटी को लेकर अपने मायके टांडा क्षेत्र के अहमदाबाद चली गई थी। आरोप है कि रिश्तेदारों की शह पर उसकी दूसरी 14 वर्षीय बेटी तान्या को घर में रखे जेवरात और 15 हजार रुपये की नकदी के साथ फुसलाकर बुला लिया। पीड़ित का कहना है कि तब से उसकी बेटी लापता है। हद तो तब हो गई जब 5 अप्रैल को सुबोध की पत्नी ने उसे फोन कर उल्टा उसी पर बेटी को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया और कानूनी कार्रवाई की धमकी दी।

आंधी-बारिश से गेहूं कटाई प्रभावित 32 गांवों की बिजली आपूर्ति हुई ठप

मसवासी क्षेत्र में बिजली बाधित से लोग हुए परेशान, किसानों के सामने बड़ा संकट

संवाददाता, मसवासी

अमृत विचार: मंगलवार दोपहर बाद अचानक बदले मौसम ने क्षेत्र में जनजीवन को प्रभावित कर दिया। बारिश के कारण गेहूं की कटाई और लहसुन की खुदाई का काम बीच में ही रुक गया है। जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आई हैं। बारिश के कारण हाईटेंशन लाइन में खराबी आने से 32 गांवों की बिजली ठप हो गई है।

दोपहर तक मौसम सामान्य था, लेकिन अचानक आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवा चलने लगी। कुछ ही देर में बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिसने खेतों में चल रहे काम को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। इस समय गेहूं की कटाई का सीजन है, किसानों का कहना है कि यदि मौसम इसी तरह खराब रहा तो फसल को नुकसान हो सकता है। तेज हवा के कारण खड़ी फसल गिरने का भी खतरा बढ़ गया है जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ेगा। तेज हवा के चलते हाईटेंशन लाइन में ब्रेकडाउन हो गया, जिससे मसवासी नगर समेत आसपास के 32 गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली न आने से लोगों को पेयजल और अन्य दैनिक कार्यों में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अचानक बदले मौसम से जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं किसानों और ग्रामीणों के लिए यह परेशानी का सबब बन गया है।

मंगलवार की दोपहर आसमान में छाये बादल।

मंगलवार की शाम बारिश के बीच से गुजरता वाहन।

सुबह से छाए बादल, शाम को हुई झमाझम बारिश

कार्यालय संवाददाता, रामपुर अमृत विचार : जिले भर में सुबह से आसमान में बादल छाए रहे लेकिन, शाम को झमाझम बारिश मौसम सुहावना हो गया। हालांकि बारिश होने से किसानों की धुकधुकी भी बढ़ गई है। कृषि वैज्ञानिक बताते हैं कि तेज बारिश से रबी की फसल को नुकसान पहुंच सकता है। क्योंकि खेतों में गेहूं की फसल तैयार खड़ी है। पूरे दिन आसमान में बादल उमड़ते-घुमड़ते रहे मंगलवार की शाम करीब 7 :15 बजे झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश से खेतों में खड़ी दलहनी और तिलहनी फसलों के अलावा गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंचने का अनुमान है। जबकि, किसान रब से दुआ कर रहे हैं कि बारिश रुक जाए। खेतों में गेहूं और सरसों की फसल तैयार है बारिश होने से फसल खेतों में गिर सकती है और भारी नुकसान हो सकता है। किसान राम प्रसाद मौर्य बताते हैं कि बुधवार से गेहूं की कटाई शुरू होनी थी लेकिन, बारिश से कटाई रुक सकती है। कृषि वैज्ञानिक डा. लक्ष्मीकांत बताते हैं कि बारिश तैयार खड़ी गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा सकती है। जबकि, हल्की बारिश फसल के लिए लाभकारी है। हल्की बारिश से गेहूं का उत्पादन बढ़ जाएगा क्योंकि, जो गेहूं का दाना दूध पर है वह और अधिक मोटा पड़ेगा। हल्की बारिश गेहूं की पिछैती फसल को भी लाभ पहुंचाएगी।

> ब्रेकडाउन को ठीक करने के लिए कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया है। हाईटेंशन लाइनों की पेट्रोलिंग कराई जा रही है और जल्द ही आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। **-श्याम सिंह**, अवर अभियंता, विद्युत निगम

> मंगलवार और बुधवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। बादल गरजने के साथ आकाशीय बिजली भी गिर सकती है।- **डॉ. उदय प्रताप शाही**, मौसम वैज्ञानिक कृषि विश्वविद्यालय मेरठ

रिश्वत लेते पकड़ा गया लेखपाल निलंबित

टांडा,अमृत विचार: विरासत दर्ज करने के नाम पर रिश्वत लेते पकड़े गए लेखपाल को एसडीएम ने निलंबित कर दिया है। सोमवार को एंटी-करप्शन टीम ने तहसील टांडा में तैनात एक लेखपाल को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था।

स्वार खास निवासी अब्दुल जाहिद के स्वर्गीय पिता के नाम पर ग्राम घोसीपुरा में लगभग 6 एकड़ जमीन है। पिता की मृत्यु के बाद इस भूमि को अपने और अपने तीन भाइयों के नाम विरासत में दर्ज कराने के लिए अब्दुल जाहिद ने ऑनलाइन आवेदन किया था। आरोप है कि क्षेत्र के लेखपाल शम्भू कुमार ने इस आवेदन को जानबूझकर निरस्त कर दिया था। जब पीड़ित ने लेखपाल से संपर्क किया, तो रिपोर्ट लगाने के बदले 8,000 रुपये की मांग की गई। काफी मिन्नतों के बाद सौदा 5,000 रुपये में तय हुआ। रिश्वत मांगे जाने से परेशान अब्दुल जाहिद ने इसकी शिकायत मुरादाबाद स्थित भ्रष्टाचार निवारण संगठन से की थी। इसके बाद निरीक्षक कृष्ण अवतार के नेतृत्व में एक ट्रैप टीम का गठन कर सोमवार को लेखपाल शंभू कुमार को रिश्वत लेते दबोच लिया। मंगलवार को मामले पर जानकारी देते हुए उपजिलाधिकारी राजकुमार भास्कर ने बताया कि भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़े गए लेखपाल शंभू कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

मुठभेड़ में गिरफ्तार 25 हजार के इनामी चेन लुटेरे को भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: थाना सिविल लाइंस पुलिस ने सोमवार रात 25 हजार रुपये का ईनामी आरोपी संभल निवासी गुफरान को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है, इसमें एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। आरोपी के पास से एक तंमचा मय कारतूस, बाइक व चोरी हुई सौने की चेन बरामद की है। मंगलवार को आरोपी चेन लूटेरे को कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया।

31 मार्च को एसपी आवास के पास बाइक सवार ने मां व बड़ी बहन के साथ स्कूटी पर जा रही बदरिया खान सामा निवासी मानसी के गले से सोने की चेन खींची थी। थाना सिविल लाइंस पुलिस ने सोमवार रात आश्रम पद्धति रोड पर चैकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवार युवक को रोकने का प्रयास किया। बाइक सवार द्वारा भागने का प्रयास किया गया। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर किया। जिसमें थाना सिविल लाइंस हेड कांस्टेबल राजीव भी गोली लगने से घायल हो गया। आत्मरक्षा में पुलिस टीम की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के बाएं पैर में गोली लग गईख् जिससे वो घायल हो गया। हेड कांस्टेबल राजीव आसैर

जिला अस्पताल में आरोपी गुफरान।

- **सोने की चेन बरामद, 20 से ज्यादा मुकदमे हैं दर्ज, पुलिस कर्मी घायल**

मेरठ, मुरादबाद सहित कई थानों में 20 से ज्यादा मुकदमे दर्ज

आरोपी गुफरान उर्फ गुफ्फी पर संभल, थाना अनूपशहर बुलंदशहर, थाना नौचंदी मेरठ, थाना सिविल लाइंस मुरादाबाद, थाना मझौला मुरादाबाद, थाना मैनाठेर मुरादाबाद, थाना गजरौला अमरोहा, थाना गजरौला अमरोहा, थाना सिविल लाइंस रामपुर में 20 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

आरोपी गुफरान उर्फ गुफ्फी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान गुफरान उर्फ गुफ्फी निवासी हिंदुपुरा दीपासराय थाना नखाशा संभल के रुप में हुई। आरोपी ने बताा कि बरामद मोटर साइकिल उसके द्वारा दिल्ली से चुराई गई है। इस मोटर साइकिल से ही प्रत्येक दिन स्थान बदल-बदलकर छीना झपटी एवं चोरी करता है।

टांडा ने रामपुर को दी 4-3 से शिकस्त

- **महात्मा गांधी स्टेडियम पर हो रहा प्रदेश स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट**

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: स्वार रोड स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम पर क्रीड़ा भारती एवं अंबेडकर क्लब के तत्वावधान में आयोजित प्रदेश स्तरीय बाबा साहब भीमराव डॉ.अंबेडकर फुटबॉल टूर्नामेंट में अंबेडकर फुटबॉल क्लब रामपुर और यंगमैन टांडा के बीच संघर्षपूर्ण मुकाबला हुआ। अंतिम क्षणों में टांडा के खिलाड़ी ने गोल कर मुकाबला 4-3 से जीत लिया।

स्टेडियम पर मैच शुरू होने से पहले मुख्य अतिथि उमेश कुमार, वरिष्ठ अतिथि दीपक शर्मा, मोहम्मद आजम खां और फरमूद खान ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। पहले हाफ में टांडा के खिलाड़ी ने 19 वें मिनट में एक गोल कर बढ़त बना ली। रामपुर की टीम के खिलाड़ी ने 23 वें मिनट में गोल कर मैच को एक-एक की बराबरी पर ला दिया। दूसरे हॉफ में टांडा के टीम के खिलाड़ियों ने लगातार 2 गोल कर स्कोर 3-1कर दिया। रामपुर की टीम के खिलाड़ी अजीत ने एक गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया। मैच के आखिरी 5 वे मिनट में रामपुर की टीम के खिलाड़ी मोनू ने गोल कर स्कोर 3-3 की बराबरी पर कर दिया। अंतिम मिनट में रामपुर की टीम के खिलाड़ी ने डी में फाउल कर दिया जिसकी वजह से मैच रैफरी ने पेनाल्टी दे दी और अंतिम मिनट में टांडा ने गोल कर मैच 4-3 तीन से जीत लिया। मैच के निर्णायक बकाउल्लाह खां और लाइन मैन शुभम और हिमेश रहे। तुषार शर्मा, डॉ.अनूप कुमार सिंह, अभिषेक लाल, विकास कुमार, महेश कुमार, नीरज चौहान, प्रतेश श्रीवास्तव, राजेंद्र कुमार, आकाश बाबू , अमित चौहान, कन्नौज जी, नितिन, मुख्तियार खां, इशरत अली, विजेंद्र कुमार, जहीर आदि मौजूद रहे।

स्टेडियम पर अतिथियों के साथ दोनों टीमों के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

आईजीआरएस रैंकिंग में रामपुर जिले को प्रदेश में प्रथम स्थान

रामपुर, अमृत विचार: पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना और अपर पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी आईजीआरएस अनुराग सिंह के कुशल नेतृत्व में आईजीआरएस कार्यालय द्वारा जनशिकायतों का निस्तारण उच्च स्तर पर किया जा रहा है।

इसके फलस्वरूप माह मार्च-2026 में शासन स्तर पर की गई समीक्षा में रामपुर जिला ने आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। रामपुर माह जनवरी, फरवरी में भी प्रथम स्थान पर रहा था। रामपुर के प्रथम स्थान पर आने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा आईजीआरएस शाखा में नियुक्त कर्मियों को बधाई देकर उत्साहवर्धन किया है।

जीएसटी चोरी में उत्तराखंड से एक और आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: थाना अजीमनगर थाना पुलिस ने करोड़ों की जीएसटी चोरी मामले में एक और आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार कर लिया है।

25 अगस्त 2025 को प्रधान सहायक कार्यालय उपायुक्त राज्य कर रेंज बी मुरादाबाद आदित्य प्रताप सिंह की तहरीर पर जीएसटी प्रपत्रों में हेराफेरी व जालसाजी कर राज्य सरकार के करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में थाना अजीमनगर पर मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें रईसुद्दीन निवासी ग्राम 628 काशीपुर तहसील सदर, बरहानुद्दीन निवासी ग्राम काशीपुर थाना गंज रामपुर व अन्य फर्मों के व्यक्ति नाम पता अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत हुआ था। मंगलवार को विवेचना के क्रम में मुखबिर की सूचना पर वांछित आरोपी नाजिम निवासी जामा मस्जिद पुराना मछली बाजार छिपियान जसपुर जिला उधम सिंह नगर उत्तराखंड को रेलवे स्टेशन रामपुर से गिरफ्तार किया है। मामले में इससे पूर्व अजीम अहमद, अमन, नवाब अली को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में निरीक्षक अनुपम शर्मा अपराध शाखा, उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार सर्विलांस सेल, हेड कांस्टेबल विनय कुमार सर्विलांस सेल, कांस्टेबल अनुजपाल अपराध शाखा आदि रहे।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

अनुपस्थित 6 चिकित्सा अधिकारियों का वेतन काटने की संतुति

रामपुर, अमृत विचार : मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा सिंह को जूम बैठक कर सुबह 9 बजे जिले के सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात चिकित्सा अधिकारियों और प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों की उपस्थित दर्ज की गई। बैठक के दौरान 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा अधिकारी नदारद मिले। सीएमओ ने अनुपस्थित पाए गए चिकित्सा अधिकारियों का मंगलवार को वेतन काटने की संतुति की है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी मंगलवार को जूम बैठक के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद के 3, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सैदनगर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टांडा के चिकित्सा अनुपस्थित मिले। इनका एक दिन का वेतन काटने की संतुति की है।

साइबर ठगी के 5.16 लाख पीड़ित को वापस दिलाए

रामपुर, अमृत विचार: साइबर ठगी के मामले में रामपुर पुलिस ने 5.16 लाख रुपये की सम्पूर्ण धनराशि पीड़ित को वापस कराई है। अजीतपुर थाना सिविल लाइंस निवासी पीड़ित मेहरबान रजा खान ने एक शिकायत दर्ज कराई थी।

इसमें बताया कि उनके मोबाइल फोन पर ई-चालान एप भेजकर फोन हैक कर लिया और 5.16 लाख रुपये की धनराशि की साइबर ठगी कर ली। शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम रामपुर पर आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। थाना साइबर क्राइम टीम ने तकनीकी संसाधनों एवं विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए प्रभावी कार्रवाई करते हुए ठगी धनराशि में से पहले ही 1.16 लाख रुपये पीड़ित को वापस कराये जा चुके थे। शेष 4 लाख रुपये की धनराशि मंगलवार को बैंक खाते में वापस कराई गई। 5.16 लाख रुपये की शत प्रतिशत धनराशि पीड़ित को वापस कराई गई।

इस सराहनीय कार्य के लिए पीड़ित ने रामपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया है। पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने साइबर सुरक्षा के लिए जिला वासियों से अपील की है कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आकर किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अपने बैंक खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी जैसे खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी आदि किसी के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

बारातियों से मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

रामपुर, अमृत विचार: अजीमनगर थाना पुलिस ने बारात में मारपीट के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गाड़ी में बारातियों को बैठने को लेकर लेकर विवाद हो गया था। मामला थाना क्षेत्र के बढ़ापुरा शुमाली गांव का था। सोमवार दोपहर बाद गाड़ियों में बारातियों को बैठने को लेकर विवाद हो गया। विवाद के बाद बारातियों और गाड़ी चालकों के बीच जमकर मारपीट हुई। बारातियों का आरोप था गाड़ी चालकों ने महिलाओं के साथ छेड़खानी की है। आरोपियों पर कार्यवाही की मांग करते हुए दूल्हा बारात लेकर थाने पहुंच गया था। थाने में बारात के साथ दूल्हे को देखा तो अफरा तफरी मच गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरे मामले की जांच की।

शिक्षिका की दहेज की खातिर की थी हत्या, पति को जेल

रामपुर, अमृत विचार: थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के शिव विहार निवासी सरकारी स्कूल की शिक्षिका एकता की दहेज की मांग पूरी ना होने पर पति राहुल ने हत्या कर दी थी। किराए के मकान में मिला शव दो दिन पहले का था। सोमवार को मकान मालिक ने यह सूचना दी थी। मामले में मृतक शिक्षिका के पिता की तहरीर पर पति सहित दो लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें राहुल कुमार व उसके भाई गौरव कुमार निवासी शिव विहार कॉलोनी के नाम शामिल हैं। मंगलवार थाना सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपी पति को राहुल कुमार को कपडा मिल खंडहर से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट के आदेश पर जे भेज दिया गया।

विवाहिता को पीटा, पति समेत 4 पर रिपोर्ट

स्वार, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के नरपतनगर में विवाहिता को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पति, जेठ, ससुर और ननद के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नरपतनगर निवासी साएरून पत्नी राशिद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके ससुराल वाले लंबे समय से उस पर मायके से पांच लाख रुपये लाने का दबाव बना रहे थे। पीड़िता का आरोप है कि सोमवार को इसी मांग को लेकर घर में विवाद हुआ। जब उसने पैसे लाने में असमर्थता जताई तो आरोपी आगबबूला हो गए। आरोप है कि पति राशिद, जेठ आसिफ, ननद राशिदा और ससुर इल्यास मियां ने उसे घेर लिया और गाली गलौच की।

युवा महोत्सव में रंगोली में रानी लक्ष्मीबाई समूह प्रथम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय रजा नगर में तीन दिवसीय युवा महोत्सव का कालेज प्राचार्य डॉ. आरएस गिरि ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इससे पहले मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। रंगोली प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मीबाई समूह ने प्रथम जबकि, गुलदस्ता प्रतियोगिता में दरख्शां ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समारोहक प्रो. कैलाश चंद्र दिवाकर ने महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आगामी तीन दिनों में होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। डॉ. बाल मुकुंद वर्मा एवं डॉ. मनीषा रानी ने छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। गुलदस्ता प्रतियोगिता में दरख्शां दरक्षा प्रथम, अमन कौर द्वितीय और गुलाब जहां ने तृतीय स्थान हासिल किया। समूह गायन प्रतियोगिता में लक्ष्मी समूह की अमन कौर, निर्मल कौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दुर्गा समूह की यशिका शर्मा, दरख्शां, मिथलेश राजपूत एवं दीक्षा राणा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में रानी लक्ष्मीबाई समूह की गुलाब जहां, फिजा, बनक्शा, कंचन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सुगंधा समूह की पूजा, अनीता, बुशरा बी, सानिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अवंतिका समूह की यशिका शर्मा, दरक्षा, मिथलेश राजपूत एवं दीक्षा राणा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज में रंगोली प्रतियोगिता की प्रतिभागी। ● अमृत विचार

हादसे में घायल की दिल्ली में मौत

रामपुर, अमृत विचार: सड़क हादसे में घायल युवक की दिल्ली में इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन मृतक का शव घर लेकर पहुंचे तो कोहराम मच गया। घटना अजीमनगर थाना क्षेत्र के खौद थूनापुर मार्ग पर 5 दिन पहले हुई थी। थाना क्षेत्र के नगलिया आकिल निवासी युवक फैजान उम्र 24 वर्ष अपने चचेरे भाई के साथ खौद चौराहे पर गया था। घर को वापस जाते समय सामने से आ रहे वाहन ने बाइक सवार दोनों भाइयों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज उत्तम मालिक घटनास्थल पर पहुंच गए। गंभीर घायल फैजान हायर सेंटर रेफर कर दिया है। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

न्यूज डायरी

छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

अमृत विचार, रामपुर : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत मंगलवार कॉलेज से महिला सशक्तिकरण जागरूकता रैली छात्राओं ने निकाली। रैली के दौरान छात्राओं ने विभिन्न जागरूकता नारों के माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा एवं समानता का संदेश प्रसारित किया। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के महत्व तथा उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रो. सबीहा परवीन, डॉ. सोनू पुरी, डॉ. इफ्तेखार अहमद कादरी, डॉ. नागेंद्र पाल, डॉ. प्रतिभा यादव, डॉ. जया कुमारी, डॉ. योगेश चंद्र, डॉ. रजनी बाला, डॉ. अंकिता, कल्पना देवल आदि मौजूद रहे।

अध्यक्ष फैजान खान ने नवनियुक्त तीन सभासदों को दिलाई शपथ

सैफनी, अमृत विचार : प्रदेश सरकार द्वारा नगर पंचायत सैफनी में बनाए गए तीन नवनिर्वाचित सभासदों नरेश शर्मा, राजेंद्र सिंह और विनोद लोधी को नगर पंचायत भवन में मंगलवार को कार्यक्रम कर अध्यक्ष फैजान खान और अधिशासी अधिकारी दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने शपथ ग्रहण कराकर उनका फूल माला डालकर उनका स्वागत किया। शपथ लेने के बाद सभासदों ने नगर के विकास के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर मनीष शर्मा, सुरेश बाबू गुप्ता, चौधरी संजय सिंह, सभासद गुड्डू अल्वी, अरविंद जोशी, हंसराज सागर, गब्बर हुसैन, मोहम्मद ग़ालिब, जाबिर हुसैन, छोटे हुसैन आदि लोग उपस्थित रहे।

महिला को पीटा, चार पर रिपोर्ट दर्ज

मसवासी, अमृत विचार : गांव मानपुर उत्तरी निवासी रूबी पत्नी मोबिन ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने बताया कि वह घर के पास कूड़ा डालने जा रही थी। इसी दौरान पड़ोसी गय्यम पुत्र सद्दीक, उसकी पत्नी और पुत्र ने बिना किसी बात के गाली-गलौज की।

सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने किया स्वार क्षेत्र का दौरा

रामपुर, अमृत विचार : रामपुर सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने मंगलवार को स्वार क्षेत्र का दौरा किया। ग्राम भुवरी मसवासी में रूस गए शावेद की मौत हो गई थी, जिसको फर्जी तरह से रूसी फौज में शामिल किया गया था। उसके मकान पर पहुंचकर शावेद के वालिद दुल्हे हसन से मुलाकात की और मरहूम के लिए मगफिरत की दुआ की और रूसी सरकार से मुआवजे की भी मांग की। उन्होंने खेमपुर स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने विद्यालय के प्रबंधक एडवोकेट तारिक मोहम्मद से मुलाकात की और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा की। वहीं क्षेत्र के लोगों के साथ दुख दर्द बांटा। विभिन्न वैवाहिक कार्यक्रमों में पहुंचकर स्थानीय लोगों से मिले। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि महबूब अली पाशा, हाजी अयूब, अनीता यादव, डॉ. मक्तू अहमद, मुन्ना आदि रहे।

मिलक नगर में खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा निकाली गई

मिलक, अमृत विचार : मंगलवार को 12वीं श्री श्याम महोत्सव से पहले नगर स्थित श्री खाटू श्याम बाबा की निशान यात्रा निकाली गई। जिसमें श्याम बाबा की भक्ति में भक्त सराबोर हो गए पुष्प वर्षों के बीच भक्तों ने नृत्य करते हुए बाबा के जयकारे लगाए। इस दौरान यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। यात्रा में धार्मिक गीतों और बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया निशान यात्रा में सैकड़ों श्याम प्रेमी हाथों में श्री श्याम बाबा का निशान लेकर बाबा की भक्ति में नृत्य करते हुए चलते रहे। आगे लोग भजनों पर नृत्य करते रहे। पीछे भव्य रूप से फूलों से सजे वाहन में श्री खाटू श्याम बाबा विराजमान थे। निशान यात्रा गुरुद्वारा से होली रोड, बाल्मीकि बस्ती, पटवाई रोड स्टेशन रोड से हाईवे से होती हुई रामलीला मैदान में जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट के प्रधान सेवक अभिषेक अग्रवाल, डॉ. डीके अग्रवाल, पूर्व सभासद सुरेंद्र कुमार शर्मा, पुरुषोतम पांडे, सुरेंद्र गिरी, वीरेंद्र कश्यप, वीरेंदर पटवा, राजू पंडित, अभिनव सक्सेना, विकास अग्रवाल, डॉ. वैभव अग्रवाल, धर्मेंद्र गंगवार, हरिओम आदि रहे।

न्यूज ब्रीफ

मंदिर निर्माण विवाद में 128 लोगों पर कार्रवाई

डिडौली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव श्यामपुर में चामुंडा मंदिर के निर्माण को लेकर चल रहे विवाद के बीच पुलिस ने 128 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। कार्रवाई के विरोध में ग्रामीण थाने पहुंचे और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के समक्ष नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई अनुचित है। इस पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार बालियान ने स्पष्ट किया कि विवाद के दोनों पक्षों पर समान रूप से कार्रवाई की गई है। यदि कोई बिना अनुमति निर्माण करता है तो कार्रवाई की जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर लगा स्वास्थ्य शिविर

गजरौला, अमृत विचार : विश्व स्वास्थ्य दिवस पर जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) के मेडिकल सेंटर पर मुफ्त स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यहां ईसीजी एवं शुगर की जांच मुफ्त की गई। कुल 132 रोगियों ने पंजीकरण कराया। यहां लगे कैम्प में अत्याधुनिक मशीनों से ईसीजी एवं शुगर की जांच मुफ्त की गई। जेबीएफ में चिकित्सक डा .नितिन राय ने बताया कि कुल 132 रोगियों ने पंजीकरण कराया था। वहीं जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट स्वास्थ्य के साथ ही शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, खेल, शिक्षा, स्वरोजगार आदि के क्षेत्र में भी सक्रिय रहती है। इससे लोगों को लाभ है।

मायके वालों ने पति और ननद को पीटा

हसनपुर, अमृत विचार : पत्नी के मायके वालों ने पति व उसकी बहन को पीट दिया। पीड़ित ने तहरीर दी है। कस्बा के मोहल्ला होली वाला में समीर अपने परिवार के साथ रहता है। सोमवार की रात समीर एवं उसकी पत्नी के साथ कहासुनी के बाद मारपीट हो गई थी, जिसकी सूचना समीर की पत्नी ने संभल निवासी अपने मायके वालों को दी गई। मंगलवार को समीर के ससुराल पक्ष के लोग आ गए। समीर का आरोप है कि उसके ससुरालियों ने आते ही गाली गलौज व मारपीट शुरू कर दी, मारपीट के दौरान समीर व उसकी बहन समरीन घायल हो गए। मायके वाले समीर की पत्नी को साथ ले गए। पीड़ित ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।

सीसीटीवी कैमरों को लेकर स्पष्ट नीति बनाने की मांग

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- छह सूत्रीय ज्ञापन एसपी लखन सिंह यादव को सौंपा

अमृत विचार : आरटीआई एसोसिएशन ऑफ इंडिया की जिला इकाई ने मंगलवार को नवागत पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव को छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर विभिन्न जन समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है।

जिलाध्यक्ष मनु शर्मा एडवोकेट के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने एसपी से मुलाकात कर कहा कि जन समस्याओं के समाधान में संगठन का भी सहयोग लिया जाए। ज्ञापन में विशेष रूप से जिले में निजी तौर पर लगाए जा रहे सीसीटीवी कैमरों को लेकर स्पष्ट नीति बनाने की मांग की गई। आरोप लगाया गया कि कुछ लोग पड़ोसियों की निगरानी और रेकी के उद्देश्य से कैमरे लगाकर निजता का उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई कर कैमरे हटवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा आईजीआरएस और अन्य शिकायतों के निष्पक्ष व संतोषजनक निस्तारण, अमरोहा शहर के मुख्य बाजारों में ई-रिक्शा संचालन पर के लिए नियम बनाने की मांग की है। इस दौरान जिला महासचिव संजीव जिंदल, दिनेश सिंह, उम्मे उमारा, जगदीश सिंह पाल, अखिलेश शर्मा, चंद्रगुप्त मौर्य, विनोद मौर्य, नीलम सिंह, सैयद जामिन हुसैन, शकील पाशा और शानू कुरैशी आदि लोग मौजूद रहे।

घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिली खाद, प्रशासन के आश्वासन पर खत्म हुआ प्रदर्शन

खाद की किल्लत से परेशान किसानों ने हाईवे किया जाम

संवाददाता मंडी धनौरा

अमृत विचार: मंगलवार को खाद की भारी किल्लत से आक्रोशित किसानों ने महादेव चुंगी पर स्टेट हाईवे जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि रबी सत्र की मुख्य फसलों, खासकर गन्ने की बुवाई और देखभाल के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उनकी खेती प्रभावित हो रही है।

प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि वे सुबह से ही सहकारी गन्ना विकास समिति के गोदाम पर खाद लेने के लिए लाइन में खड़े थे, लेकिन घंटों इंतजार के बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल सकी। जब

किसानों का समझाते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

अधिकारियों ने उन्हें खाली हाथ लौटने को कहा, तो उनका आक्रोश फूट पड़ा।

इसके बाद किसान नारेबाजी करते हुए महादेव चुंगी पहुंचे और सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। जाम के चलते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खाद गोदाम पहुंचे और किसानों को समझाने का प्रयास किया। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कराई गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने जल्द खाद की पर्याप्त व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद किसानों ने जाम समाप्त कर दिया। भाकियू असली के प्रवक्ता नरेश कुमार समेत किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते खाद की आपूर्ति सुचारु नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन के दौरान धीरज सिंह, कमल सिंह, अरविंद कुमार, जसपाल सिंह, यशपाल सिंह, अरुण कुमार, खचेड़ू सिंह, बलवंत सिंह, वीरवती, त्रिपता, आशा, नासिर और दाताराम सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

- किसानों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि सोमवार को किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार खाद वितरित की गई थी, लेकिन जिला कृषि अधिकारी द्वारा इस पर आपत्ति जताते हुए जांच के आदेश दिए गए। नए निर्देशों के अनुसार अब एक हेक्टेयर भूमि पर 7 कट्टे यूरिया और 5 कट्टे एनपीके या डीएपी देने का नियम तय किया गया है। जांच प्रक्रिया के कारण वितरण में देरी हुई, जिससे किसानों में नाराजगी बढ़ गई। हाईवे जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर

गैस सिलेंडर की किल्लत से परेशान उपभोक्ताओं ने हाईवे किया जाम

ऑनलाइन भुगतान के बावजूद नहीं मिल रही डिलीवरी, प्रशासन के आश्वासन पर माने लोग

गैस सिलेंडर को लेकर हंगामा करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददता मंडी धनौरा

अमृत विचार: क्षेत्र में गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर मंगलवार को उपभोक्ताओं का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। एचपी गैस एजेंसी से लगातार कई दिनों से सिलेंडर न मिलने से परेशान लोगों ने बदायूं-बिल्सी स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम के चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शन कर रहे उपभोक्ताओं का आरोप है कि उन्होंने गैस सिलेंडर के लिए कई दिन पहले ही ऑनलाइन भुगतान कर दिया था, इसके बावजूद एजेंसी द्वारा समय पर डिलीवरी नहीं की जा रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि वे रोजाना एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। समस्या से त्रस्त होकर बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष सड़क पर उतर आए और हाईवे जाम कर एजेंसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। हाईवे जाम की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और आक्रोशित उपभोक्ताओं को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद अधिकारियों ने जल्द गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का भरोसा दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जाम समाप्त कर दिया। इस दौरान उपभोक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। गैस संकट को लेकर क्षेत्र में लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। वहीं, स्थानीय प्रशासन का कहना है कि क्षेत्र में गैस की कोई किल्लत नहीं है और नियमानुसार गैस वितरण किया जा रहा है।

केवाईसी कराने के लिए गैस एजेंसियों पर उमड़ी भीड़

हसनपुर, अमृत विचार : रसोई गैस की कमी से उपभोक्ताओं की परेशानी भी बढ़ती जा रही है और गैस के इंतजार में उपभोक्ताओं को एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं कंपनी द्वारा अनिवार्य की गई केवाईसी के लिए भी एजेंसियों पर लाइन लगी रहती है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस तैनात की गई है। मंगलवार को नगर स्थित गैस इंडेन एजेंसी, सचिन इंडियन गैस एजेंसी एवं हिमांशु इंडियन गैस वितरक पर गैस उपभोक्ताओं की काफी भीड़ लगी रही। उपभोक्ताओं के द्वारा एजेंसी पहुंचकर बुकिंग एवं केवाईसी कराई जा रही है। एजेंसी संचालकों का दावा है कि बुकिंग के आधार पर ग्राहकों को सिलिंडर दिए जा रहे हैं। ऑनलाइन बुकिंग के अनुसार पहुंचे उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर का वितरण भी किया जा रहा है। उसके बावजूद गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। इससे कर्मचारी भी परेशान है।

गैस एजेंसी पर लगी उपभोक्ताओं की लाइन।

मेहंदीपुर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

सैदनगली, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव मेहंदीपुर स्थित शिव मंदिर पर मंगलवार से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला उपाध्यक्ष अभिनव कौशिक ने फीता काटकर किया। कथा प्रारंभ होने से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 51 महिलाओं ने भाग लिया। पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा की जानकारी दी। कथा वाचक स्वामी हर मनोज दास महाराज एवं निशु कुमारी ने श्रद्धालुओं को भक्ति और धर्म का महत्व बताया। इस अवसर पर नीटू भाटी, कपिल कुमार, अंकित कुमार, अंकुल कोहली, जगपाल सिंह व ओमकार सिंह गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कथा वाचक व भाजपा जिला उपाध्यक्ष।

सड़क विवाद गरमाया किसानों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता,बिजनौर

- पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़कें बनी विवाद की जड़

अमृत विचार: धामपुर क्षेत्र में सड़क पर अवैध खुदाई का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मंडावर से बादशाहपुर तक बनी सड़क के किनारे पाइपलाइन डालने के लिए की गई खुदाई को लेकर किसानों और ग्रामीणों में आक्रोश है। इसी के विरोध में राष्ट्रीय किसान यूनियन के बैनर तले धामपुर स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया।

किसानों का आरोप है कि कुछ लोगों द्वारा करीब 500 मीटर तक सड़क किनारे दोबारा खुदाई कर पाइपलाइन डाली गई है, जिससे सड़क कमजोर हो गई है। बरसात के मौसम में सड़क धंसने की आशंका जताई जा रही है। यह कार्य नियमों के विरुद्ध किया गया है। इस संबंध में पहले ही लोक निर्माण विभाग से शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इसी से नाराज किसानों ने धरना शुरू किया और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। धरने में मौजूद पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि अवैध रूप से डाली गई पाइपलाइन को तुरंत हटाया जाए और सड़क की मरम्मत कर उसे सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में दिनेश चिकारा, जयप्रकाश, सुनील तोमर, हुकुम सिंह चांदवाला, रियाजुद्दीन, नवनीत चौधरी, शब्बीर सिंह, इकबाल अहमद, मोहम्मद शहाबुद्दीन, कपिल प्रधान, मोहम्मद अनीस सहित बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे।

निजी स्कूलों की मनमानी पर आक्रोश

बिजनौर, अमृत विचार : अखिल भारतीय किसान सभा की बिजनौर इकाई ने निजी स्कूलों द्वारा किताबों और कोर्स के नाम पर अभिभावकों से की जा रही कथित लूट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन बीडीओ को सौंपा। इस दौरान इन्द्र कुमार शर्मा, इसरार अली, इकराम अली, जाबिर खाँ, मतलूब जलील, मजरूर अहमद, शरीफ खाँ, जमील अहमद, हरपाल सिंह, अनवर अहमद, मसरूर खां, हमीद कादरी आदि रहे।

दो पक्षों के बीच हुआ पथराव, चार घायल

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

- शिकायत पर पुलिस ने 28 लोगों के खिलाफ दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार: रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी में पुरानी रंजिश को लेकर सोमवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और पथराव हो गया। घटना में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने किसी तरह हालात पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि ग्राम प्रधान शमशाद उर्फ भूरा के भाई नौशाद और कय्यूम पक्ष के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पिछले कई दिनों से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था, जो सोमवार को हिंसक झड़प में बदल गया। मारपीट के दौरान जमकर पथराव हुआ, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने मामले में दोनों पक्षों के कुल 28 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नौशाद की तहरीर पर कय्यूम, गामा, गुलजार उर्फ भूरे, अंसार उर्फ पप्पू, शहजाद, जुम्मा, फैयाज, शाहिद, सालिम, आरिफ, आलिम और सिकंदर सैफ को नामजद किया गया है। वहीं कय्यूम की तहरीर पर ग्राम प्रधान शमशाद उर्फ भूरा, नौशाद, दिलदार, हसनू, काले, दिलदार हुसैन, छोटे, इंतेखाब, नायाब, रिजवान, राजा, इरम, अफसाना, नाहिद आदि के खिलाफ कार्रवाई की है।

बिना दावत के शादी में खाना खाने पहुंचे कई युवक

हसनपुर, अमृत विचार: नगर के बाईपास मार्ग पर स्थित एक बैंकट हाल में सोमवार रात आयोजित शादी समारोह के दौरान कई युवक बिना बुलाए दावत खाने पहुंच गए। जानकारी होने पर दुल्हन पक्ष के लोगों ने पकड़कर बैठा लिया। कस्बा निवासी युवती की बारात नजदीकी एक कस्बे से आई थी। बारात में खाना चल रहा था। इस दौरान दुल्हन पक्ष के लोगों को कई युवकों को देखकर कुछ शक हुआ। युवकों से जानकारी की तो वह यह नहीं बता सके कि उन्हें किस पक्ष की ओर से बुलाया गया है। बाद में पता लगा कि युवक घुमंतू जाति से संबंधित हैं । दुल्हन पक्ष के लोगों ने युवकों को काफी देर तक बैंकट हाल में जबरन बैठाए रखा। बाद में माफी मांगने पर छोड़ दिया गया।

गेहूं खरीद केंद्रों पर सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता,बिजनौर

- 2585 रुपये प्रति कुंटल पर होगी गेहूं खरीद, 50 केंद्र बनाए गए

अमृत विचार : रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत जिले में गेहूं खरीद की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रशासन ने किसानों को बेहतर सुविधा देने और खरीद प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए 50 गेहूं क्रय केंद्र स्वीकृत किए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि खाद्य विभाग, पीसीएफ और भारतीय खाद्य निगम सहित विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से जिले में कुल 50 क्रय केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। इस बार गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति कुंटल की वृद्धि की गई है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी क्रय केंद्रों को जल्द से जल्द पूर्ण रूप से क्रियाशील किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर किसानों के लिए बैठने, पेयजल और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। किसानों का पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया सुचारु रूप से की जाए। बाट-माप की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, जिला खाद्य विपणन अधिकारी रहे।

ललिता देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

ललिता देवी मंदिर में लगी श्रद्धालुओं की भीड़। ● अमृत विचार

गजरौला, अमृत विचार: चैत्र माह के अंतिम मंगलवार को मां ललिता देवी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। औद्योगिक नगरी स्थित सिद्धपीठ मां ललिता देवी मंदिर पर चौत्र माह के अंतिम मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह में मंदिर के गर्भगृह के कपाट जैसे ही खोले गए तो माता के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

माता रानी के दर्शन कर फूल-प्रसाद, अनाज आदि अर्पित किया। नवविवाहित दंपतियों ने भी शादी के जोड़े में माता रानी के दरबार में हाजरी लगाकर दांपत्य जीवन में खुशहाली की प्रार्थना की। जाम की स्थिति बनने पर लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।

जनगणना के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की तैयारी

संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: जनगणना-2027 को सफल और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनगणना दो चरणों में कराई जाएगी। पहले चरण में किसी प्रकार की चूक न हो, इसके लिए जिले को 3682 गणना ब्लॉकों में विभाजित किया गया है। इन ब्लॉकों में 3520 प्रगणक घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करेंगे, जबकि 590 पर्यवेक्षक उनके कार्य का निरीक्षण करेंगे। प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए 16 अप्रैल से 6 मई तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए कुल 96 बैच बनाए गए हैं, जिनमें प्रत्येक बैच में अधिकतम 50 कर्मचारी शामिल होंगे। प्रत्येक बैच को तीन दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्य 64 फील्ड ट्रेनरों द्वारा संपन्न कराया जाएगा। पहले चरण में मकान सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून तक किया जाएगा, जबकि स्वगणना 7 मई से 21 मई के बीच होगी। दूसरे चरण की जनगणना फरवरी 2027 से शुरू होगी। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी। मोबाइल एप के जरिए डेटा संग्रह किया जाएगा और इसे सीधे केंद्रीय सर्वर पर भेजा जाएगा।

बैठक में निर्देश देतीं डीएम निधि गुप्ता वत्स। ● अमृत विचार

- 16 अप्रैल से शुरू होगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

33 प्रकार की जानकारी जुटाई जाएंगी

जिलाधिकारी ने बताया कि मकानों की गणना के दौरान 33 प्रकार की जानकारियां एकत्र की जाएंगी, जिनमें मकान की संरचना, उपयोग, स्वामित्व, परिवार की बुनियादी जानकारी, पेयजल, बिजली, शौचालय, स्नानगृह सहित विभिन्न सुविधाओं और संसाधनों से संबंधित विवरण शामिल होंगे। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित तिथियों पर प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर कार्य को गंभीरता से लें, ताकि जनपद में जनगणना का कार्य सुव्यवस्थित और प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला जनगणना अधिकारी गरिमा सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया जोर

अमरोहा , अमृत विचार : कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम निधि गुप्ता ने ओएसआर (स्वयं की आय) की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी ग्राम पंचायतें अपने आय स्रोतों का चिन्हीकरण करें, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और विकास कार्यों को स्वयं के संसाधनों से पूरा कर सकें। अधिकारियों को कार्ययोजना बनाकर आय बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसौदिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। लापरवाही बरतने पर डीएम ने पंचायत सचिव रजत यादव, विकास कुमार और अविनाश कुमार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश डीपीआरओ को दिए गए।

गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर निकली प्रभात फेरी

मंडी धनौरा, अमृत विचार: श्री गुरु तेग बहादुर के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से मंगलवार तड़के भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी का शुभारंभ प्रातः काल गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा से अरदास के साथ हुआ। यात्रा के दौरान संगत द्वारा किए गए शब्द-कीर्तन और धन्न धन्न श्री गुरु तेग बहादुर' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। नगरवासियों ने भी प्रभात फेरी का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। प्रभात फेरी पुनः गुरुद्वारा परिसर में संपन्न हुई। गुरु महाराज की महिमा का बखान किया। इस दौरान मनजीत सिंह, राजेन्द्र सिंह, बलजीत सिंह, त्रिवेन्द्र सिंह, सुरजीत सिंह, ज्ञानी वीर सिंह, हैप्पी सिंह, रसमीत कौर सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

बूंदाबांदी से मौसम हुआ सुहाना, किसान परेशान

बारिश में छाता लगाकर जाते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, हसनपुर

अमृत विचार: मंगलवार की सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे। जिसके कारण सुबह से ही नगर वासियों को गर्मी से नगर वासियों को राहत मिल गई थी। दोपहर को बारिश होने से नगर का मौसम और सुहाना हो गया। वहीं बारिश से बचने के लिए लोग छाता लगाकर घरों से निकले। बूंदाबांदी के कारण सड़कों पर नमी बनी रही और हवा में ताजगी की महसूस की गई, वहीं मौसम में आए बदलाव से लोगों की दिनचर्या में आकर पड़ा है। वही बारिश से किसानों की चिंता बढ़ रही है। खासकर गेहूं की फसल में बूंदाबांदी से भारी नुकसान की संभावना जताई जा रही है।

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को वितरित किया गया रिजल्ट

चंदौसी, अमृत विचार : ग्राम पथरा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल में मंगलवार को कक्षा नर्सरी से कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों का परीक्षाफल समारोह पूर्वक वितरित किया गया। संचालक महानंदन गौतम ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने विचार व्यक्त किए। संचालन शिक्षक प्रवीण कुमार ने किया। कार्यक्रम में नीरज कुमार शर्मा, सत्येंद्र सिंह, सत्यपाल सिंह, रमन शर्मा, आरती सिंह, आभा रानी, रिनी अग्रवाल, शिवगणेश शर्मा, सीमा अग्रवाल, अश्वनी शर्मा, रंजीत कुमार, सुशीला, क्षमता, शालू, रेशमा, रंजीत कौर, अनामिका यादव, योगेश, दुर्गेश नंदिनी, खुशबू और वंशिका सक्सेना आदि का योगदान रहा।

प्लाट में गंदा पानी छोड़ने को लेकर विवाद

चंदौसी, अमृत विचार : मोहल्ला लक्ष्मणगंज नई बस्ती में एक व्यक्ति का प्लाट है। जिसकी नींव भरी हुई है। पास ही सीकरी गेट कबीर गली है जिसमें एक समुदाय की आबादी है। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि कबीर गली के लोग आए दिन प्लाट की नींव तोड़कर घरों का गंदा पानी छोड देते हैं। जब वे पानी रोकने की कोशिश करते हैं, तो दूसरे पक्ष के 20-25 लोग इकट्ठा होकर गाली-गलौज और झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं। मामला दो समुदाय का होने के कारण तनाव की स्थिति बनी हुई। शिकायत करने वालों में असलम, मोहम्मद जाकिर, मतलूब हुसैन, मोहम्मद शान, मोहम्मद असलम सैफी, मुन्ने, दिलशाद हुसैन आदि शामिल रहे।

मेहनत और अनुशासन से आगे बढ़ें विद्यार्थी

संभल,अमृत विचार : सरायतरीन स्थित इलाइट जूनियर हाई स्कूल में वार्षिक परीक्षा परिणाम एवं पुरस्कार वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौधरी मुशीर चेयरमैन पति नगर पालिका परिषद संभल ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर आबिद हुसैन हैदरी ने की। उभरता सितारा, नेतृत्व उत्कृष्टता, डिजिटल उत्कृष्टता, पर्यावरण योद्धा सहित विभिन्न श्रेणियों में भी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। स्कूल टॉपर अरहम और सोफिया को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

शव मिलने के बाद शिनाख्त को रवाना हुए परिजन, दो अप्रैल को एक फोन आने के बाद घर से पिकअप लेकर निकले थे दोनों

शामली में मिले दो शव, पिता-पुत्र की हत्या कर फेके जाने की आशंका

कार्यालय संवाददाता, संभल

भीमसेन।

नरेश।

अमृत विचार : पुलिस को शामली जिले के एक गांव के पास दो शव मिले हैं। अनुमान जताया जा रहा है कि संभल जिले के गांव भिरावटी निवासी पिता-पुत्र की हत्या कर शव को हत्यारों ने फेंक दिया होगा। पुलिस ने शिनाख्त के लिए मृतकों के परिजनों को शामली भेजा है। पुलिस ने बताया कि शिनाख्त के बाद कार्रवाई की जाएगी।

संभल जिले के थाना धनारी के गांव भिरावटी (मजरा मलुआ) निवासी नरेश पशु व्यापारी थे। वह और उनका बेटा भीमसेन पिकअप को किराये पर चलाते थे। परिजनों के अनुसार दो अप्रैल की सायं करीब 7:30 बजे एक फोन काल आने पर नरेश अपने पुत्र भीमसेन के साथ पिकअप वाहन लेकर निकले थे। लेकिन वापस नहीं लौटे। तब परिजनों ने थाना धनारी में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद हरकत में आए पुलिस अधिकारियों ने बरामदगी के लिए टीमों का गठन किया। मंगलवार को संभल और शामली पुलिस ने एक संदिग्ध से पूछताछ की। इसके बाद आरोपी की निशानदेही से पुलिस ने शामली जनपद के काबड़ौत गांव में एक खेत में क्षत-विक्षत अवस्था में दोनों शवों को बरामद कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के अनुसार दोनों शव भीमसेन व नरेश के हैं। हालांकि पुलिस ने शिनाख्त कराने के लिए भीमसेन और नरेश के परिजनों को शामली बुलाया है। परिजनों द्वारा शिनाख्त होने के बाद ही पुलिस अधिकारिक पुष्टि करेगी।

दातागंज का बताया जा रहा आरोपी : सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि पकड़ा गया आरोपी बदायूं जिले के दातागंज कस्बे का रहने वाला है। उसके अलावा एक अन्य व्यक्ति भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। दोनों की निशानदेही से पुलिस ने दोनों शव बरामद किए हैं। अब सवाल है कि पकड़ा गए आरोपी का अन्य आरोपियों से क्या संबंध है। या मृतकों से क्या संबंध है। आरोपियों ने दोनों का अपहरण क्यों किया था। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पिकअप को भी बरामद कर लिया है। शामली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ने बताया कि संभल पुलिस के सहयोग से दो अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज होने के बाद से ही इस मामले की जांच की जा रही थी। संभल पुलिस ने पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में लिया था। उनकी निशानदेही पर ही शामली में इन शवों को बरामद किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने नरेश और भीमसेन की हत्या कर उनके शवों को शामली में फेंकने की बात स्वीकार की है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय का किया घेराव

बताया जाता है कि परिजनों ने दातागंज निवासी युवक पर अपहरण में शामिल होने का शक जताया था। सोमवार को भीमसेन और नरेश की बरामदगी के लिए दर्जनों लोगों ने संभल एसपी कार्यालय का घेराव करते हुए बरामदगी की मांग की थी। इसके बाद पुलिस ने तलाशी अभियान तेज किया था। परिजनों ने दातागंज निवासी युवक पर भी शक जताया था। इसके बाद पुलिस ने दातागंज निवासी युवक को दबोच लिया। बताया जाता है कि तब मामले का खुलासा हो गया। शवों की शिनाख्त के लिए नरेश के भाई दुर्जन और रामनाथ को भी पुलिस अपने साथ ले गई है। जनपद की पुलिस ने इस संबंध में कुछ भी नहीं बताया है, अधिकारियों ने अभी तक हत्या की पुष्टि नहीं की है।

डिजिटल अरेस्ट मम्मी-पापा को मासूम बेटे ने बचाया

बच्चा कमाल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- साइबर क्रिमिनल ने खुद को बताया था एटीएस अफसर
- आतंकी कनेक्शन बताकर ले ली थी खातों की जानकारी

अमृत विचार: साइबर अपराधियों के जंजाल में फंसे बरेली के सक्सेना दंपती को उनके 13 साल के बेटे ने बर्बाद होने से बचा लिया। कक्षा 8 में पढ़ने वाले छात्र तन्मय ने न सिर्फ 10 घंटे से डिजिटल अरेस्ट मम्मी-पापा को मुक्त कराया, बल्कि खुद को एटीएस अफसर बताकर और पुणे कोर्ट का फर्जी वारंट भेजकर आतंकित कर रहे क्रिमिनल की बातचीत भी रिकार्डिंग कर ली।

मासूम तन्मय बरेली में थाना सुरखा बानखाना की रहने वाली प्राइवेट टीचर रोशी सक्सेना का बेटा है और रामपुर गार्डन स्थित शांति इंटर कॉलेज का छात्र है। पुलिस के अनुसार, टीचर के पति संजय सक्सेना के मोबाइल पर सोमवार को दिन के तीन 3 बजे अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आई थी। खुद को एटीएस बताकर कॉल करने वाले ने उनसे कहा कि जांच में आपके परिवार का आतंकी कनेक्शन मिला है। पुणे, महाराष्ट्र के कोर्ट का फर्जी वारंट भी भेजा और धमकाकर डिजिटल अरेस्ट करते हुए बैंक खाते की डिटेल हासिल कर लीं। संजय-रोशी का बेटा तन्मय अखबारों में सायबर फ्रॉड की खबरें पढ़ता रहता था। परिवार को को साइबर ठगों के चुंगल में फंसा देख होशियार तन्मय ने घटनाक्रम का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। मम्मी-पापा को भी सचेत कर दिया। पड़ोसियों को मामले की जानकारी देकर पुलिस की मदद ली गई।

मौसम ने बढ़ाई किसानों की चिंता, गेहूं की फसल पर संकट

बारिश से गेहूं की फसल पर मंडराया खतरा, मौसम के कारण किसान गेहूं की कटाई जल्द कराने में जुटे

- गेहूं की कटाई और निकासी का कार्य चल रहा है, किसान चिंतित

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: मौसम के अचानक बदले मिजाज ने किसानों की चिंताएं एक बार फिर बढ़ा दी हैं। दो दिन पहले हुई बारिश और ओलावृष्टि से उबर भी नहीं पाए थे कि मंगलवार दोपहर फिर से आसमान में काले बादल छा गए और तेज बारिश शुरू हो गई। बेमौसम बारिश ने किसानों को सबसे ज्यादा परेशान कर दिया है, जिनकी गेहूं की फसल कट चुकी है या कटाई के अंतिम चरण में है।

जिलेभर में गेहूं की कटाई और निकासी का कार्य तेजी से चल रहा है। कई किसान खेतों में फसल काटने में जुटे है, जबकि बड़ी संख्या में किसान कटे हुए गेहूं को खेतों से निकालकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का काम कर रहे थे।

ऐसे में अचानक शुरू हुई बारिश ने पूरे हालात बदल दिए। बारिश शुरू होते ही किसान अपनी-अपनी फसल को बचाने के लिए भागदौड़ करते नजर आए।

कई जगह किसान बारिश में भीगते हुए अपनी मेहनत को बचाने की जद्दोजहद करते दिखाई दिए। किसानों का कहना है कि इस समय हल्की सी भी बारिश गेहूं की फसल के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकती है। कटे हुए गेहूं के भीगने से उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है और बाजार में उचित दाम नहीं मिल पाता। वहीं लंबे समय तक नमी रहने से अनाज सड़ने का भी खतरा बढ़ जाता है।

गेहूं के ढेर पर तिरपाल डालकर सुरक्षित करने का प्रयास करता किसान।

बरसात के बाद बंद पड़ी गेहूं निकासी मशीन। ● अमृत विचार

ओलावृष्टि ने भी पहुंचाया था नुकसान

इससे दो दिन पहले हुई ओलावृष्टि ने भी कई क्षेत्रों में फसलों को नुकसान पहुंचाया था। अब लगातार बदलते मौसम के कारण किसान पूरी तरह असमंजस की स्थिति में हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि कटाई तेज करें या मौसम के स्थिर होने का इंतजार करें। किसानों का कहना है कि इस साल आलू की फसल का भी सही दाम नहीं मिला और अब गेहूं की फसल पर मौसम का संकट है।

आंधी, बारिश से जनजीवन हुआ अस्त - व्यस्त, किसान बेहाल

चंदौसी, अमृत विचार : अचानक बदल रहे मौसम से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ दिखने लगीं है। मंगलवार दोपहर को अचानक आंधी और बारिश ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी। देर शाम तक मौसम में तब्दीली होती रही। खेतों में पड़ा गेहूं का लाक भी बारिश के कारण भीग गया। जिससे किसान अनाज खराब होने की समस्या हो सकती है। आंधी के कारण जहां जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहा वहीं बाजारों में सन्नाटा पसर गया। गेहूं की पक्की फसल के कारण किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आई। मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बना हुआ है। मंगलवार की सुबह आसमान में बादल छाए हुए थे। हालांकि दस बजे तेज धूप निकल आई। दोपहर बाद एक बार मौसम बदला और आसमान में बादल छा गए। शाम साढे चार बजे के आसपास तेज आंधी आने से सड़क पर आवाजाही कम गई। सड़क किनारे फड़ व रेहडी लगाने वाले को अपना काम बंद करना पड़ा। कई के तंबू व तिरपाल उड़ गए। आंधी के साथ ही बूंदाबांदी शुरु हो जाने से लोगों की दिक्कतें बढ़ गई। बाजार में भी रौनक कम हो गई। बारिश व आंधी के कारण मौसम भी सर्द हो गया। जिससे लोगों को ठंड का अहसास होने लगा। बारिश व आंधी आने से पहले शहर की बिजली गुल हो गई।

अपना सामान समेटने में जुटे रेहड़ी व पटरी वाले।

मौसम का बदला मिजाज,चलीं सर्द हवाएं

पिछले सप्ताह मौसम काफी गर्म हो गया था। दो दिन पहले ओलावृष्टि और फिर अब बरसात के बाद मौसम में अचानक ठंडक बढ़ गई है। तापमान से गिरावट के कारण गर्मी से राहत जरूर मिली है, लेकिन बदलता मौसम फसलों के लिए खतरा साबित हो रहा है। किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश ने गेहूं के अलावा सरसों की फसल पर भी असर पड़ सकता है।

यक्ष एप' से बेनकाब हुए किडनैपर

बरेली, अमृत विचार: डीआईजी अजय कुमार साहनी के निर्देशन में परिक्षेत्र के सभी जनपदों द्वारा 'यक्ष एप' का प्रभावी एवं सतत उपयोग किया जा रहा है। एप के माध्यम से गिरफ्तार अपराधियों का फोटो, फिंगरप्रिंट, वॉयस सैंपल, आपराधिक इतिहास एवं अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का नियमित रूप से संकलन एवं फीडिंग की जा रही है। सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधौली गांव के पास बड़ा वाईपास पर रविवार की शाम को एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े कैंटर में जा टकरा गई थी। इसके अलावा कार के पीछे से आ रही बाइक बुलेरो में टकरा गई। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग (एक युवक और 2 छोटे बच्चे) घायल हो गए थे। पुलिस ने जब बोलेरो सवार मृतकों के मोबाइल चेक किए और ''यक्ष ऐप'' पर उनका विवरण खंगाला, तो पता चला कि मृतक (मनमोहन, सिकंदर, विशेष) और घायल युवक (प्रिंस) हत्या, डकैती और लूट जैसे गंभीर मामलों के पुराने अपराधी थे।

फर्जी क्यूआर और भावनात्मक ब्लैकमेल से हो रही साइबर ठगी

साइबर ठगी से बचाव का तरीका बतातीं दरोगा राखी चौधरी ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार : एमजीएम कॉलेज में मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता एवं साइबर सुरक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के महत्वपूर्ण तरीके बताए गए।

कार्यशाला में सब इंस्पेक्टर राखी चौधरी ने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी। बताया कि आजकल ठग फर्जी क्यूआर कोड भेजकर पैसे ट्रांसफर कराने का झांसा देना या भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल कर रहे हैं। बताया किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। साइबर फ्रॉड का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। कार्यक्रम में डॉ. अर्चना बंसल और डॉ. प्रीति सिंह सहित छात्राएं और छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीतू भटनागर ने किया।

अनुमति न मिलने पर किया प्रदर्शन

- आंबेडकर जयंती कार्यक्रम के लिए ग्रामीणों ने मांगी थी अनुमति

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने मंगलवार को एसडीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर अंबेडकर जयंती कार्यक्रम की अनुमति न मिलने पर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने अनुमति देने की मांग की है।

संघ के महामंत्री अंकुल गौतम ने बताया कि थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत फूलसिंहा में वर्ष 2018 से हर साल डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर अंबेडकर पार्क में विचार गोष्ठी और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष भी आयोजन के लिए कई बार आवेदन उपजिलाधिकारी को दिया गया, लेकिन अब तक अनुमति नहीं मिली है। आरोप लगाया कि प्रशासनिक स्तर पर मामले को टालमटोल किया जा रहा है। अंबेडकर जयंती मनाना उनका मौलिक अधिकार है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द अनुमति नहीं दी गई तो वे आंदोलन को तेज करेंगे। इस दौरान राजबहादुर, ख्यालीराम, बिंटू, राजू, राजवीर, सुरेश, राजीव, शीशपाल, रमेश, हरि सिंह, कृष्णपाल, वीर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

संभल में एसडीएम कार्यालय के बाहर इकट्ठा ग्रामीण। ● अमृत विचार

एनकाउंटर में कुख्यात संजय रघु को लगी गोली

बरेली, अमृत विचार: यूपी से उत्तराखंड तक लूट-छिनैती की वारदातें कर दहशत फैलाने वाला कुख्यात अपराधी संजय रघु उर्फ संजू को पुलिस के साथ मुठभेड़ में पकड़ा गया। थाना सुभाषनगर क्षेत्र में उसने पुलिस पर गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लग गई। इंस्पेक्टर सुभाषनगर संतीश कुमार नैन ने बताया कि सटीक सूचना के बाद रात में पुलिस टीम के साथ घेराबंदी की गई थी। फतेहपुर इटौआ रास्ते पर बाइक सवार का पीछा किया गया। बाइक सवार गिरकर फायरिंग करता हुआ भागने लगा। पुलिस की गोली लगने के बाद अपराधी को दबोच लिया। अपराधी संजय उर्फ संजू उर्फ रघु निवासी सुकाली थाना शाही, हाल पता बजरंग विहार थाना ट्रान्जिट कैंप रुद्रपुर उत्तराखंड के रूप में हुई।

स्वास्थ्य शिविर में बच्चों के दांतों की जांच हुई

चंदौसी में बच्चों के दांतों की जांच करते डाक्टर। ● अमृत विचार

चन्दौसी,अमृत विचार: विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एबीसी किड्ज़ मॉन्टेसरी स्कूल में स्वास्थ्य जागरूकता एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में डॉ. तन्वी अग्रवाल एवं डॉ. कपिल गुप्ता ने बच्चों के दांतों की जांच की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को दांतों की सही देखभाल, दिन में दो बार ब्रश करने, मीठी चीजों का सीमित सेवन करने और नियमित रूप से दंत चिकित्सक से जांच कराने की सलाह दी। विद्यालय की संचालिका संगीता भार्गव ने विचार व्यक्त किए।

पोस्टरों पर आपत्तिजनक हरकत पर रोष

कार्यालय संवाददाता,संभल

पोस्टरों पर आपत्तिजनक हरकत के बाद आक्रोश जताते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

- कार्यकर्ताओं में आक्रोश आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग, 48 घंटे बाद भी नहीं की कार्रवाई

अमृत विचार: जनपद के थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के गांव खानपुर सराय उर्फ आलमपुर में महर्षि कश्यप और निषाद राज की प्रस्तावित शोभायात्रा से पहले लगाए गए प्रचार-प्रसार के पोस्टरों के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा छेड़छाड़ कर दी गई। इससे लोगों में आक्रोश है।

निषाद पार्टी युवा के जिलाध्यक्ष प्रेमलाल कश्यप के अनुसार रविवार देर रात कुछ असामाजिक तत्वों ने गांव में जगह-जगह लगे पोस्टरों पर गोबर और काला तेल पोत दिया, साथ ही कई पोस्टर फाड़ भी दिए। इन पोस्टरों में यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के कार्यक्रम से संबंधित प्रचार सामग्री भी शामिल थी। पूर्व प्रधान हरिराम कश्यप ने बताया कि घटना के अगले दिन ही थाना पुलिस को अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई थी। 48 घंटे बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है। इससे लोगों में आक्रोश है। 8 अप्रैल को गांव में महर्षि कश्यप और निषाद राज की शोभायात्रा निकाली जानी है, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. संजय निषाद के शामिल होने की संभावना है।कार्यकर्ताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रिश्वत लेते पकड़े गए खनन कर्मी की हालत बिगड़ी

बरेली, अमृत विचार: किला थाना क्षेत्र के रोठा गांव निवासी वेद प्रकाश ने बताया कि उसने सीज ट्रैक्टर ट्राली को छुड़ाने और जुर्माना संबंधी पत्रावली जिलाधिकारी कार्यालय में दी थी। आरोप लगाया कि खनन विभाग में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महमूद रजा खां काम कराने के नाम पर 10 हजार रुपये मांग रहा था। शिकायत मिलने के बाद एंटी करप्शन की ट्रैप टीम ने सोमवार को महमूद खां निवासी परसाखेड़ा थाना सीबीगंज को खनन अधिकारी कार्यालय से 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया और कोतवाली ले गई। मंगलवार को आरोपी को जेल भेजने की तैयारी थी। सुबह अचानक महमूद रजा खां की तबीयत बिगड़ गई। हालत में सुधार नहीं होने पर लखनऊ केजीएमयू रेफर कर दिया गया है। अब हालत में सुधार है।

यूट्यूबर महक-परी की पड़ोसियों से मारपीट

- महिला समेत दो लोग घायल, दी तहरीर

कार्यालय संवाददाता,संभल/ओबरी

अमृत विचार: असमोली थाना क्षेत्र के शहवाजपुर कला गांव में विवादित यूट्यूबर महक परी एक बार फिर मारपीट के मामले को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। आरोप है कि मामूली कहासुनी के बाद महक परी ने अपने पिता और भाई के साथ मिलकर पड़ोसी महिला और उसके बच्चों के साथ मारपीट कर दी, जिसमें महिला समेत दो बच्चे घायल हो गए। वहीं महक परी के पिता ने भी मारपीट कर घायल कर देने की बात कही है।

गांव निवासी इलियास की पत्नी बिलकिस जहां के अनुसार मंगलवार शाम करीब छह बजे वह अपने घर के बाहर खड़ी थीं। इसी दौरान महक परी अपने पिता सरफराज और भाई आसिफ के साथ वहां पहुंचीं और गाली-गलौज करने लगीं। विरोध करने पर तीनों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर बीच-बचाव के लिए आए बिलकिस जहां के बेटे गुल हसन और नूरे हसन के साथ भी मारपीट की गई, जिससे दोनों को चोटें आई हैं। हालांकि इस मामले को लेकर महक परी के पिता ने भी खुद के साथ मारपीट किये जाने का आरोप लगाया है। कहा है कि वह घायल हैं और अपनी तहरीर पुलिस को दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि महक परी का विवादों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले भी सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर असमोली पुलिस द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा चुकी है। वहीं मुरादाबाद में एक युवक के साथ सरेराह मारपीट का मामला भी चर्चा में रहा था। इसके अलावा भी कई स्थानों पर विवाद और झगड़े के आरोप सामने आ चुके हैं। घटना के बाद पीड़िता ने असमोली थाना पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उधर, थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घायल बिलकीस।

घायल गुल हसन।

घायल नूरे हसन।

महापुरुषों के स्मारकों का सरकार करेगी संरक्षण

डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना को मंजूरी, 403 करोड़ रुपये से हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों का होगा विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट के निर्णय

- **स्मारकों को जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा**

अमृत विचार: प्रदेश में महापुरुषों की विरासत को सहेजने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों के विकास का निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक में 'डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को स्वीकृति दी गई। इसके तहत महापुरुषों, समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों का संरक्षण व सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

योगी सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ-साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्यीकरण करेगी। इसके साथ ही आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां स्थानीय जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक, एमएलसी) जनता को इस योजना और चयनित स्थलों के बारे में जानकारी भी देंगे।

योगी सरकार की यह पहल मूर्ति स्थलों को केवल प्रतीकात्मक स्थान न बनाकर उन्हें जानकारीपरक और जन उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक स्थापित मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर उनके आसपास के क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि योजना के तहत प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्मारकों का विकास किया जाएगा। प्रति स्मारक 10 लाख रुपये की लागत तय की गई है। इसके अंतर्गत कुल 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्मारकों के आसपास बाउंड्रीवॉल, छत्र निर्माण, सौंदर्यीकरण, हरियाली का विकास और प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। यह पहल न केवल ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित करेगी, बल्कि उन्हें जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित करेगी।

योजना का उद्देश्य सिर्फ मूर्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आसपास के क्षेत्रों को विकसित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना है। निर्माण कार्यों के जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते मंत्री सुरेश खन्ना, संदीप सिंह, असीम अरुण, डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और दयाशंकर सिंह। अमृत विचार

विस्थापित परिवारों को भूमिधर का मिलेगा अधिकार

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने कैबिनेट बैठक में एक अहम निर्णय लेते हुए जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर और बिजनौर में भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को भूमिधर अधिकार प्रदान करने की मंजूरी दी। इसके लिए उप्र. राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2026 के माध्यम से उप्र. राजस्व संहिता, 2006 में संशोधन किया गया है, जिसके तहत पात्र परिवारों को असंक्रमणीय अधिकार दिए जाएंगे। दशकों से स्वामित्व के अभाव में ये परिवार खेती के लिए बैंक ऋण लेने और सरकारी खरीद केंद्रों पर उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। अब इस निर्णय से उन्हें अपनी जमीन का कानूनी मालिकाना हक मिलेगा, जिससे वे आसानी से ऋण प्राप्त कर सकेंगे और सम्मानजनक तरीके से अपनी फसल बेच पाएंगे। यह कदम न केवल इन परिवारों को कानूनी सुरक्षा देगा, बल्कि उनके आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सम्मान को भी सुनिश्चित करेगा।

अन्य फैसले

गोरखपुर में बनेगा वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में गोरखपुर में उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। इसके लिए "उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026" के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की गई है। वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि यह विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। प्रस्तावित विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य वनावरण बढ़ाना व जैव विविधता संरक्षण को मजबूत करना है।

ग्रेटर नोएडा को मिला मेट्रो विश्वविद्यालय

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के तहत स्थापित किया जाएगा। प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्रा.लि. द्वारा 26.1 एकड़ भूमि पर यह विश्वविद्यालय विकसित किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि सभी वैधानिक प्रक्रियाओं के परीक्षण के बाद प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है और इसके लिए अधिनियम की अनुसूची में संशोधन करते हुए 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026' लागू किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिससे युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ा जा सके।

कानपुर देहात में बसाए जाएंगे 99 हिंदू बंगाली परिवार

अमृत विचार, लखनऊ: पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित हिन्दू बंगाली परिवारों के पुनर्वास से जुड़े प्रस्ताव को भी योगी कैबिनेट ने कार्योत्तर अनुमोदन दे दिया। इसके तहत जनपद मेरठ के मवाना तहसील क्षेत्र से संबंधित 99 परिवारों को कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील के ग्राम भैंसाया और ताजपुर तरसौली में पुनर्वासित किया जाएगा। साथ ही इनके लिए लीज रेंट 1 रुपये निर्धारित करते हुए पट्टे के प्रारूप को भी स्वीकृति दी गई है। यह निर्णय पूर्व में 2021 में 63 विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए निर्धारित प्रावधानों के आधार पर लिया गया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों और प्रकरण की तात्कालिकता को देखते हुए पहले ही प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही की जा चुकी थी, जिस पर अब कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। इससे प्रभावित परिवारों को वैध आवासीय अधिकार मिलने के साथ उनके पुनर्वास की प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सकेगी।

पीपीपी मॉडल पर 49 बस अड्डों का होगा कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस होंगे बस स्टेशन, 4000 करोड़ निवेश का अनुमान**

अमृत विचार: प्रदेश में बस अड्डों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए कैबिनेट ने पीपीपी मॉडल पर 49 बस स्टेशनों के विकास को मंजूरी दे दी है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि इन बस स्टेशनों को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां यात्रियों को शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, वीआईपी लाउंज और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना डीबीएफओटी मॉडल पर लागू होगी, जिससे राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं आएगा। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पात्रता शर्तों में भी बदलाव किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक निजी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परियोजना को पूरा करने की समय सीमा 5 से बढ़ाकर 8 वर्ष कर दी गई है, जबकि कार्य प्रारंभ करने की अवधि 6 माह से बढ़ाकर 12 माह कर दी गई है। साथ ही तकनीकी पात्रता और नेटवर्थ से जुड़े मानकों को भी निवेशक अनुकूल बनाया गया है। पहले चरण में 23 बस स्टेशन पहले ही स्वीकृत किये जा चुके हैं। कुल 52 जनपद योजना से आच्छादित होंगे।

अन्य अहम फैसले

- हाथरस, बुलंदशहर और बलरामपुर में नए बस अड्डों के लिए भूमि हस्तांतरण
- नरौरा में डिपो वर्कशॉप और तुलसीपुर में देवीपाटन मंदिर क्षेत्र में आधुनिक बस स्टेशन
- बस अड्डों को विकसित किया जाएगा आर्थिक गतिविधि केंद्र के रूप में

गंभीर अपराधों में अब नहीं मिलेगी राहत, अध्यादेश को मिली मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उप्र. दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) संशोधन अध्यादेश-2026 को मंजूरी दे दी गई। इस फैसले के तहत अब गंभीर अपराधों में राहत या स्वतः समाप्ति (एबेट) की व्यवस्था पर रोक लगेगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, अधिनियम 1979 की धारा-9 में संशोधन करते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि गैर-समझौता योग्य (नॉन-कंपाउंडेबल) अपराध, अनिवार्य कारावास वाले अपराध और दोहराए गए (सब्सीक्वेंट) अपराध अब स्वतः समाप्त नहीं होंगे। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय में लंबित मामले के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है, जिससे कानून व्यवस्था को और सख्त बनाया जा सके।

वहीं अब तक मोटर वाहन अधिनियम के तहत कई मामलों में समय बीतने पर कार्रवाई स्वतः समाप्त हो जाती थी, लेकिन नए संशोधन के बाद ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को भी राहत नहीं मिलेगी और उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

25 लाख युवाओं को मिलेंगे फ्री टैबलेट

कैबिनेट ने खरीद को दी मंजूरी, डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में युवाओं के लिए बड़ी सौगात का फैसला लिया गया। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत प्रदेश के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क वितरण के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

सरकार जल्द ही खरीद प्रक्रिया पूरी कर वितरण शुरू करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना में 2000 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जबकि अनुमानित कुल खर्च करीब 3000 करोड़ तक पहुंच सकता है, जिसका पूरा भार राज्य सरकार उठाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि इस योजना का लाभ स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, आईटीआई और कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़े छात्रों व प्रशिक्षुओं को मिलेगा। इससे युवाओं को डिजिटल पढ़ाई में मदद मिलेगी और वे रोजगार, स्वरोजगार व ऑनलाइन सेवाओं से बेहतर तरीके से जुड़ सकेंगे।

60 लाख युवाओं को पहले ही मिल चुका लाभ : सरकार के मुताबिक, वर्ष 2021-22 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 60 लाख से अधिक युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं। इस बार भी एक टैबलेट की अनुमानित कीमत करीब 12,000 रखी गई है, जिसके आधार पर बड़े स्तर पर खरीद की तैयारी है।

इन युवाओं को मिलेगा लाभ

- स्नातक व स्नातकोत्तर छात्र
- पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग व मेडिकल विद्यार्थी
- आईटीआई व कौशल विकास प्रशिक्षु
- स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षा से जुड़े छात्र
- सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकृत युवा

21 प्रशिक्षु आईएएस अफसरों की तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में 2025 बैच के 21 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को विभिन्न जिलों में तैनाती दे दी गई है। ये अधिकारी 17 अप्रैल 2026 के बाद संबंधित जनपदों में असिस्टेंट कलेक्टर/प्रशिक्षु मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

जिन अधिकारियों को तैनाती दी गई है, उनमें शक्ति दुबे को लखनऊ, आदित्य सिंह को वाराणसी, अर्पित गुप्ता को कानपुर नगर, श्रेयांश मिश्रा को प्रयागराज, अनन्या सिंह को गोरखपुर, आयुषी वर्मा को मेरठ, अभिषेक यादव को आगरा, साक्षी श्रीवास्तव को अयोध्या, रोहित सिंह को बरेली, प्रिया चौहान को झांसी, विवेक कुमार को मुरादाबाद, हिमांशु तिवारी को सहारनपुर, नेहा गुप्ता को अलीगढ़, शुभम सिंह को गाजियाबाद, रितिका मिश्रा को बलिया, राहुल पांडेय को जौनपुर, अंकित त्रिपाठी को आजमगढ़, पूजा सिंह को प्रतापगढ़, सौरभ यादव को फतेहपुर, गौरव शुक्ला को सीतापुर तथा निशा यादव को देवरिया में तैनात किया गया है।

आशीष गोयल और सुंदरम को अतिरिक्त प्रभार

प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएएस डॉ. आशीष कुमार गोयल को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. गोयल वर्तमान में यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन, यूपीएसएलडीसी और राज्य विद्युत उत्पादन निगम समेत कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमकेएस सुंदरम को भी अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग का प्रभार सौंपा गया है।

अब एआई की निगरानी में होंगी भर्ती परीक्षाएं, इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ/ प्रयागराज : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने परीक्षाओं को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रयागराज स्थित कार्यालय में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना की है। इसका उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने किया। इस कंट्रोल रूम के जरिए अब प्रदेश भर के परीक्षा केंद्रों की रियल टाइम निगरानी की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा कक्ष और वहां मौजूद अभ्यर्थियों पर एआई आधारित कैमरों से नजर रखी जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को तुरंत चिन्हित किया जा सके। नई व्यवस्था के तहत अभ्यर्थियों की उपस्थिति और सत्यापन बायोमैट्रिक सिस्टम से होगा, जिसका सीधा डेटा कंट्रोल रूम में उपलब्ध रहेगा। इससे फर्जीवाड़े और डमी कैंडिडेट की आशंका लगभग खत्म हो जाएगी।

6466 करोड़ की 325 परियोजनाओं से चमकेगा आगरा

मुख्यमंत्री बोले-'ग्रेटर आगरा' बनेगा नया आर्थिक केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा को 6466.37 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। आगरा इनर रिंग रोड के समीप रहनकलां में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा 'ग्रेटर आगरा' टाउनशिप का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ग्रेटर आगरा' प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और यह शहर जल्द ही दूसरे नोएडा के रूप में उभरेगा। यहां बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार आगरा को केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे एक आधुनिक, सांस्कृतिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'नए शहर प्रोत्साहन योजना' के तहत आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा 5142 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर और रहनकलां में 449.65 हेक्टेयर क्षेत्र में टाउनशिप विकसित की जाएगी। इसमें 10 हजार से अधिक परिवारों के लिए मल्टीस्टोरी फ्लैट्स, ग्रुप हाउसिंग, प्लॉट, चौड़ी सड़कें, सीवरेज, हरित क्षेत्र और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। टाउनशिप के सेक्टरों का नाम गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी सहित 10 पवित्र नदियों के नाम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, निवेश और आधारभूत ढांचे के कारण आज उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, बेबी रानी मौर्य, योगेंद्र उपाध्याय सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा में नई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते मुख्यमंत्री योगी।

सनातन एकजुटता से विफल होंगे हिंदू विरोधी षड्यंत्रः योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **वृंदावन में संत श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य मलूकदास जी महाराज की 452वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री**

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यदि सनातन समाज एकजुट हो जाए तो हिंदू विरोधी षड्यंत्र करने वालों की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि संतों की एकता और मार्गदर्शन से ही देश ने ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं और यही भारत की शक्ति है।

मथुरा के वृंदावन में संत श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री मलूकदास जी महाराज की 452वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों का संघर्ष संतों की एकता से समाप्त हुआ और भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र और सनातन के लिए कार्य करना ही भारत की परंपरा है। सीएम योगी ने काशी का उल्लेख करते हुए कहा कि आज काशी विश्वनाथ धाम में एक साथ 50 हजार श्रद्धालु दर्शन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संत परंपरा ने हमेशा समाज को जोड़ने और दिशा देने का कार्य किया है।

संतों के एक मंच पर आने और समाज के एकजुट होने से सदियों पुराना विवाद समाप्त हुआ और श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। यह उदाहरण बताता है कि जब समाज एक दिशा में चलता है तो असंभव भी संभव हो जाता है।

पहल प्रदेश के 20 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 172 मार्ग चिन्हित

सी-आरटीसी योजना शुरू, जाम से मिलेगी निजात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यातायात निदेशालय ने "सिटी रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन" (सी-आरटीसी) यानी "शहरी ट्रैफिक जाम कम करना" योजना लागू कर दी है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 20 शहरों में शुरू किया गया है, जहां 172 प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर यातायात को सुगम बनाने की रणनीति तैयार की गई है।

बढ़ते शहरीकरण, जनसंख्या और वाहनों की संख्या के चलते शहरों में जाम की समस्या गंभीर हो चुकी है। इससे समय की बर्बादी के साथ ईंधन खपत और वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपात सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह योजना लागू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य पीक आवर्स में यात्रा समय को कम करना है।

योजना के तहत सात पुलिस कमिश्नरेट और 13 जिलों को शामिल किया गया है। कमिश्नरेट क्षेत्रों के 74 और अन्य जिलों के 98 मार्गों को चिन्हित किया गया है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, गाजियाबाद और नोएडा जैसे बड़े शहरों में प्रमुख सड़कों को प्राथमिकता दी गई है।

एक रूट-एक मार्शल व्यवस्था

योजना में 'एक रूट-एक मार्शल' व्यवस्था लागू की गई है। प्रत्येक चिन्हित मार्ग के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी (रूट मार्शल) तैनात किया जाएगा, जो ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जवाबदेह होगा। ये अधिकारी निरीक्षक या उपनिरीक्षक स्तर के होंगे और जरूरत पड़ने पर एक से अधिक मार्गों की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं।

एआई तकनीक का उपयोग

योजना में एआई आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके जरिए रियल टाइम में जाम की स्थिति, ट्रैवल टाइम और यातायात के पैटर्न का विश्लेषण किया जाएगा। अधिकारियों को मोबाइल के माध्यम से तत्काल जानकारी मिलेगी और उसी आधार पर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। लक्ष्य है कि पीक आवर्स में अधिकतम ट्रैवल टाइम को कम से कम 20 प्रतिशत तक घटाया जाए।

पांच 'ई' मॉडल पर अमल

जाम से निपटने के लिए 'पांच ई' मॉडल अपनाया गया है, जिसमें- जागरूकता, सख्त प्रवर्तन, तकनीकी सुधार, अतिक्रमण हटाना और ई-रिक्शा संचालन का सुव्यवस्थित प्रबंधन शामिल हैं। इस योजना की एक महीने बाद समीक्षा की जाएगी और जरूरत के अनुसार इसमें सुधार कर इसे प्रदेश के अन्य शहरों में भी लागू किया जाएगा।

जेडएफडी योजना से सड़क हादसों में बची 450 की जान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर लागू 'जेडएफडी (शून्य मृत्यु ड्राइव)' योजना का सकारात्मक असर देखने को मिला है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से शुरू इस योजना के तहत तीन महीनों में 450 से अधिक लोगों की जान बचाई गई है।

यह योजना प्रदेश के 7 पुलिस कमिश्नरेट और 68 जिलों के 487 हादसा संभावित थानों में लागू की गई थी। इसका उद्देश्य अधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों में सख्त निगरानी और कार्रवाई के जरिए हादसों को कम करना है।

डीजीपी राजीव कृष्ण

त्रैमासिक समीक्षा में सामने आया कि 2025 की तुलना में 2026 में सड़क दुर्घटनाओं में 7.43% की कमी आई है। वहीं मृतकों की संख्या में 11.55% और घायलों में 8.05% गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश की 88 प्रशासनिक इकाइयों में से 63.6% 'ग्रीन जोन' में आ गई हैं, जबकि मौतों के मामले में 75% इकाइयों में सुधार हुआ है।

- **डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रेसवार्ता में योजना के तीन माह की रिपोर्ट प्रस्तुत की**

योजना के तहत 573 क्रैश कंट्रोल टीमें गठित की गई हैं, जिन्हें स्पीड लेजर गन, ब्रेथ एनालाइजर और अन्य आधुनिक उपकरण दिए गए हैं। ये टीमें चिन्हित मार्गों पर लगातार निगरानी और प्रवर्तन कर रही हैं। डीजीपी के अनुसार, "जहां ज्यादा हादसे, वहां ज्यादा कार्रवाई" के सिद्धांत पर काम करते हुए प्रतिदिन औसतन 5 लोगों की जान बचाई जा रही है। साथ ही तकनीकी निगरानी, प्रशिक्षण और सख्त एसओपी के जरिए सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है।

अमृत विचार

बुधवार, 8 अप्रैल 2026

दुनिया में कुछ भी पूरी तरह से गलत नहीं होता। रुकी हुई घड़ी भी दिन में दो बार सही समय दिखाती है।

पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

धमकियों का युद्ध

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब कूटनीतिक संतुलन, अंतर्राष्ट्रीय कानून और वैश्विक नैतिकता की भी कठोर परीक्षा बन चुका है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को 'एक रात में खत्म कर देने' की धमकी संघर्ष को एक खतरनाक मोड़ पर ले आया है। यह बयान केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति भी है, जिसका उद्देश्य विरोधी को भयभीत कर वार्ता की मेज पर लाना है। पिछले छह हफ्तों में हजारों हमलों के बावजूद यदि निर्णायक सफलता नहीं मिली, तो 'एक रात' में लक्ष्य प्राप्त कर लेने का ट्रंप का दावा राजनीतिक बयानबाजी है। यह संकेत है कि युद्ध अपेक्षा से अधिक लंबा और जटिल होने की दशा में, अमेरिकी नेतृत्व पर त्वरित परिणाम दिखाने का दबाव है। सबसे चिंताजनक नागरिक अवसंरचना को निशाना बनाने की खुली धमकी है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून- विशेषतः जेनेवा कन्वेंशन स्पष्ट रूप से नागरिकों और उनके बुनियादी ढांचे को युद्ध से अलग रखने की अपेक्षा करता है। पॉवर प्लांट, जल आपूर्ति और परिवहन नेटवर्क पर हमले न केवल मानवीय संकट को जन्म देते हैं, बल्कि उन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। यदि किसी देश की रणनीति नागरिकों पर दबाव बनाकर सरकार को झुकाने की हो, तो यह आधुनिक युद्ध के स्वीकृत सिद्धांतों के विरुद्ध है। ऐसे में ट्रंप का यह कहना कि वे 'युद्ध अपराध' के सवाल को लेकर चिंतित नहीं हैं, वैश्विक व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत और अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को चुनौती है। सवाल उठता है कि क्या वैश्विक संस्थाएं, जैसे संयुक्त राष्ट्र ऐसी स्थिति में प्रभावी हस्तक्षेप कर सकती है? यथार्थ यह है कि महाशक्तियों के खिलाफ इन संस्थाओं की क्षमता सीमित होती है। राजनीतिक हित, वीटो शक्ति और भू-राजनीतिक समीकरण अक्सर न्यायिक कार्रवाई को बाधित कर देते हैं। संघर्ष के लगातार बढ़ते दायरे के दौरान पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र जैसे देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, किंतु ईरान का तीव्र प्रतिकार और अमेरिका की आक्रामक रणनीति इसकी त्वरित सफलता की संभावना सीमित करती है। यह संघर्ष अब प्रतिष्ठा और शक्ति संतुलन का प्रश्न बन चुका है, समझौता करना दोनों पक्षों के लिए राजनीतिक रूप से कठिन है। ऐसे समय में भारत की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। भारत के ईरान, अमेरिका और खाड़ी देशों सभी से महत्वपूर्ण संबंध हैं। फिर भी, इस संकट में भारत अपेक्षाकृत शांत दिखाई देता है। यह रणनीतिक संयम का हिस्सा हो सकता है, लेकिन अब जब स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी है, भारत को सक्रिय कूटनीतिक पहल पर विचार करना चाहिए। भारत के लिए प्राथमिकताएं स्पष्ट होनी चाहिए। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता। इसके साथ ही, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है।

यह संघर्ष मात्र सैन्य शक्ति से सुलझता नहीं दीख रहा। धमकियों और विनाश की भाषा अल्पकालिक लाभ भले दे, पर दीर्घकाल में यह वैश्विक अस्थिरता बढ़ाएगी। आज आवश्यकता है, संतुलित नेतृत्व, अंतर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान और वास्तविक कूटनीति की, अन्यथा यह युद्ध एक ऐसे दुष्चक्र में फंस सकता है, जिससे निकलना कठिन हो जाएगा।

प्रसंगवश

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम-सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताज़ा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती, लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं।

अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसायक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, 'भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ते कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।'

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें 'पर्यावरण के अनुकूल' विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है।

चावला ने इस विषय पर गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें 'कार्मापैक्स' नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रॉ बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रॉ के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया।

प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, 'कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।' प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं, जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है।

यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है। विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस खोई) से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अजरबैजान से भारत के सुधरते रिश्ते और भविष्य

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और अजरबैजान के द्विपक्षीय संबंधों में आया तनाव अब कम होने लगा है। ईरान युद्ध से उपजे संकट से उबरने में भारत की मदद अजरबैजान भी कर रहा है। उसने न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाई है, बल्कि ईरान से दो सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी मदद की है। अजरबैजान, पाकिस्तान का स्वाभाविक मित्र है और हर मोर्चे पर पाकिस्तान की हां में हां मिलाता है। बीते वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अजरबैजान ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति की थी। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की उसने निंदा कर भारत की नाराजगी मोल ली थी, हालांकि अब वह रिश्तों को सुधारना चाहता है, इसीलिए दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल की बैठकें भी हो रही हैं।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दुश्मनी जगजाहिर है। दोनों देशों के बीच कई बार युद्ध भी हो चुका है। भारत सरकार आर्मेनिया को हथियार उपलब्ध कराता है। यूरोप का यह छोटा सा देश भारत का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। इस देश ने 'पिनाका मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट सिस्टम और आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम का सौदा भी किया। आर्मेनिया द्वारा भारत से हथियारों की कुल खरीद 600 मिलियन डॉलर के पार तक जा चुकी है, जबकि आर्मेनिया लंबे समय तक रूसी हथियारों पर निर्भर रहा है। उसने रूस से इस्कंदर मिसाइल सिस्टम, सु-30एसएम लड़ाकू विमान, वायु रक्षा प्रणाली और मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर जैसे उन्नत सिस्टम खरीदे थे। 2020 में अजरबैजान के साथ नागोर्नो-काराबाख युद्ध के बाद आर्मेनिया ने रूस से किनारा किया और वह भारत से सामरिक रिश्ते बनाने में जुट गया। अब यह रिश्ता अपने शिखर पर है।

यही वजह है कि अजरबैजान सरकार भारत से नाराज रहती है और पाकिस्तान का साथ देती है। वह संयुक्त राष्ट्र संघ समेत तमाम मंचों पर तुर्किए के साथ मिलकर पाकिस्तान का समर्थन करती है और भारत की नीतियों पर सवाल उठाती है, हालांकि भारत विरोध के उसके इस कदम से उसे न सिर्फ आर्थिक नुकसान हुए, बल्कि भारत समर्थक कई देशों से उसके रिश्ते सामान्य नहीं रहे। भारतीय पर्यटक बड़े पैमाने पर अजरबैजान के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए जाते रहे हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति से उनकी संख्या में कमी आई।

अजरबैजान पर्यटन बोर्ड ने हाल ही में जो आंकड़े जारी किए, उसके अनुसार पिछले साल भारत से अजरबैजान जाने वाले पर्यटकों की संख्या में 56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे न सिर्फ अजरबैजान की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है, बल्कि उसकी साख पर भी बट्टा लगा है। ऐसे में अब धीरे-धीरे वहां की सत्ता में बैठे लोगों को अपनी गलती का अहसास होने लगा है. इसलिए वे भारत से संबंध सुधारना चाहते हैं और इसी के तहत अब वह मदद को आगे आए हैं। भारत और अजरबैजान के संबंध ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण रहे हैं, पर पाकिस्तान के कारण इसमें कई बार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

अजरबैजान सरकार से भारत ने फिर से ऊर्जा निर्यात शुरू कर दिया है। भारत सरकार भी अजरबैजान से रिश्ते सामान्य करना चाहती है, क्योंकि अजरबैजान, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा, दक्षिण काकेशस में भू राजनीतिक संतुलन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्व है। यूरोप का यह छोटा सा देश जरूर है, लेकिन भारत की यूरेशिया तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और 'इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर' के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। कहा जाता है कि अजरबैजान, यूरोप और एशिया के चौराहे पर स्थित है, इसलिए भारत भी नहीं चाहता कि इस महत्वपूर्ण देश से उसके रिश्ते में ज्यादा कड़वाहट आए, हालांकि भारत किसी भी सूरत में आर्मेनिया को भी नाराज नहीं करेगा, क्योंकि वह भारत का स्वाभाविक मित्र राष्ट्र है। भारत का प्रत्येक मंच पर समर्थन करता है। साथ ही सबसे बड़ा हथियार आयातक देश भी है।

आर्मेनिया ने भी ईरान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में भारत की बड़ी मदद की है, हालांकि हाल के कुछ महीने में पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते में सुधार आया है। अब भारत सरकार को अपनी कूटनीति के आधार पर न सिर्फ अजरबैजान और आर्मेनिया को साधे रखना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि उसका स्वाभाविक मित्र राष्ट्र आर्मेनिया, पाकिस्तान के पाले में न जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान-अमेरिका युद्ध में जिस तरह मित्र राष्ट्र इजरायल, अमेरिका और ईरान को साध रहे हैं, वैसे ही वे इन दोनों देशों को भी अपने साथ रखने में कामयाब होंगे।

अजरबैजान का पाकिस्तान से अलग होना बहुत जरूरी है। जिस तरह पर्यटकों की संख्या वहां घटी है और आर्थिक रूप से झटका लगा है, उससे तो यही लगता है कि अब अजरबैजान पुनः सार्वजनिक मंच पर पाकिस्तान के समर्थन में आवाज उठाने की हिमाकत नहीं करेगा। साथ ही वह भारत के समर्थन में खड़ा नजर आएगा। 200 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में मदद करके उसने इस बात के संकेत दे दिए हैं और पाकिस्तान को भी बता दिया है कि वह इस्लामाबाद का साथ तभी तक दे पाएगा जब तक कि उसके अपने हित प्रभावित नहीं होंगे। वैसे भी अजरबैजान और इजरायल की दोस्ती अच्छी है। ऐसे में अजरबैजान पर भारत से रिश्ते सुधारने का दबाव इजरायल की तरफ से भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह रिश्ते आने वाले दिनों में मजबूत होंगे।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और अजरबैजान के द्विपक्षीय संबंधों में आया तनाव अब कम होने लगा है। अजरबैजान ने न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाई है, बल्कि ईरान से दो सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी मदद की है।

आमने सामने

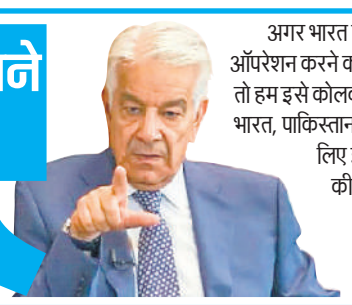

अगर भारत एक और झूठा फ्लैग ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम इसे कोलकाता तक ले जाएंगे। भारत, पाकिस्तान को दोषी ठहराने के लिए झूठे फ्लैग ऑपरेशन की योजना बना रहा है।

-ख्वाजा आसिफ
रक्षा मंत्री
पाकिस्तान

पाकिस्तान के रक्षामंत्री को ऐसा भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए था। 55 साल पहले उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े थे, जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। अगर वे बंगाल पर नजर डालने की कोशिश करेंगे, तो पता नहीं इस बार पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंटेगा।

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री, भारत

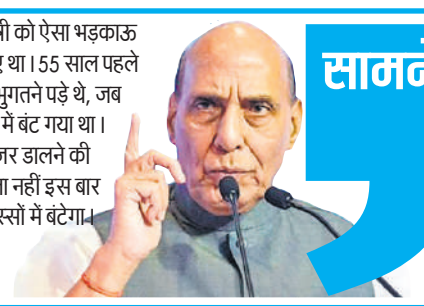

स्त्रियों पर बंदिश फिर इसे अक्षमता बताता है समाज

सत्य प्रकाश नायक

एक्टिविस्ट

रात के ग्यारह बजे एक व्यक्ति बिजली के खंभे पर चढ़ा है। नीचे अंधेरा है और ऊपर करंट का खतरा। तस्वीर के साथ लिखा है कि जिस दिन महिलाएं भी ऐसे काम करेंगी, उस दिन सच्ची बराबरी होगी। पहली नज़र में यह तर्क सीधा लगता है, लेकिन क्या वास्तव में बराबरी का अर्थ केवल वही काम करना है, जो दिखाई देता है। क्या जोखिम ही समानता की अंतिम कसौटी है, या यह सवाल ही अधूरा है। कभी-कभी हम तस्वीरों से निष्कर्ष निकाल लेते हैं, पर तस्वीरें अक्सर कहानी का आधा हिस्सा ही दिखाती हैं। जो दिखाई देता है, वह श्रम है; जो नहीं दिखाई देता, वह त्याग है और बराबरी की चर्चा में त्याग का अदृश्य होना ही, सबसे बड़ी विडंबना है।

इतिहास बताता है कि स्त्रियों को लंबे समय तक शिक्षा, संपत्ति और पेशेवर अवसरों से दूर रखा गया। जब संस्थानों के दरवाज़े बंद थे, तब उनकी अनुपस्थिति को उनकी अक्षमता माना गया। उन्नीसवीं सदी में एक महिला को चिकित्सा शिक्षा पाने के लिए पुरुष की पहचान अपनानी पड़ी, क्योंकि महिलाओं के लिए मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश वर्जित था। पहले रास्ते बंद किए गए, फिर पूछा गया कि महिलाएं दिखती क्यों नहीं। यह बराबरी नहीं थी, यह संरचनात्मक असमानता थी।

भेदभाव अचानक वयस्कता में शुरू नहीं होता। वह बचपन से शुरू होता है। लड़कों को खिलौनों में गाड़ियां, औज़ार और बाहर की दुनिया दी जाती है। लड़कियों को रसोई सेट और गुड़िया। लड़कों को चढ़ना, गिरना, जोखिम लेना सिखाया जाता है। लड़कियों को संभलकर चलना और सीमाओं में रहना। धीरे-धीरे यह सामाजिक प्रशिक्षण उनके आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और निर्णय लेने की क्षमता को आकार देता है। जब बचपन से ही यह संदेश दिया जाए कि कुछ काम 'तुम्हारे लिए नहीं हैं', तो बड़े होकर अवसरों की असमानता केवल परिणाम होती है, कारण नहीं।

कार्य विभाजन भी तटस्थ नहीं है। समाज ने कामों को 'पुरुष' और 'महिला' श्रेणियों में बांट दिया। भारी मशीन, निर्माण, तकनीकी मरम्मत पुरुषों के हिस्से में गई। देखभाल, सफाई, खाना बनाना, बच्चों और बुज़ुर्गों की जिम्मेदारी महिलाओं के हिस्से में। यह बटवारा जैविक कम और सामाजिक अधिक था। पर समय के साथ इसे प्राकृतिक मान लिया गया।

भारतीय समाज में यह असमानता और जटिल हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ से जुड़े आकलनों के अनुसार ग्रामीण भारत में पानी लाने की जिम्मेदारी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं पर है। वे रोज़ कई किलोमीटर पैदल चलती हैं और घंटों कतार में खड़ी रहती हैं। यह श्रम शारीरिक रूप से कठिन है, लेकिन इसे जोखिमपूर्ण कार्यों की श्रेणी में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह घर के दायरे से जुड़ा है और इसके बदले वेतन नहीं मिलता।

भारत के टाइम यूज़ सर्वे 2019 के अनुसार महिलाएं, पुरुषों की तुलना में कई गुना अधिक समय अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्यों में लगाती हैं। ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन के विश्लेषण के अनुसार भारतीय महिलाएं, पुरुषों से लगभग आठ गुना अधिक समय देखभाल कार्यों में देती हैं। यदि एक पुरुष प्रतिदिन एक घंटा देता है, तो एक महिला औसतन आठ घंटे देती है। यह केवल समय का अंतर नहीं यह अवसर का अंतर है। जब किसी व्यक्ति का अधिकांश समय अवैतनिक जिम्मेदारियों में व्यतीत होता है, तो वह प्रशिक्षण, कौशल विकास, नेटवर्किंग या जोखिमपूर्ण पेशों में प्रवेश के लिए आवश्यक तैयारी कैसे करेगा।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के अध्ययन से संकेत मिलता है कि यदि घरेलू जिम्मेदारियां संतुलित रूप से बांटी जाएं, तो महिला श्रम भागीदारी लगभग छह प्रतिशत तक बढ़ सकती है। यह वृद्धि केवल सांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होगी; यह लाखों महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोलेगी। मैकिंज़ी ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि महिलाओं की पूर्ण आर्थिक भागीदारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में खरबों डॉलर की वृद्धि संभव है। अवसर केवल समय से नहीं रुकते। वे मानसिकता से भी रुकते हैं। अनेक घरों में आज भी लड़कियों की गतिशीलता सीमित की जाती है। देर शाम बाहर रहना, दूर शहर में प्रशिक्षण लेना, फील्ड जॉब करना, जोखिमपूर्ण काम सीखना, इन सब पर प्रश्नचिह्न लगाया जाता है। परिवार की प्रतिष्ठा, सुरक्षा और परंपरा का तर्क दिया जाता है।

परिणामस्वरूप लड़कियां धीरे-धीरे अपने सपनों को छोटा करना सीख जाती हैं। लगातार यह सुनना कि तुम नाजुक हो, तुम कमजोर हो, तुम्हें सुरक्षा की ज़रूरत है, केवल बाहरी रोक नहीं है; यह भीतर भी घर कर लेता है। मनोवैज्ञानिक स्तर पर आत्मविश्वास क्षीण होता है। कई महिलाएं अवसर मिलने पर भी स्वयं को उस भूमिका के योग्य नहीं मानतीं। जब समाज बार-बार सीमाएं खींचता है, तो व्यक्ति उन सीमाओं को अपनी पहचान का हिस्सा समझने लगता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्त्रियों को लंबे समय तक शिक्षा, संपत्ति और पेशेवर अवसरों से दूर रखा गया। जब संस्थानों के दरवाजे बंद थे, तब उनकी अनुपस्थिति को उनकी अक्षमता माना गया।

सोशल फोरम

कमलपुर की महानता

एक बार मैं कमलपुर राज्य में गया। जब वहां के राजा के साथ भ्रमण पर निकला, तो कुछ देर बाद ही मुझे अपनी नाक पर रुमाल रखना पड़ा। 'आपके यहां गंदगी कुछ जियादे ही है श्रीमान!'

'क्या कह रहे हैं। हमारे यहां रोज सफाई होती है। यहां का सूबेदार खुद यह काम करता है। वह भी रोज। बिना नागा किए हुए! इस वक्त भी वह सफाई कार्य में लगा होगा! आप चलकर खुद ही देख लें महोदय!'

अनूप मणि त्रिपाठी

लेखक

इसी के साथ राजा ने सारथी को दिशा परिवर्तन का आदेश दिया। आदेश मिलते ही रथ दूसरी दिशा की ओर चल पड़ा। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे थे, दुर्गंध से मेरा दम घुटा जाता था। कुछ दूर जाने के बाद मैंने देखा कि उनका सूबेदार अपनी भाषा में जोर-जोर से कुछ बक रहा है, पर सामने मुझे कोई नजर न आता था। मैंने उधर-उधर देखने की कोशिश की पर मुझे कोई नहीं दिखा।

अंत में हारकर मैंने राजा से पूछा, 'आपका सूबेदार ये किससे बात कर रहा है? मुझे तो कोई नजर नहीं आ रहा श्रीमान!'

राजा बोला,' यह जो पहाड़ देख रहे हैं, मेरा काबिल सूबेदार उसी से बात कर रहा है।' मुझे बहुत हैरत हुई। मुझे तो वहां कोई पहाड़ नजर नहीं आया। पर मैं नहीं जानता था कि आगे महाहैरत मेरा इंतजार कर रही है। 'क्षमा करें मान्यवर! पर मुझे तो कोई पहाड़ नजर नहीं आ रहा!' मैंने राजा को अपनी दुविधा बताई।

राजा ने मेरी मुंडी पकड़ी और अपनी उंगली से सामने की ओर इशारा करते हुए बोला, 'वो रहा पहाड़। इतना ऊंचा तो है!'

'श्रीमान यह तो कूड़े का ढेर है!' मैं लगभग चीखते हुए बोला।

'पहाड़ जितना तो ऊंचा है!'

'मगर कूड़े के पहाड़ से कह क्या रहा है आपका सूबेदार!'

'वह कह रहा है कि अकड़ मत भइये! एक दिन तो तुझे यहां से भागना होगा! एक दिन तुझे यहां से जाना होगा!'

'और ये कब से कह रहा!' मैंने खुद को संभालते हुए पूछा।

'तकरीबन आठ-दस साल तो हो ही गए होंगे!'

'लोगों को दिक्कत नहीं होती क्या!' मैंने राजा से हैरत से पूछा।

'महोदय! किसी भी चीज को लंबा चलाना-खींचना होता है बस, एक दिन वह आदत में बदल जाती है। फिर चाहे गंदगी हो या युद्ध!' अपनी नाक से खुशबूदार रुई के फाहे निकालते हुए आगे बोला, 'देख लीजिए! यहां सिर्फ आपकी नाक पर रुमाल है।'

वाकई वहां मेरी नाक पर ही रुमाल था।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

जलवायु परिवर्तनः पान की पारंपरिक खेती पर खतरा

राजस्थान के भरतपुर जिले की बयाना तहसील के कुछ गांव आजकल किसी रिपोर्ट के आंकड़े नहीं, बल्कि एक धीमी त्रासदी की तरह सामने आते हैं। कभी यहां पान की बेलें सिर्फ खेतों में नहीं, लोगों की जिंदगी में भी लहलहाती थीं। आज वही बेलें सिकुड़ गई हैं और उनके साथ सिकुड़ गई है, एक पूरे समुदाय की आर्थिक और सामाजिक दुनिया। एक आज ये गांव खाली हो रहे हैं। वहां के ग्रामीण कामकाज के लिए बड़े शहरों में पलायन कर गए हैं।

पिछले दिनों मैंने जब इस इलाके के बारे में सुना था, तो एक बात बार-बार मन में आ रही थी कि क्या सचमुच यह सिर्फ मौसम की मार है? या फिर हम अपनी जिम्मेदारियों को 'जलवायु परिवर्तन' जैसे बड़े शब्दों के पीछे छिपा रहे हैं? यह सच है कि मौसम बदल गया है। सर्दियां पहले जैसी नहीं रही हैं, गर्मियां झुलसा देती हैं और बारिश अपने समय पर नहीं आती। पान जैसी नाजुक फसल के लिए यह बदलाव जानलेवा साबित हुआ है। मैं जब इस इलाके में गया, तो गांवों की समृद्ध अर्थ व्यवस्था को उजड़े हुए पाया। खरैरी, बागरैन और खानखेड़ा गांवों के किसान बताते हैं कि पहले पान की एक बेल पंद्रह फीट तक जाती थी, अब सात-आठ फीट पर ही दम तोड़ देती है। पत्ते कम हो गए हैं और जो हैं, वे भी अक्सर दागदार या जले हुए मिलते हैं।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। असल कहानी वहां से शुरू होती है, जहां किसान मौसम से लड़ते-लड़ते थक जाता है और फिर उसे अहसास होता है कि इस लड़ाई में वह अकेला है। कोई उसके साथ नहीं है। पान की खेती आज भी फसल बीमा के दायरे से बाहर है। यह एक ऐसी हकीकत है, जिसे सुनकर हैरानी नहीं, बल्कि चिंता होनी चाहिए। बड़ा सवाल यह है कि जब जोखिम बढ़ रहा है, तब सुरक्षा का दायरा क्यों नहीं बढ़ता? क्या हमारी नीतियां केवल गेहूं-चावल जैसी मुख्यधारा की फसलों तक सीमित रह गई हैं? या फिर हम उन फसलों को नजरअंदाज कर रहे हैं, जो भले ही राष्ट्रीय आंकड़ों में बड़ी न दिखें, लेकिन स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं?

बयाना का खरैरी गांव इसका जीता-जागता उदाहरण है। कभी यहां पान की वजह से इतनी रौनक थी कि बैंक की मुख्य शाखा तक खुल गई थी। आज हालात ऐसे हैं कि यह बैंक भी अपना बोरिया-बिस्तर समेट चुका है। यह सिर्फ एक आर्थिक गिरावट नहीं, बल्कि एक पूरे दौर के खत्म होने की निशानी है। इसके बाद आता है पलायन। गांव के युवा अब खेतों में नहीं, शहरों की भीड़ में मिलते हैं। बड़े शहरों में कोई सिक्योरिटी गार्ड है, कोई हलवाई के यहां काम कर रहा है, कोई ऑटो चला रहा है। यह बदलाव सिर्फ पेशे का नहीं, बल्कि पहचान का भी है। जो लोग कभी अपने खेतों के दम पर समृद्ध थे, वे अब शहरों में मजदूरों की कतार का हिस्सा बन गए हैं।

सवाल यह भी है कि क्या हम गांवों को धीरे-धीरे खाली होते देखने के आदी हो चुके हैं? सरकार की भूमिका पर बात करना यहां जरूरी है, लेकिन इसे केवल आलोचना के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में सदियों पुरानी खेती खत्म होने के कगार पर है, तो क्या यह सिर्फ किसानों की समस्या है? या यह नीति-निर्माताओं के लिए भी एक चेतावनी है? पान की खेती को अगर बीमा, अनुदान, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ा जाता, तो शायद हालात यह न होते। आसपास मंडी नहीं है, परिवहन की सुविधा कमजोर है। ऐसे में किसान अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भर हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

इंसानियत सिखाती कठपुतलियां

आदिम काल से लेकर आज तक मनुष्य अपने फुर्सत के समय में किसी न किसी तरह के मनोरंजन के साधनों को अपनाता रहा है। कठपुतली नाट्य कला मनुष्य द्वारा अपनाए जाने वाले साधनों में एक स्वस्थ, संदेशप्रद, शालीन, सभ्य, नैतिकता से ओतप्रोत और मानवीय मूल्यों का बोध कराने वाले मनोरंजन के साधनों के रूप में सदियों से जानी जाती रही हैं। परंतु आधुनिक दौर में तकनीकी, प्रौद्योगिकी, मशीनीकरण ने हस्तकला आधारित मनोरंजन के साधनों और औजारों को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेजी से पांव पसारती उपभोक्तावादी संस्कृति टीवी, फिल्म, वेबसीरिज, तरह-तरह के धारावाहिकों, कानफोड़ू डीजे कल्चर के चक्कर और घनचक्कर में लोगों ने कठपुतली नाट्य कला को भूला दिया। मोबाइल और लैपटॉप पर होने वाली चैटिंग और विविध प्रकार के गेमो ने तो कठपुतली नाट्य कला को लगभग हाशिए पर धकेल दिया।

मनोज कुमार सिंह
साहित्यकार

कहानी कहने का सहज और आकर्षक माध्यम

कठपुतली नाट्य कला के सिद्धहस्त कलाकार परदे के पीछे से सुतली, धागे या रस्सी के सहारे मंच पर प्लास्टर ऑफ पेरिस की बनी कठपुतलियों पर जब अपनी जादुई उंगलियों को फेरते हैं, तो कठपुतलियां जीते-जागते इंसानों की तरह बोल उठती हैं। मंच पर कठपुतलियों का मनमोहक नृत्य और अभिनय दर्शकों का मन बरबस मोह लेता है। किसी कथा, कथानक और कहानी कहने का सहज सरल और आकर्षक माध्यम है कठपुतली नाट्य कला। नाट्यकला और रंगमंच के इतिहास का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि कठपुतली नाट्य कला स्वस्थ मनोरंजन के सरल, सहज, सशक्त और आकर्षक माध्यम के रूप में अत्यंत प्राचीन काल से विश्व के अधिकांश हिस्सों मे व्याप्त रही है। कालक्रमेण कठपुतली नाट्य कला स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान का समुचित बोध कराने, शिक्षा, सूचना और विचारों के संप्रेषण का माध्यम तथा इससे जुड़े कलाकारों के आजीविका का साधन बन गई। हमारे जनजीवन और लोक मनोरंजन से लगभग मृतप्राय: हो रही है। कठपुतली नाट्य कला कै माध्यम से शिक्षण कार्य को रोचक बनाया जा सकता है। कुप्रथाओं, कुरीतियों और अन्य सामाजिक समस्याओं को मिटाने के लिए कठपुतली विधा बेहतरीन माध्यम हो सकती है।

फ्रांस से शुरू हुई दिवस मनाने की परंपरा

कठपुतली नाट्य कला के विकास, संबर्द्धन और सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर कठपुतली दिवस मनाने का विचार सर्वप्रथम ईरान के कठपुतली नाट्य मर्मज्ञ और प्रस्तोता जावेद जोलपाघरी ने प्रस्तुत किया। वर्ष 2000 में मांडेबुर्ग में 18 वीं Union Internationale de la Marionnetee (UNIMA) सम्मेलन के दौरान यह प्रस्ताव विचार हेतु रखा गया। दो वर्ष बाद इस प्रस्ताव को जून 2002 के जून महीने में अटलांटा में काउंसिल द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। सर्वप्रथम फ्रांस में वर्ष 2003 में विश्व कठपुतली दिवस मनाया गया, तब से कठपुतली दिवस मनाने का चलन-चलन संपूर्ण विश्व में फैलने लगा।

शिक्षण में निभा सकती है महती भूमिका

अपनी अद्वितीय संप्रेषण दक्षता और ग्रहणशीलता के कारण कठपुतली नाट्य कला प्राथमिक स्तर तथा उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण का सशक्त और लोकप्रिय माध्यम हो सकती हैं। पौराणिक और ऐतिहासिक विभूतियों के जीवन चरित्र पर आधारित कठपुतली नाट्य कला के प्रदर्शन से चरित्र निर्माण में सहायता मिल सकती हैं। मनोरंजन के नित नवीन विकसित होते माध्यमों के कारण कठपुतली नाट्य कला लगभग विलुप्ति के कगार पर है। इसके साथ ही साथ इसके माध्यम से आजीविका चलाने वाले लोगों के समक्ष भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। नृत्य कला, चित्रकला, मूर्तिकला और संगीत कला को समिश्रित किए कठपुतली नाट्यकला भारतीय समाज में अत्यंत प्राचीन काल से चलन-कलन में रही है।

वर्द्धन वंश ने दिया संरक्षण

सामान्यतः पुतलों का प्रयोग हमारे देश के किसान अपने खून-पसीने की कमाई फसल की रक्षा के लिए करते हैं। अपनी चुनी हुई सरकार, चुने हुए जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अपने आक्रोश को अभिव्यक्त करने के लिए जनता द्वारा पुतला दहन का कार्यक्रम आमतौर पर देखा जा सकता है। हर वर्ष दशहरा के अवसर पर रावण का पुतला दहन करने का रिवाज सदियों पुराना है। परंतु पुतला के माध्यम नाट्यकला कौशल का उल्लेख ईसापूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी कृत अष्टाध्यायी के नटसूत्र में मिलता है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती जी का मन बहलाकर इस नाट्यकला को शुरुआत किया था। सिंहासन बत्तीसी में भी विक्रमादित्य के सिंहासन की बत्तीस पुतलियों का उल्लेख मिलता है। यह सर्वविदित तथ्य है कि राजतंत्रीय परंपराओं में हर कला का विकास राजमहलों की अनुकंपा पर निर्भर था। भारत वर्द्धन वंश के शासकों ने कठपुतली नाट्यकला को संरक्षण और प्रश्रय दिया। वर्द्धन वंश के शासकों के शासन काल में इस कला का फैलाव भारत से पूर्वी एशिया के देशों इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यान्मार, जावा श्रीलंका इत्यादि में हुआ।

संरक्षण के लिए समाज की जागरूकता जरूरी

पारंपरिक भारतीय कठपुतली नाट्यकला में पौराणिक कथाओं, मिथकों और कहानियों जैसे अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, लैला मजनूं, शीरी फरहाद तथा भारतीय इतिहास के विभिन्न कालखंडों के महापुरुषों राजा हरिश्चंद्र, भक्त पूरन मल, श्रवण कुमार, भर्तृहरि, सती-सावित्री इत्यादि के चरित्र को आधार बनाकर मंचन किया जाता था। आज इसका समसामयिक प्रयोग प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन, विज्ञापन इत्यादि में किया जाता है। उत्तर भारत में राजस्थान में कठपुतली नाट्यकला आज भी लोकप्रिय है। लोक जागरण के सशक्त माध्यम कठपुतली नाट्यकला को फिर से व्यापक, विस्तारित और लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।

साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की माटी के सपूत राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित उत्कृष्ट रंगकर्मी श्री मिथिलेश दुबे अपनी संस्था क्रिएटिव पपेट थिएटर के माध्यम से 'मोहन से महात्मा' कठपुतली नाट्य कला का देश के विभिन्न हिस्सों में मंचन करते आ रहे हैं। मिथिलेश दूबे जी विगत आठ वर्षों से कठपुतली नाट्य कला पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। मिथिलेश दूबे जी स्वाधीनता आंदोलन के नायकों के व्यक्तित्व पर आधारित कथानक तैयार कर कठपुतली नाट्य कला का मंचन देश के विभिन्न शहरों में करते आ रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन, नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषयों पर कथानक तैयार कर मंचन का कार्य करते हैं। जिन सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर देश के अधिकांश बुद्धिजीवी बहस करते हैं। इन समस्याओं को कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से हम जनमानस को सहजता से समझा सकते हैं। इस तरह कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से देश की विविध समस्याओं के प्रति जनमानस को जागरूक कर सकते हैं। इसके साथ कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ अपने समाज के नैतिक मूल्यों, आदर्शों और मर्यादाओं को समाज स्थापित, विस्तारित, व्यापक और मजबूत कर सकते हैं। इस नाट्यकला के माध्यम से भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों, कुप्रथाओं और असंगत रूढ़ियों को दूर किया जा सकता है। वैसे तो कठपुतली नाट्य कला का फैलाव प्रशांत महासागर के पूर्वी छोर से पश्चिमी छोर तक पाया जाता हैं, परंतु आधुनिक दौर में भारत में यह कला बेहद संकट के दौर से गुजर रही हैं।

कठपुतली नाट्य कला को विगत वर्षों में स्कील इंडिया कार्यक्रम से जोड़ा गया है, जिसके माध्यम से कलाप्रेमी युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराया जा सके। कठपुतली नाट्य कला को संरक्षित करने के लिए जन जन में जागरूकता लाई जाए तथा स्वस्थ सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश निर्मित किया जा सके।

अनोखी परंपरा

पीढ़ियों का विश्वास: राम जन्म कुंडली वाचन

राजस्थान के बीकानेर शहर में एक ऐसी अनूठी धार्मिक परंपरा जीवित है, जो समय के साथ न केवल संरक्षित रही है, बल्कि आज भी लोगों की गहरी आस्था का केंद्र बनी हुई है। तेलीवाड़ा चौक स्थित रघुनाथ मंदिर में पिछले लगभग 125 वर्षों से भगवान श्रीराम की जन्म कुंडली के वाचन की परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। यह परंपरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का सशक्त प्रतीक भी है। इस परंपरा की सबसे विशेष बात यह है कि कुंडली वाचन का दायित्व पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार द्वारा निभाया जाता रहा है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में न केवल धार्मिक अनुशासन दिखाई देता है, बल्कि परिवार की उस निष्ठा का भी परिचय मिलता है, जिसने इसे समय की धारा में बहने नहीं दिया। मंदिर परिसर में स्थापित वीर हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष यह अनुष्ठान विधिवत संपन्न होता है, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इसे श्रद्धा के साथ देखते और सुनते हैं।

कुंडली वाचन से पूर्व पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद भगवान को अर्पित प्रसाद को भक्तों में वितरित किया जाता है। प्रसाद के रूप में पंचामृत और पंजीरी का विशेष महत्व है। पंचामृत को दूध, दही, केसर और पंचमेवा से तैयार किया जाता है, जिसकी मात्रा भी इस आयोजन की भव्यता को दर्शाती है। करीब 9 क्विंटल पंचामृत श्रद्धालुओं के बीच बांटा जाता है। यह केवल प्रसाद वितरण नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और श्रद्धा का उत्सव बन जाता है। इस परंपरा का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। यह बीकानेर की उस सांस्कृतिक पहचान को भी उजागर करती है, जिसमें परंपराओं को सहेजकर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का भाव निहित है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के बीच भी इस तरह की परंपराओं का जीवित रहना इस बात का प्रमाण है कि समाज अपनी जड़ों से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार, बीकानेर का यह रघुनाथ मंदिर न केवल एक आस्था का केंद्र है, बल्कि वह स्थान भी है, जहां इतिहास, परंपरा और विश्वास एक साथ जीवंत रूप में दिखाई देते हैं।

रंग, रिश्ते और रिवाजों का जनजातीय उत्सव

लोकायन

गुजरात के उत्तर-पूर्वी अंचल में जब रंग, संगीत और उत्साह एक साथ सजीव हो उठते हैं, तब कवंत का जनजातीय उत्सव अपने पूरे वैभव के साथ सामने आता है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि रथवा जनजाति के जीवन, संस्कृति और सामूहिक आनंद का जीवंत उत्सव है, जिसमें परंपरा और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिलता है। कवंत का यह आयोजन दरअसल एक बड़े सामाजिक मिलन का रूप ले लेता है। दूर-दराज के गांवों से लोग सजे-धजे परिधानों में यहां पहुंचते हैं और अपने रिश्तों को नया आयाम देते हैं। इस दौरान विवाह संबंधों पर चर्चा करना एक अहम पहलू होता है, जहां परिवार आपसी सहमति और परंपराओं के अनुसार रिश्तों की नींव रखते हैं। साथ ही, वस्तुओं का आदान-प्रदान भी इस उत्सव का हिस्सा होता है, जो सामुदायिक जीवन की आत्मनिर्भरता और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इस उत्सव की सबसे आकर्षक झलक इसके पारंपरिक लोक नृत्यों में देखने को मिलती है। ढोल-नगाड़ों और लोक वाद्यों की थाप पर युवक-युवतियां जब समूह में थिरकते हैं, तो पूरा वातावरण ऊर्जा और उल्लास से भर उठता है। उनके रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक आभूषण और लयबद्ध नृत्य इस उत्सव को और भी मनमोहक बना देते हैं। संगीत यहां केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाता है। कवंत की खासियत यह भी है कि यह अब केवल स्थानीय उत्सव नहीं रह गया है। इसकी ख्याति देश-विदेश तक पहुंच चुकी है।

हर वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक और अनिवासी भारतीय इस अनूठे जनजातीय उत्सव को देखने के लिए यहां आते हैं। उनके लिए यह अनुभव किसी जीवंत सांस्कृतिक संग्रहालय से कम नहीं होता, जहां वे भारत की आदिवासी परंपराओं को करीब से महसूस कर पाते हैं। बदलते समय के बावजूद कवंत अपनी मूल पहचान को सहेजे हुए है। यह उत्सव आज भी उस सरल, सामूहिक और आनंदमय जीवनशैली की झलक प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता की दौड़ में कहीं खोती जा रही है। यही कारण है कि कवंत न केवल एक त्योहार है, बल्कि वह परंपरा, पहचान और समुदाय की एक ऐसी जीवित कहानी है, जो हर साल नए उत्साह के साथ दोहराई जाती है।

आर्ट गैलरी

यशोदा और कृष्ण : भारतीय कला की पुनर्पहचान

कला जगत की ताजा खबर यह है कि वैक्सीन उद्योग के अरबपति सायरस पूनावाला ने राजा रवि वर्मा की प्रसिद्ध कृति "यशोदा और कृष्ण" को 17.9 मिलियन डॉलर (लगभग 1672 करोड़ रुपये) में खरीदकर भारतीय चित्रकला की नीलामी का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह नीलामी 1 अप्रैल को मुंबई स्थित सैफ्रोनआर्ट में हुई, जहां इस कृति ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक बोली प्राप्त की और एम. एफ. हुसैन की कृति "ग्राम यात्रा" को मिली उच्चतम बोली का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस तरह यह चित्र दक्षिण एशियाई कला के लिए दूसरी सबसे महंगी कृति बन गयी है। हालांकि पहला स्थान 2017 में बिकी एक बौद्ध मूर्ति के पास है। पूनावाला ने इसे "राष्ट्रीय धरोहर" बताते हुए कहा कि वे इसे समय-समय पर सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपलब्ध कराते रहेंगे।

यह कृति रवि वर्मा के करियर के उस शिखर काल की है, जिसमें पाश्चात्य यथार्थवादी शैली और भारतीय पौराणिक विषयों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उल्लेखनीय है कि रवि वर्मा उन कलाकारों में शामिल हैं, जिन्हें 1972 के भारतीय कानून के तहत 'राष्ट्रीय धरोहर' घोषित किया गया है, जिसके कारण उनकी कृतियां देश से बाहर नहीं जा सकतीं हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बिक्री भारतीय कला बाजार के परिपक्व होने और देश के भीतर सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की बढ़ती प्रवृत्ति का सुखद संकेत है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

"यशोदा और कृष्ण" शीर्षक वाली यह कृति केवल एक ग्रामीण दृश्य नहीं है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक स्मृति, भक्ति-परंपरा और मातृत्व के गहन प्रतीकवाद से समृद्ध एक दृश्य-आख्यान बन जाती है। राजा रवि वर्मा ने इस चित्र में पौराणिक कथा को लोकजीवन के सहज परिवेश में रूपायित कर उसे एक नई यथार्थवादी संवेदना प्रदान की है। चित्र में माता यशोदा को एक साधारण ग्रामीण स्त्री के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो गाय का दूध निकाल रही हैं। उनके पीछे बालक कृष्ण का स्नेहपूर्ण आलिंगन मातृत्व और बाल-क्रीड़ा की आत्मीयता को व्यक्त करता है। यहां कृष्ण कोई अलौकिक, चमत्कारिक देवता नहीं, बल्कि एक चंचल, स्नेहमय बालक के रूप में दिखाई देते हैं-यही रवि वर्मा की सबसे बड़ी विशेषता है, अर्थात् देवत्व का मानवीकरण।

कला-इतिहास की दृष्टि से यह चित्र भारतीय भक्ति आंदोलन की उस परंपरा को दृश्य रूप देता है, जिसमें ईश्वर को एक सुलभ, प्रेमपूर्ण और मानवीय रूप में अनुभव किया जाता है। विदित है कि यशोदा-कृष्ण संबंध वैष्णव भक्ति परंपरा में 'माधुर्य' और 'वात्सल्य' भाव का प्रमुख उदाहरण है। इस चित्र में वात्सल्य रस की अभिव्यक्ति अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है-यशोदा का शांत, ममत्वपूर्ण चेहरा और कृष्ण का स्नेहिल स्पर्श इस भाव को मूर्त रूप देते हैं।

तकनीकी दृष्टि से, चित्र में प्रकाश और छाया का सूक्ष्म उपयोग, शरीर की आयतनात्मकता और वस्त्रों की यथार्थपरक बनावट यूरोपीय अकादमिक शैली की देन है, किंतु विषय-वस्तु, भाव और प्रतीक पूरी तरह भारतीय हैं। गौ यहां केवल एक पशु नहीं, बल्कि 'गौ-माता' के रूप में भारतीय सांस्कृतिक प्रतीक है- समृद्धि, पोषण और पवित्रता का संकेत।

राजा रवि वर्मा के चित्रों में एक और महत्वपूर्ण पहलू उभरता है-पौराणिक आख्यानों का लोक-रूपांतरण। कृष्ण, जो सामान्यतः वृंदावन के दिव्य नायक या अवतार के रूप में चित्रित होते हैं, यहां एक ग्रामीण बालक के रूप में उपस्थित हैं। इससे दर्शक के साथ उनका संबंध अधिक आत्मीय और निकट हो जाता है। इस प्रकार, रवि वर्मा ने धार्मिक कथा को सामाजिक यथार्थ के साथ जोड़कर उसे जनसामान्य के अनुभव का हिस्सा बना दिया। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो यह चित्र उस सांस्कृतिक परियोजना का हिस्सा है, जिसमें औपनिवेशिक काल में भारतीय पहचान को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास किया जा रहा था। यशोदा और कृष्ण के माध्यम से 'भारतीय मातृत्व' और 'आदर्श बालक' की छवि गढ़ी गई, जो एक सांस्कृतिक आदर्श का निर्माण करती है।

अंततः "यशोदा और कृष्ण" केवल एक चित्र नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन, भक्ति-संवेदना और सांस्कृतिक प्रतीकों का समन्वित रूप है। राजा रवि वर्मा ने इस पेंटिंग के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पौराणिक कथाएं केवल अलौकिक नहीं, बल्कि मानवीय अनुभवों के माध्यम से भी उतनी ही प्रभावशाली ढंग से व्यक्त की जा सकती हैं। यही कारण है कि यह कृति आज भी सौंदर्य, भाव और अर्थ- तीनों स्तरों पर अत्यंत प्रासंगिक बनी हुई है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,616.58	23,123.65
बढ़त	509.73	155.40
प्रतिशत में	0.69	0.68

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,40,000 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

चांदी 2,000 रुपये लुढ़की, सोना 600 रुपये टूटा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 2,000 रुपये, या लगभग एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। सोमवार को बाज़ार बंद होने के समय इसकी कीमत 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाज़ार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 600 रुपये या 0.4 प्रतिशत टूटकर 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का त्याग पत्र

मुंबई। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया न्यूजीलैंड मूल के विल्सन पिछले चार वर्ष से टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे थे। एयरलाइन ने बयान में कहा कि विल्सन ने 2024 में ही एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया था।

एसडीएचआई को चार 'डुअल-फ्यूल' जहाज बनाने का ठेका

मुंबई। जहाज निर्माण एवं भारी ढांचा विनिर्माण कंपनी स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है। एसडीएचआई ने मंगलवार को बयान में कहा कि श्रेणी-4 के इस ठेके के तहत पहला पोत अक्टूबर 2029 तक सौंपे जाने की उम्मीद है। इसके बाद के पोत चार-चार महीने के अंतराल पर दिए जाएंगे। यह 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच मूल्य वाला ऑर्डर श्रेणी-4 में आता है। 229.5 मीटर लंबाई और 37 मीटर चौड़ाई वाले इन प्रत्येक जहाजों में अमोनिया ईंधन से चलने वाली प्रणोदन प्रणाली होगी।

टाटा स्टील के कच्चे इस्पात का उत्पादन 8% बढ़ा

नयी दिल्ली। टाटा स्टील ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में उसका कच्चे इस्पात का उत्पादन 8% बढ़कर 2.34 करोड़ टन रहा, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है। कंपनी ने बताया कि उत्पादन में यह वृद्धि मुख्य रूप से उसके कलिंगनगर संयंत्र में परिचालन बढ़ने के कारण हुई है।

24 हजार करोड़ के औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

आठ औद्योगिक इकाइयों को मिलेगा एलओसी, कई जिलों में परियोजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश में करीब 24,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। इन प्रस्तावों के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में आठ बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी, जिनसे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने बताया कि सरकार की ओर से इन कंपनियों को जल्द ही लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किए जाएंगे, जिससे परियोजनाओं के धरातल पर उतरने की प्रक्रिया तेज होगी। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। बड़ी संख्या में निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को धरातल पर साकार करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

- हजारों को मिलेगा रोजगार, यूपी बना निवेशकों की पहली पसंद

इन जिलों में लगेंगी उद्योग इकाइयां

इन निवेश प्रस्तावों के तहत शाहजहांपुर, गोरखपुर, ग्रेटर नोएडा, प्रयागराज, हाथरस, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और मुरादाबाद में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना होगी। इससे क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

इन कंपनियों को मिली कैबिनेट से मंजूरी

ओएफबी टैंक प्रा. लि. – शाहजहांपुर में एग्रो केमिकल प्लांट (589.98 करोड़)
इंडिया ग्लाइकोल्स लि. – गोरखपुर में एथेनॉल प्लांट (669.93 करोड़)
सीईएसी ग्रीन पावर – सोलर सेल प्लांट (3805 करोड़)
बिसलेरी इंटरनेशनल – प्रयागराज में बेवरेज प्लांट (269.31 करोड़)
एजीआई ग्रीन पैक – हाथरस में एल्युमिनियम कैन यूनिट (1128.72 करोड़)
इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया – यमुना एक्सप्रेसवे पर सोलर सेल यूनिट (1146 करोड़)
त्रिवेणी इंजीनियरिंग – मुरादाबाद में एथेनॉल यूनिट (237 करोड़)
अवाडा इलेक्ट्रो – संशोधित निवेश 13,640.79 करोड़

शेयर बाजार में चौथे दिन भी तेजी, सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी हुआ 23 हजारी

मानक ब्रेंट क्रूड 0.71% टूटकर 109 डॉलर प्रति बैरल पर आया

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। इससे बीएसई सेंसेक्स 510 अंक चढ़ गया और एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के पार पहुंच गया। कच्चे तेल के दाम में नरमी और दुनिया के अन्य बाजारों में तेजी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा, आईटी शेयरों में लिवाली से भी बाजार में सुधार हुआ।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक यानी 0.69 प्रतिशत बढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 74,686.32 अंक तक गया

और नीचे में 73,282.41 अंक तक आया। इससे बाजार में 1,403.91 अंक का उतार-चढ़ाव आया। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 23,123.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत टूटकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,671 में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,555 शेयरों में गिरावट आई और 155 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग में अवकाश के कारण बाजार बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था।

संकट प्रभावित कारोबारों को 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना पर विचार

नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी देगी बैंक ऋण पर यह गारंटी

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को राहत देने के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था।

इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके। ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे। अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था। इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी।

भारत-न्यूजीलैंड 24 अप्रैल को कर सकते हैं एफटीए पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 अप्रैल को यहां हस्ताक्षर होने की संभावना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को द्वीपीय देश के बाजार में अपने उत्पादों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी और अगले 15 वर्ष में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है।

दोनों देशों ने इस व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा पिछले वर्ष 22 दिसंबर को की थी। इस समझौते का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर पांच अरब डॉलर करना है। अधिकारी ने बताया कि इस समझौते पर भारत मंडपम में 24 अप्रैल को हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है।

फॉक्सवैगन के टाइगुन के नए संस्करण का उत्पादन

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने मंगलवार को फॉक्सवैगन टाइगुन के नए संस्करण का उत्पादन पुणे स्थित अपने संयंत्र में शुरू करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि नया टाइगुन मॉडल समूह की 'मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड' रणनीति को मजबूत करेगा और भारत को वैश्विक उत्पादन एवं निर्यात केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी के दाम भी बढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गये हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक

अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गयी है।

एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गयी है जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गयी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है।

काम की बात

EMI का बोझ ऐसे करें कम

कारोबार डेस्क

कर्ज लेना जितना आसान है, लेकिन उसकी अदायगी एक चैलेंज। बाकी खर्चों के साथ ईएमआई देना कई बार मुश्किल हो जाता है। दरअसल EMI केवल एक पेमेंट नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुकी है। घर, गाड़ी, मोबाइल, यहां तक कि छुट्टियों तक,हर चीज EMI पर मिल रही है। परेशानी तब शुरू होती है जब महीने की सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में बैंक के डेबिट मैसेज से आपको तनाव होने लगता है। यदि आप भी अपनी ईएमआई से परेशान हैं, तो आपके काम की बात है।

EMI कम करने के 5 स्मार्ट तरीके

- **सबसे पहले कौन सा लोन खत्म करें?**
  -आप हमेशा सबसे महंगा लोन खत्म करें। क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन का ब्याज सबसे ज्यादा होता है, ऐसे में इन्हें खत्म करना जरूरी है।
- **क्या ईएमआई कम कर सकते हैं?**
  -हां लाइफस्टाइल के हिसाब से इसको कम कर सकते हैं। अगर EMI ज्यादा लग रही है, तो बैंक से बात करें। लोन की अवधि बढ़वा सकते हैं, EMI कम हो जाएगी। दूसरे बैंक में भी बैलेंस ट्रांसफर कर सकते हैं।
- **खर्च कंट्रोल कैसे करें?**
  -यहां काम आता है 50-30-20 फॉर्मूला। 50% जरूरी खर्च, 30% शौक, 20% बचत। याद रखिए कि अगर EMI ज्यादा है, तो सबसे पहले शौक वाले खर्च कम करें।
- **बोनस का सही उपयोग कैसे करें?**
  -बोनस को खर्च मत करें, लोन खत्म करने में लगाएं। अगर आप हर साल थोड़ा-थोड़ा प्री-पेमेंट करते हैं, तो आपका लोन जल्दी खत्म हो सकता है। इससे ब्याज कम लगेगा और टेंशन भी घटेगी।
- **इमरजेंसी फंड क्यों जरूरी है?**
  -अक्सर अचानक खर्च EMI को बिगाड़ देता है। इसके अलावा मेडिकल खर्च, नौकरी जाने का खतरा या अचानक अन्य कोई आवश्यकता के लिए इमरजेंसी फंड जरूरी होता है।

लोन कंसोलिडेशन भी कर सकते हैं

- आसान भाषा में अपनी एक से अधिक ईएमआई को मिलाकर एक EMI कर लेना लोन कंसोलिडेशन कहलाता है। अगर आपके पास कई हाई इंटरेस्ट लोन हैं (जैसे क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन), तो कंसोलिडेशन फायदेमंद हो सकता है, अगर :
  - **ब्याज दर कम हो जाए :** नए लोन का इंटरेस्ट पुराने से कम हो।
  - **EMI मैनेज करना आसान हो :** कई की जगह एक ईएमआई रह जाए।
  - **कैश फ्लो सुधरे :** हर महीने कुछ पैसा बचने लगे।
  - **क्रेडिट स्कोर बेहतर हो :** समय पर एक EMI भरना आसान होता है। इससे क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है।
- **एक बात याद रखिए**- लोन आपकी आवश्यकता पूरी करता है। EMI आपकी जिम्मेदारी है, उसे बोझ बनाना आपकी गलती। लोन चुकाने में अनुशासन पालन करें। ईएमआई कम दिखाने के चक्कर में कुल लागत की गणना करना न भूलें।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

असम के सीएम सबसे भ्रष्ट, कांग्रेस गठबंधन को मिलेगा बहुमत : खरगे

गुवाहाटी, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि असम विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन 126 सीटों में से 72-73 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भारत में 'सबसे भ्रष्ट' नेता हैं तथा उनके खिलाफ लगे आरोपों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को टिप्पणी करनी चाहिए।

खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन असम में अगली सरकार बनाने जा रहा है। हम 72-73 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा पर निशाना साधा। खरगे ने आरोप लगाया कि भारत में कोई भी मुख्यमंत्री उनके जैसा अहंकारी नहीं है। हिमंत विश्व शर्मा केवल अपने परिवार के विकास के लिए काम कर रहे हैं। वह चाय, स्कूल, कोयला, अंडा, जमीन, सुपारी, हर चीज में सिंडिकेट चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शर्मा के कैबिनेट का हर सदस्य भ्रष्ट है और उन सभी के पास हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति है।

बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय घुसपैठियों को वापस भेजेंगे : शाह

घुसपैठियों के स्वागत को रेड कार्पेट बिछाती है कांग्रेस

पाथरकांडी (असम), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' निश्चित है। इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आते ही सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा। शाह ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी में अवैध प्रवासियों को शरण दी, जिससे उन्होंने श्रीभूमि, सिलचर और कछार में अपना दबदबा बना लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नागरिकता संशोधन अधिनियम

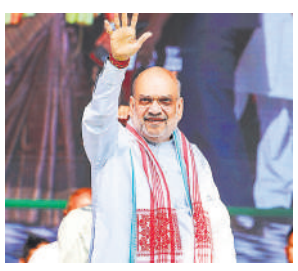

(सीएए) का विरोध इसलिए करती है क्योंकि उसे पता है कि यह कानून सुनिश्चित करेगा कि राज्य में कोई घुसपैठिया न रहे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से सताए गए हिंदू इस कानून के दायरे में आते हैं...कांग्रेस इसका विरोध करती है, लेकिन पार्टी मुस्लिम घुसपैठियों के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाती है। शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। गृहमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' तय है। जैसे ही भाजपा राज्य में सत्ता में आएगी, असम, त्रिपुरा और बंगाल से सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा।

हैलाकांडी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि कांग्रेस ने असम में मुस्लिम छात्रों के लिए 700 मदरसे बनाए, लेकिन भाजपा ने उनमें से 402 को प्राथमिक विद्यालयों में बदल दिया ताकि उन्हें भी आधुनिक शिक्षा मिल सके।

प. बंगाल : एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से हटे करीब 91 लाख नाम

कोलकाता, एजेंसी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद वा से करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य के अंतिम मतदाता आधार की घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर के अंत में 7.66 करोड़ मतदाताओं के आधार पर, राज्य में इस समय कुल हटाए गए मतदाताओं का प्रतिशत 11.85 प्रतिशत से अधिक है। एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से अब तक कुल हटाए गए नामों की अंतिम संख्या 90.83 लाख से थोड़ा अधिक रही। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई जांच में इन 60.06 लाख में से 27.16 लाख 'विवेचनाधीन' मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

मतदाताओं को भयभीत कर रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मतदाताओं को भयभीत करने का मंगलवार को आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में बाधा डाल रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी के इस दावे का खंडन किया कि मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात किया जा रहा है और कहा कि ये टिप्पणियां आसन्न चुनावी हार की हताशा दर्शाती हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें निश्चित और करारी हार का सामना करना पड़ रहा है। ममता जी, आप अब हताशा में हैं। जब कोई नेता हताश हो जाता है, तो वह कुछ भी कहने लगता है।उन्होंने कहा कि मैं इस दावे की कड़ी निंदा करता हूं कि सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) लोगों को पीटने आ रही है। ममता जी, सीआरपीएफ किसी को पीटने नहीं आ रही है।

वे यह सुनिश्चित करने आ रहे हैं कि वैसे निर्दोष मतदाता, जिन्हें आपके कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा के माध्यम से मतदान करने से रोका जाता है, अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर सकें।

टीवीके प्रमुख विजय के दोनों सीटों से नामांकन पत्र स्वीकार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) अध्यक्ष विजय द्वारा पेराम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से दाखिल नामांकन पत्रों को मंगलवार को जांच के बाद वैध पाए जाने के साथ स्वीकार कर लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विजय दो विधानसभा क्षेत्रों के साथ अपने चुनावी सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं।

स्टालिन ने पुडुचेरी के लिए मांगा पूर्ण राज्य का दर्जा

पुडुचेरी, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने आरोप लगाया है कि केंद्र ने पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा ने इस तरह के कदम के लिए 14 बार प्रस्ताव पारित किए हैं। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए और नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के उम्मीदवारों का औपचारिक परिचय कराते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि सब कुछ उपराज्यपाल के पास है जबकि मुख्यमंत्री एन रंगासामी को कठपुतली मुख्यमंत्री बनाकर रखा गया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि नौ अप्रैल को होने वाले आगामी चुनाव लोगों के लिए पुडुचेरी में मौजूदा समस्याओं को खत्म करने का एक उत्कृष्ट अवसर है।।" स्टालिन ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान वादा किया था कि पुडुचेरी "सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी" बनेगा। उन्होंने कहा कि असलियत तो यह है कि लोग अभी पुडुचेरी की सबसे बुरी हालत देख रहे हैं। उन्होंने सरकार की कथित नाकामियों की मिसालें दीं, जिनमें नकली दवा बनाने वाली इकाई की जांच में बाधा डालना और घटिया दवाइयों की खरीद शामिल है।

ममता आज भवानीपुर से करेंगी नामांकन

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को भवानीपुर सीट से बतौर तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन दाखिल करेंगी। ममता बनर्जी की योजना इस दौरान खुद को बहुलवादी और समावेशी होने का राजनीतिक संदेश देने की है। यह इलाका संकरी गलियों और पुरानी हवेलियों वाला है, जहां दशकों से गुजराती व्यापारी, बंगाली परिवार, पंजाबी परिवार और मुस्लिम निवासी साथ-साथ रहते आए हैं। भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने पिछले सप्ताह इस सीट से पर्चा भरा था।

सरकार ने समय पर नहीं दी मंजूरी, इसलिए कांग्रेस की वायनाड आवासीय परियोजना में देरी हुई : प्रियंका

वायनाड (केरल), एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को दावा किया कि केरल में मुंडक्कई-चूरलमाला भूस्खलन की घटना के पीड़ितों के लिए पार्टी की आवासीय परियोजना में राज्य की वाम सरकार से मंजूरी समय पर न मिलने की वजह से देरी हुई। प्रियंका ने यहां कलपेट्टा में यूडीएफ गठबंधन की एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि एलडीएफ की टाउनशिप के उद्घाटन के बाद ही कांग्रेस की परियोजना को मंजूरी

दी गई। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग में मेरे साथियों को भी ये ही दिक्कतें हुई होंगी। प्रियंका की यह दलील वायनाड आवासीय परियोजना के लिए धन इकट्ठा करने और पैसे के इस्तेमाल के संबंध में कांग्रेस पर अनियमितताओं के आरोपों के बीच आई है। कांग्रेस महासचिव ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर भी हमला किया और सवाल किया कि भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना करने के बावजूद उनके खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा का विरोध करने वालों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इससे साफ है कि उनके बीच एक गुप्त समझौता है और वे अपने राजनीतिक फायदे के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर शीर्ष कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र ने कहा-दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिए जाएंगे सभी मुद्दे

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से जुड़े सभी मुद्दों को दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि वह इस मुद्दे की समीक्षा कर रहे हैं और इस दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह सचिव भी न्यायालय में उपस्थित हुए। उच्चतम न्यायालय ने छह अप्रैल को एक आदेश में उनसे मंगलवार को अदालत में पेश होने को कहा था ताकि थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना के क्रियान्वयन में उनसे उचित सहायता ली जा सके। देश के शीर्ष विधि अधिकारी ने पीठ से कहा कि दो सप्ताह के भीतर वह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मुद्दे सुलझ जाएं, इसके लिए न्याय मित्र और अन्य अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जाएंगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल के लिए निर्धारित की है। शीर्ष कोर्ट थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है।

आईजीआई हवाई अड्डे पर दो करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक-दिल्ली उड़ान के शौचालय से दो किलोग्राम से अधिक संदिग्ध गांजा जब्त किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह बरामदगी पांच अप्रैल को हुई। इसमें कहा गया है कि निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, भारतीय सीमा शुल्क की विशेष शाखा, वायु खुफिया इकाई के अधिकारियों ने बैंकॉक से आने वाली उड़ान पर नजर रखी। बयान में कहा गया है कि निगरानी के दौरान विमान के शौचालय के कूड़ेदान से धूसर (ग्रे) रंग के टेप में लपेटे गए तीन पैकेट बरामद किए गए।

दो मिनट में बिक जा रही आपकी आजादी

ऐसे होता है खेल

टीवी पर विज्ञापन हो, बैंक का फॉर्म या नए फोन की वारंटी, हर जगह एक छोटा सा स्टार (*) बना होता है, जिसके नीचे लिखा होता है 'शर्तें लागू'। यह छोटा सा स्टार असल में वह 'सुरंग' है जिसमें ग्राहकों के अधिकार खो जाते हैं। यही नहीं, एक होम लोन के एग्रीमेंट में औसतन 3,000 से 4,000 शब्द होते हैं। बैंक मैनेजर आपको दस्तखत करने के लिए मुश्किल से 2 मिनट देता है। यानी आपको प्रति सेकंड लगभग 30 शब्द पढ़ने होंगे जो किसी भी इंसान के लिए नामुमकिन है। यही वह समय है जब आपकी मेहनत की कमाई पर शर्तों का ताला लग जाता है। आइए, अलग-अलग क्षेत्रों में छिपे इन 'नियमों' का सच डिकोड करते हैं।

● शून्य ब्याज का सच : अक्सर विज्ञापन 0% ईएमआई का दावा करते हैं, लेकिन शर्तों में प्रोसेसिंग फीस और फाइल चार्ज के नाम पर अच्छी-खासी रकम वसूल ली जाती है। ● न्यूनतम शेष : खाते खोलते समय बड़े अक्षरों में सुविधाएं बताई जाती हैं, पर छोटे अक्षरों में लिखा होता है कि बैलेंस कम होने पर भारी जुर्माना लगेगा।

● पहले से मौजूद बीमारी : बीमा पॉलिसी लेते समय कंपनियां सब कुछ कवर करने का वादा करती हैं, लेकिन शर्तों के पन्नों में ऐसी परिभाषा होती है कि क्लेम के समय कंपनी मुकर जाती है। ● कैपिंग : अस्पताल के कमरे का किराया या डॉक्टर की फीस पर कैपिंग लगा दी जाती है, जिसकी जानकारी बिल भुगतान के समय मिलती है।

● सेल का झांसा : अप टू 70% ऑफ के विज्ञापन में 70% छूट केवल एक या दो पुराने प्रोडक्ट्स पर होती है, बाकी पर केवल 10%। यह 'अप टू' शब्द कानूनी रूप से कंपनी को बचा लेता है। ● क्रीम के विज्ञापनों में 1 हफ्ते में गोरापन के नीचे बहुत छोटे अक्षरों में लिखा होता है, चुनिंदा लोगों पर किए गए परीक्षण के आधार पर परिणाम अलग हो सकते हैं।

● जब आप बैंक से लोन लेते हैं, तो मैनेजर आपके सामने 15 से 20 पन्नों का एक सेट रखता है और कहता है सर, बस यहां-यहां साइन कर दीजिए। हम बिना पढ़े दस्तखत कर देते हैं, लेकिन उन पन्नों में फ्लोटिंग रेट का फंदा, प्री-पेमेंट पेनल्टी, हिडन प्रोसेसिंग और इंस्पेक्शन चार्ज आदि छिपा होता है।

डिकोडर टिप

● स्टार (*) को गंभीरता से लें : जहां भी स्टार मार्क दिखे, समझिये कि वहां कोई 'पेच' है। ● हाइलाइट मांगें : बैंक या बीमा एजेंट से पूछें- वो शर्तें दिखाओ जो मेरे क्लेम को खारिज कर सकती हैं। ● डिजिटल रिकॉर्ड : किसी भी मौखिक वादे पर भरोसा न करें, शर्तों की कॉपी ईमेल पर या हार्ड कॉपी में जरूर मांगें। ● शर्तों को पढ़ें : कंपनियां चाहती हैं कि आप सिर्फ विज्ञापन देखें, शर्तें नहीं। लेकिन एक जागरूक नागरिक वह है जो 'साइन' करने से पहले उन कागजों को भी पढ़े जिन्हें कोई नहीं पढ़ता। ● कई बार बैंक 'बाद में भरने' की बात कहकर खाली फॉर्म पर साइन करा लेते हैं, यह सबसे बड़ा जोखिम है।

फैक्ट फाइल

● एक औसत इंस्ट्राग्राम यूजर की 'टर्म ऑफ सर्विस' में करीब 5,000 से ज्यादा शब्द होते हैं। इसे ध्यान से पढ़ने में एक सामान्य पाठक को 20 से 25 मिनट लग सकते हैं। ● अगर हम वाट्सअप, फेसबुक और गूगल जैसी सिर्फ 5 मुख्य सेवाओं की शर्तों को जोड़ लें, तो यह एक 60-70 पन्नों की किताब बन जाएगी। ● कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार, अगर हम साल भर की सभी डिजिटल शर्तों को पढ़ें, तो हमें 76 कार्य-दिवस यानी करीब ढाई महीने की छुट्टी लेनी पड़ेगी। कंपनियां इसी समय की कमी और शब्दों के जाल का फायदा उठाकर आपकी सहमति हासिल कर लेती हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने जापानी को जमानत पर रिहा किया

तोक्यो। जापान सरकार के एक शीर्ष प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि जनवरी में ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने तोक्यो में पत्रकारों को बताया कि इस नागरिक की रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई और जापान ईरानी प्राधिकारियों से पूर्ण रिहाई की मांग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ईरान में जापान के राजदूत तमाकी सुकादा ने रिहा किए गए व्यक्ति से मुलाकात की।

तस्करी के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में मंगलवार को मादक पदार्थ तस्करी के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्तियों में दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारियां भारत की सीमा से सटे रूपन्देही जिले में की गईं। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान उत्तर प्रदेश के महराजगंज निवासी अरुण कुमार और बिनय पांडे के रूप में की गई है। इसके अलावा, नेपाली नागरिक बिशाल यादव को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से फेनरगन, डायजेपाम और बूफेन जैसी दवाओं की 3,300 शीशियां बरामद की गईं।

सऊदी को बहरीन से जोड़ने वाला पुल खुला

दुबई। सऊदी अरब को बहरीन द्वीप से जोड़ने वाला प्रमुख पुल किंग फहद कॉजवे ईरान से हमलों की आशंका के कारण कुछ घंटों तक बंद रहने के बाद मंगलवार सुबह फिर से खोल दिया गया। किंग फहद कॉजवे प्राधिकरण ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी और कहा कि बहरीन और अरब प्रायद्वीप के बीच सड़क से जुड़ने वाला यह एकमात्र मार्ग अब फिर से चालू हो गया है। ईरानी हमलों के कारण बहरीन का हवाई अड्डा कई हफ्तों से बंद है। इस पुल को कुछ ही घंटे के लिए उस समय बंद किया गया जब ईरान की ओर से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल ने सऊदी अरब को निशाना बनाया और उससे वहां के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचने की आशंका है। हालांकि, इस हमले से हुए नुकसान के बारे में सऊदी अरब ने अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

इस्तांबुल में इजराइली दूतावास पर गोलीबारी

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल में मंगलवार को इज़राइली वाणिज्य दूतावास की इमारत पर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और इस दौरान हुई मुठभेड़ में दो हमलावर मारे गए तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। प्रसारक हबर्तुर्क की खबर के अनुसार, हमलावरों के पास लंबी बैरल वाले हथियार थे। पुलिस के साथ हुई गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए, तीसरे हमलावर को पकड़ लिया गया।

मणिपुर में सीआरपीएफ शिविर पर भीड़ का हमला, गोलीबारी में दो लोगों की मौत

संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में दो बच्चों की मौत के बाद राज्य में भड़की हिंसा

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कांथौजम ने मंगलवार को कहा कि बिष्णुपुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर पर भीड़ द्वारा धावा बोले जाने के बाद गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। कोंथौजम ने बताया कि मोइरांग ट्रोंग्लाओबी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए बम हमले में दो बच्चों की मौत के विरोध में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने बम हमले वाली जगह से कुछ ही सौ मीटर दूर गेलमोल के पास स्थित सीआरपीएफ शिविर पर धावा बोल दिया, वहां वाहनों को जलाया और संपत्तियों में तोड़फोड़ की। मंत्री ने कहा कि मैंने प्रदर्शनकारियों से सीआरपीएफ शिविर में प्रवेश नहीं करने और सुरक्षा बलों को बम हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के अभियान पर ध्यान केंद्रित करने देने का आग्रह किया था। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने मेरी अपील पर ध्यान नहीं दिया। राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने सीआरपीएफ शिविर पर धावा बोल दिया, वाहनों को जला दिया और शिविर के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की, जिसके कारण सुरक्षाकर्मियों को गोलीबारी करनी पड़ी। उन्होंने या तो आत्मरक्षा में या गुस्से में गोली चलाई। दुर्भाग्य से, गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गोली लगने से घायल हो गए। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इस हमले को बर्बर कृत्य करार दिया और लोगों को आश्वासन दिया कि इस अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब घर में बम फटा, उस समय दोनों बच्चे और उनकी मां सो रह थे। घटना के विरोध में स्थानीय निवासियों ने आज सुबह प्रदर्शन किया और इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकरों और एक ट्रक में आग लगा दी।

बम हमले की जांच एनआईए को सौंपने का फैसला

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने बिष्णुपुर जिले में हुए बम हमले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने का फैसला किया है। हमले में दो बच्चों मौत हो गई। सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि यह कृत्य उन व्यक्तियों या समूहों का काम लगता है, जिनके निजी स्वार्थ राज्य में शांति भंग करने में हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के गृह मंत्री और अन्य विधायकों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद मामले को एनआईए को सौंपने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ को तैनात कर दिया गया है।

चार जिलों में कर्फ्यू इंटरनेट प्रतिबंधित

इंफाल। मणिपुर सरकार ने हिंसा के मद्देनजर मंगलवार को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर और काकचिंग के जिलाधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में कर्फ्यू लागू करने का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि सात अप्रैल से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। राज्य सरकार ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर के पांच घाटी जिलों में ब्रॉडबैंड, वीसैट और वीपीएन सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को तीन दिनों के लिए निलंबित करने का भी आदेश दिया है।

नेपाल ने छह देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए

काठमांडू। नेपाल ने भारत समेत छह देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं, जिन्हें केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के कार्यकाल में नियुक्त किया गया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर छेत्री ने बताया कि सरकार ने एक मंत्रिमंडल फैसले के माध्यम से भारत, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, डेनमार्क, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका में कार्यरत राजदूतों को वापस बुला लिया है।

छेत्री के मुताबिक, जिन राजदूतों को वापस बुलाया गया है, उनमें शंकर प्रसाद शर्मा (भारत), चित्रलेखा यादव (ऑस्ट्रेलिया), सुमनिमा तुलाधर (डेनमार्क), पूर्ण बहादुर नेपाली (श्रीलंका), शिवमाया तुम्बाहम्फे (दक्षिण कोरिया) और कपिलमान श्रेष्ठ (दक्षिण अफ्रीका) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छह देशों में तैनात राजदूतों को सोमवार को पत्र जारी कर एक महीने के भीतर लौटने का निर्देश दिया गया है।

ईरान युद्ध ने नाटो को लेकर मुझ पर गहरा असर छोड़ा है जिसे कभी नहीं भूलूंगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से जंग में फिर नाटो पर की टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि ईरान युद्ध के दौरान इस सैन्य गठबंधन और दक्षिण कोरिया, जापान व ऑस्ट्रेलिया जैसे मित्र देशों ने अमेरिका की मदद नहीं की। व्हाइट हाउस में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने यह टिप्पणी की।

उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब नाटो के महासचिव मार्क रूट जल्द ही वाशिंगटन दौरे पर आने वाले हैं। ट्रंप पहले भी नाटो को कागजी शेर बता चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध ने नाटो को लेकर ऐसा प्रभाव छोड़ा है, जो मेरे दिमाग से कभी नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाटो के साथ मतभेद तब शुरू हुए, जब ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने के उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ट्रंप ने कहा, नाटो एक कागजी शेर है, जिससे व्लादिमीर पुतिन भी नहीं डरते। ईरान युद्ध पर ट्रंप ने कहा कि नाटो सदस्य देशों ने जानबूझकर मदद नहीं की। उन्होंने कहा, देखिए, हम नाटो के पास गए। मैंने बहुत जोर नहीं दिया, बस इतना कहा- अगर आप मदद करना चाहें तो अच्छा होगा। ट्रंप के मुताबिक, उन्हें जवाब मिला, नहीं।

बांग्लादेश की पहली महिला संसद अध्यक्ष गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व अध्यक्ष शिरीन शरमीन चौधरी को मंगलवार को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। समाचार पत्र प्रथम आलो की खबर के अनुसार, चौधरी को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की खुफिया शाखा ने लालबाग थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया। यह मामला जनआंदोलन के दौरान हुई हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाओं से जुड़ा है। एक सूत्र ने बताया कि चौधरी विभिन्न स्थानों पर छिप कर रह रही थीं। अभी वह धनमंडी में एक रिश्तेदार के घर में रह रही थीं, जहां से उन्हें मंगलवार सुबह हिरासत में लिया गया। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मीडिया प्रभाग के उपायुक्त एम एन नसीरुद्दीन ने बताया कि चौधरी से पूछताछ की जा रही है।

अमेरिका जाएंगे विदेश सचिव विक्रम मिसरी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी बुधवार से वाशिंगटन डीसी की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे तथा पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट पर चर्चा करेंगे। मिसरी की आठ से 10 अप्रैल तक की यात्रा भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक पहलुओं की समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दोनों पक्ष अनिश्चितता और तनाव के दौर के बाद संबंधों को स्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाए जाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले साल मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़पों को कम करने में अपनी भूमिका को लेकर विवादास्पद दावे किए जाने के बाद द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी गिरावट आई थी।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर के अंतर्राज्यीय आतंकी माड्यूल का खुलासा, 5 गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी

● हिरासत में लिए गए आतंकियों में ए प्लस श्रेणी के दो पाकिस्तानी आतंकवादी भी शामिल

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक अंतर्राज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पिछले 16 साल से फरार अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब को भी अभियान में गिरफ्तार किया गया।

यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय में स्थित एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के छह महीने बाद हुई है, जिसके तार कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि गत कुछ दिनों में, जांचकर्ताओं ने जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा सहित 19 स्थानों पर छापेमारी की और चार एके असॉल्ट राइफलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर की गई जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को साजो-सामान और वित्तीय सहायता करने वाले एक विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए पांच लोगों में से तीन श्रीनगर के रहने वाले हैं। मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को आश्रय और भोजन सहित सामरिक सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात व्यक्तिगत रूप से इस कार्रवाई की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि हिरासत में लिए गए दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को ए प्लस श्रेणी में रखा गया है। दोनों जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ अन्य राज्यों में जाली दस्तावेजों और पहचान के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का विस्तार करने का कार्य कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी

सुरक्षाबलों द्वारा गिरफ्तार लश्कर का आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब।

श्रीलंका से रिहा हुए 30 भारतीय मछुआरे लौटे

कोलंबो। श्रीलंका से रिहा किए गए 30 भारतीय मछुआरों को मंगलवार को वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के 30 मछुआरों को आज श्रीलंका से वापस भेजा गया। उन्होंने बताया कि ये मछुआरे स्वदेश लौट रहे हैं। श्रीलंका की नौसेना के अनुसार, उसने इस साल अब तक मछली पकड़ने वाली 15 नौकाएं जब्त की और 102 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है।

उसने कहा कि 2025 में श्रीलंका के जल क्षेत्र में 346 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि वह नहीं बता सकते कि रिहा किए गए 30 मछुआरे किस समूह से थे। उन्होंने कहा यह पूरी तरह से अदालती प्रक्रिया पर निर्भर करता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। सभी काम बनते हुए प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न रखें।

वृष आज पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी। बिना मांगे किसी को सलाह न दें।

मिथुन आज कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। आपके सामाजिक संपर्क मधुर होंगे।

कर्क आज आपका दिन अत्यधिक व्यस्त रहेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझ सकते हैं। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध दुष्प्रचार कर सकते हैं।

सिंह आज आप अपने घर में रहना पसंद करेंगे। प्रेमीजन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे।

कन्या आज आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान करेगा। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है।

तुला आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें।

वृश्चिक आज कार्यक्षेत्र में विरोधी कमजोर पड़ते दिखाई देंगे। नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

धनु आज आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं।

मकर आज कार्य की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। पेट में जलन जैसी समस्या हो सकती है।

कुंभ आज का दिन आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा महसूस करेंगे। खर्चों में कमी आएगी।

मीन आज आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। लोगों से आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

आज की ग्रह स्थिति : 8 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 19 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- ज्येष्ठा 05 .54 तक तत्पश्चात मूल।

सुडोकू - 112 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
3	1	2	7	6	9	8	5	4
9	6	5	4	8	3	1	7	2
8	4	7	9	3	1	2	6	5
5	2	1	8	7	6	4	9	3
6	9	3	2	5	4	7	1	8
1	5	4	6	9	2	3	8	7
7	3	6	5	4	8	9	2	1
2	8	9	3	1	7	5	4	6

सुडोकू -113

			5	1		4		
		7			2			1
				4	9			
	6					8		
5		2						7
		8	4	7			6	
9				5				
			9		7	5		
		3		6	4			

खालसा दिवस पर 1763 श्रद्धालु जाएंगे पाकिस्तान

अमृतसर। खालसा स्थापना दिवस (बैसाखी) के अवसर पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) द्वारा भेजे जाने वाले जत्थे के लिए 1763 श्रद्धालुओं को वीजा प्राप्त हुआ है। यह जत्था 10 अप्रैल को शिरोमणि कमेटी के कार्यालय से रवाना होगा। शिरोमणि कमेटी के सचिव बलविंदर सिंह काहलवां ने मंगलवावर को बताया कि शिरोमणि कमेटी द्वारा 1795 श्रद्धालुओं के पासपोर्ट दिल्ली स्थित पाकिस्तान दूतावास भेजे गए थे। इनमें से दूतावास ने 1763 श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया है। सिंह ने बताया कि यह जत्था 10 अप्रैल को शिरोमणि कमेटी कार्यालय से जयकारों की गूंज के साथ रवाना होगा। श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री पंजा साहिब, हसन अब्दाल में खालसा साजना दिवस (बैसाखी) के मुख्य समारोह में शामिल होंगे। जत्था 19 अप्रैल को स्वदेश वापस लौटेगा।

गंभीर हालात संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग

परमाणु केंद्रों पर हमले पर ईरान ने जताया सख्त एतराज

तेहरान,एजेंसी

ईरान ने अपने सुरक्षित परमाणु केंद्रों पर हुए सिलसिलेवार सशस्त्र हमलों की कड़ी निंदा करते हुए सीधे तौर पर अमेरिका और इजराइल को जिम्मेदार ठहराया है और संयुक्त राष्ट्र संघ तथा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।

ईरान के विदेश मंत्री डॉ. अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, सुरक्षा परिषद के सदस्यों और आईएईए के महानिदेशक को लिखे एक पत्र में मुख्य परमाणु स्थलों पर हुए हमलों को गंभीर तनाव पैदा करने वाला बताया है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय कानून दोनों के लिए खतरा है। पत्र में अंतर्राष्ट्रीय निकायों पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए संभावित रेडियोधर्मी खतरों की भी चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही आईएईए सुरक्षा मानकों के तहत ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया है। तीन अप्रैल की तारीख वाले इस पत्र में पिछले नौ महीनों के दौरान ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे पर हुए कथित हमलों का विवरण दिया गया है। इसमें नतांज केंद्र, खोंदाब-अराकल स्थित हैवी वॉटर उत्पादन संयंत्र और बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमले शामिल हैं। अराघची ने चेतावनी दी कि इस तरह के हमलों के गंभीर मानवीय और पर्यावरणीय परिणाम हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र और आईएईए की चुप्पी से बढ़ा मनोबल

अराघची ने कहा कि ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु केंद्रों पर हमले और बमबारी की गई। बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएईए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और महानिदेशक इन हमलों की निंदा करने तक में विफल रहे हैं। पत्र में बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास कई हमलों और यूरेनियम प्रसंस्करण स्थलों पर हमलों का जिक्र है। मंत्री ने हमलों की भारी वृद्धि पर चिंता जताते हुए इन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का घोर उल्लंघन बताया है। अराघची ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और आईएईए पर हमलों की निंदा न करने का आरोप लगाते हुए तर्क दिया कि उनकी चुप्पी ने हमलावरों का मनोबल बढ़ाया है।

''हमने दो मैच जीत लिए हैं इसलिए उनकी कमी अभी महसूस नहीं हुई है। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं। आईपीएल में स्टार्क से बड़ा कोई गेंदबाज नहीं है। मुझे सिर्फ बुमराह का ही नाम याद आता है।''
–मुनाफ पटेल, पूर्व तेज गेंदबाज

स्टेडियम

अमृत विचार

मुरादाबाद, बुधवार, 8 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज का मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स
बनाम
गुजरात टाइटन्स

समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

रवि शास्त्री स्टैंड का अनावरण गुरुवार को

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) गुरुवार (9 अप्रैल) को वानखेड़े स्टेडियम में रवि शास्त्री स्टैंड का अनावरण करेगा और स्टेडियम के गेट दिलीप सरदेसाई, एकनाथ सोलकर और डायना एडुल्जी को समर्पित करेगा। इस मौके पर मुंबई और भारत की चार सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अनावरण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बढ़ाएंगे। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

मीनाक्षी, जैसमीन और विश्वनाथ फाइनल में

उलानबटोर, एजेंसी। मौजूदा विश्व चैम्पियन जैसमीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गई हैं। अब स्वर्ण पदक के लिए खेलने वाले भारतीय मुक्केबाजों की संख्या बढकर आठ हो गई है। विश्वनाथ सुरेश (50 किलो) और सचिन सिवाच (60 किलो) ने भी फाइनल में जगह बनाई। वहीं आकाश (75 किलो), लोकेश (85 किलो), नरेंदर बेरवाल (90 प्लस किलो) और हर्ष चौधरी (90 किलो) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के आठ मुक्केबाज फाइनल खेलेंगे।

चीनी ताइपै के खिलाफ भारत के लिये 'करो या मरो' का मुकाबला

पाथुम थानी (थाईलैंड), एजेंसी। भारतीय टीम एएफसी महिला अंडर 20 एशियाई कप के ग्रुप सी के आखिरी मैच में मंगलवार को चीनी ताइपै से खेलेगी और उसे क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनाये रखने के लिये हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। जापान और आस्ट्रेलिया से पहले दो मैचों में मिली हार के बाद भारत और चीनी ताइपै समान स्थिति में हैं और दोनों के लिये यह मुकाबला निर्णायक रहेगा। भारत का गोल अंतर माइनस 11 है जबकि चीनी ताइपै का माइनस सात है।

डेविड वॉर्नर शराब पीकर गाड़ी चलाने पर गिरफ्तार

सिडनी, एजेंसी।

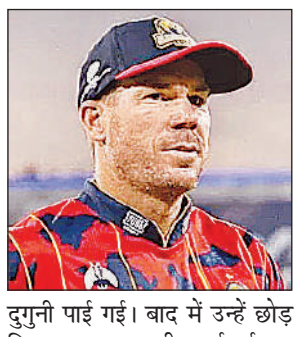

आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को मंगलवार को शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया कि मारूबा में श्वास की औचक जांच के बाद उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई।

वॉर्नर अगले महीने कोर्ट के समक्ष पेश होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट लीग में कराची किंग्स के साथ करार करने वाले वॉर्नर को स्थानीय थाने ले जाया गया जहां फिर उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय सीमा से दुगुनी पाई गई। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। कानूनी कार्रवाई का असर वॉर्नर के पीएसएल में खेलने पर नहीं पड़ेगा। उनकी टीम का अगला मैच नौ अप्रैल को है और वह सात दिन के ब्रेक में निजी दौरे पर यहां आये हैं।

हमें खेल के सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करना होगा: क्लासेन

नई दिल्ली, एजेंसी।

दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उम्मीद जताई कि सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल के वर्तमान सत्र में अच्छी शुरुआत नहीं करने के बावजूद आगे अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेगा। सनराइजर्स को अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बाद उसने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रन से हराया।

पिछले मैच में हालांकि उसे लखनऊ सुपर जायंट्स ने पांच विकेट से करारी शिकस्त दी। क्लासेन ने जिओ हॉटस्टार से कहा, ''हमारी बल्लेबाजी अब तक ठीकठाक रही है, लेकिन हमने तीन मैचों में लगभग 40 रन कम बनाए। हमें बल्लेबाजी में और सुधार करने की जरूरत है। जिन दो मैचों में हमें संघर्ष करना पड़ा, उनमें हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमारे गेंदबाजों विशेषकर तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें 220-230 रन बनाने होंगे ताकि हमारे गेंदबाजों को लक्ष्य का बचाव करने का मौका मिल सके।'' उन्होंने कहा, ''हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और इससे हमारा प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। मैं अभी तक हमें 10 में से छह अंक दूंगा। हमने कुछ चरणों में शानदार क्रिकेट खेली लेकिन खेल के महत्वपूर्ण मौकों पर चूक गए।'' क्लासेन ने कहा, ''हमारे गेंदबाजों ने

रणनीति के अनुसार गेंदबाजी की है लेकिन हमारी फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। हमें कैच लेने होंगे। हमें खेल के तीनों विभाग में सुधार करके अपनी लय बनानी होगी।'' क्लासेन ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और अब केवल फ्रेंचाइजी लीग में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले दो मैचों में अर्धशतक बनाए और वह अपनी फॉर्म से खुश हैं। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश हम दो मैच हार गए, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह अच्छी शुरुआत रही है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैं इन दिनों ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल रहा हूं। मैं अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखना चाहूंगा।'' वह बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का भी आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह (नंबर चार पर बल्लेबाजी करना) की भूमिका मैंने अपने पूरे करियर में निभाई है। इसमें आपको परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है। टीम में मेरी भूमिका यह है कि अगर (ईशान) किशन, अभिषेक (शर्मा) और ट्रैविस हेड अच्छा प्रदर्शन कर रहे हो तब भी मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलता रहूं। प्रत्येक मैच में अलग परिस्थितियां होंगी और मुझे बस उनके अनुसार ढलना होगा।'' सनराइजर्स अपना अगला मैच शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेलेगा। क्लासेन ने स्वीकार किया कि सनराइजर्स को पैट कमिंस की कमी खल रही है, जो अपनी पीठ की चोट का स्कैन कराने के लिए स्वदेश लौट गए हैं। उन्होंने कहा ''पैट की कमी बहुत खल रही है। उनके पास बहुत अनुभव है लेकिन ईशान कप्तानी की भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि यह कोई चिंता का विषय है। हमारी टीम अच्छी स्थिति में है।

दिल्ली कैपिटल्स की नजर जीत की हैट्रिक पर

आज मुक़ाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से दिल्ली में

नई दिल्ली, एजेंसी।

आईपीएल 2026 के बुधवार के मुक़ाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से दिल्ली में होगा। जहां डीसी को अपने शुरुआती दो मैचों में जीत मिली है, वहीं जीटी को अभी भी अपनी पहली जीत का इंतज़ार है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए सात मैचों में जीटी 4-3 से आगे है। पिछले आईपीएल के दो मैचों में जीटी को दोनों में जीत मिली है, वहीं दिल्ली में भी दोनों टीमों के बीच खेले गए तीन मैचों में जीटी 2-1 से आगे है।

केएल राहुल के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत कुछ ख़ास नहीं रही है और दो मैचों में उनका स्कोर 0 और 1 का है। राहुल का यह ख़राब फ़ॉर्म जीटी के ख़िलाफ़ मैच में भी जारी रह सकता है। क्योंकि जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा उन्हें परेशान करते हैं। प्रसिद्ध अपने राज्य के साथी को सात पारियों में तीन जबकि रबाडा भी उन्हें 12 पारियों में तीन बार आउट कर चुके हैं। राशिद ख़ान ने भी राहुल को तीन बार आउट किया है, जिसका मतलब है कि अगर राहुल टिक भी जाते हैं तो भी पावरप्ले के बाद उन्हें परेशान करने वाला कोई है। एनगिडी कर सकते हैं जीटी के शीर्ष क्रम को परेशान भारत में हुए टी20 विश्व कप से ही लुंगी एनगिडी शानदार फ़ॉर्म में हैं और अपनी स्लोअर गेंदों से बल्लेबाज़ों को परेशान करने की कला को उन्होंने आईपीएल 2026 में भी जारी रखा है। एनगिडी जीटी के ख़िलाफ़ भी अपनी स्लोअर गेंदों का जादू दिखा सकते हैं।

जीटी के कप्तान और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को उन्होंने चार पारियों में दो बार आउट किया है, जबकि गिल उन पर सिर्फ़ 88 के स्ट्राइक रेट से सात रन ही बना पाए हैं। बटलर को भी एनगिडी ने तीन बार आउट किया है, हालांकि बटलर उन पर 161 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। बटलर को अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की अनुभवी स्पिन जोड़ी भी परेशान करती है और दोनों उन्हें दो-दो बार आउट कर चुके हैं। बटलर दोनों स्पिनरों पर सिर्फ़ 132 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। मिलर का तोड़ राशिद के पास है डेविड मिलर को डीसी ने इस बार फ़िनिशर के तौर पर अपनी टीम में शामिल किया है, लेकिन राशिद उनको अंतिम ओवरों में परेशान करने की कुव्वत रखते हैं। जीटी के अपने पूर्व साथी को राशिद ने चार बार आईपीएल में आउट किया है, जबकि मिलर, राशिद पर सिर्फ़ 119 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

सिराज और रबाडा ने भी मिलर को दो-दो बार आउट किया है और इन दोनों के ख़िलाफ़ भी मिलर का स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 100 और 119 का है। फ़िलिप्स कैसे करेंगे डीसी के स्पिनरों का सामना मिलर की तरह ग्लेन फ़िलिप्स को जीटी ने अपनी टीम में फ़िनिशर के तौर पर शामिल किया है, लेकिन उन्हें स्पिन खेलने की कला सीखना होगा। कुलदीप और अक्षर दोनों, फ़िलिप्स को पांच पारियों में चार-चार बार आउट कर चुके हैं, जो कि लगभग एक परफ़ेक्ट रिकॉर्ड है।

दिल्ली कैपिटल्स की टीम :

■ अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी शॉ, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिशेल स्टार्क, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

गुजरात टाइटंस की टीम :

■ साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, जेसन होल्डर, जयंत यादव, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, रविश्रीनिवासन साई किशोर, इशांत शर्मा, ल्यूक वुड, टॉम बैंटन, कुलवंत खेजरोलिया, अनुज रावत, अरशद खान, गुरनूर बराड़, निशांत सिंधु।

फिट हुए शुभमन गिल

■ नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में जकड़न से उबर गए हैं और बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। पिछले मैच से बाहर रहे गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन ने इस बात की पुष्टि की कि वह खेलने के लिए पूरी तरह फिट हैं।

वर्षा से बाधित मैच के शुरू होने पर टास करते एमआई व डीसी के कप्तान।

मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी

गुवाहाटी, एजेंसी।

गुवाहाटी में बारिश थमने के बाद मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वर्षा बाधित इस मुकाबले में कुल मिलाकर 11-11 ओवरों का मैच खेला जाएगा और पावरप्ले 3.2 ओवर का होगा।

मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतने के बाद कहा कि हम पहले गेंदबाजी करने जा रहे हैं। बारिश से बाधित मैच में आप दूसरी पारी में बैटिंग करते हैं। हमारे दो मैच काफी अलग तरह के हुए थे लेकिन मुझे काफी खुशी है कि खिलाड़ियों ने जिस तरह से प्रेशर को हैंडल किया। मेरी टीम में दो बदलाव हुए हैं। मैं आया हूं और ट्रेंट बोल्ट की भी वापसी हुई है। राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने कहा कि हम भी टॉस जीतते तो पहले गेंदबाजी ही करते। बारिश काफी ज्यादा हुई है। हमारी टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

टीमें

राजस्थान रायल्स

■ वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (कीपर), रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, डोनावन फरेरा, रवींद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा। इम्पैक्ट सब : रवि बिश्नोई, रवि सिंह, लुआन डी प्रिटोरियस, ब्रजेश शर्मा और सौरभ दुबे।

मुंबई इंडियंस

■ रोहित शर्मा, रयान रिकल्टन (कीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर, अल्लाह ग़ज़नफ़र, ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट सब : अश्विनी कुमार, शेरफ़ेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, रॉबिन मिन्ज और राज बावा।

आईपीएल का सपना पूरा करने को छोड़ दी थी कांस्टेबल की परीक्षा

नजफगढ़ का 'राजकुमार' यानी प्रिंस यादव

नई दिल्ली, एजेंसी।

कुछ साल पहले तक नजफगढ़ में रहने वाले रेलवे सुरक्षा बल के सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) राम निवास यादव अपने सबसे छोटे बेटे प्रिंस के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित थे, जिसकी दिलचस्पी केवल टेनिस बॉल टूर्नामेंट में यॉर्कर गेंदबाजी करने में थी। लेकिन इस युवा क्रिकेटर को खुद पर भरोसा था और उसने अपने पिता से सीधे शब्दों में कह दिया, ''आप मेरी चिंता करना छोड़ दो। मैं अपने से कुछ कर लूंगा।'' अब बात करते हैं 2026 की।

वह बेपरवाह दिखने वाला लड़का अपने वादे पर खरा उतर चुका है। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस स्विंग गेंदबाज का नाम है प्रिंस यादव, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अक्षर पटेल और ईशान किशन जैसे अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों के डिफेंस को भेदने में सफल रहा। प्रिंस के पिता रामनिवास ने कहा, ''कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित होगा और मैं भी था। 18 साल की उम्र तक उसने चमड़े की गेंद से एक बार भी गेंदबाजी नहीं की थी। मैंने उसे दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की परीक्षा में बैठने के लिए मजबूर किया। वह शारीरिक रूप से फिट था, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार नहीं था क्योंकि उसका ध्यान कहीं और था।'' रामनिवास ने आखिर अपने बेटे की जिद मान ली क्योंकि उनके पास अपने बेटे का साथ देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, ''बेटे की ज़िद है और हमें पूरा करना था। एक एएसआई के वेतन में कितना ही गुज़ारा हो पाता है।

प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ

■ राम निवास के अनुसार प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ और भारत के अंडर-19 विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज प्रदीप सांगवान ने उनके खेल में निखार लाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, "मैं अमित सर का जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। उन्होंने प्रिंस को टेनिस टूर्नामेंट खेलते हुए देखा और उसे नजफगढ़ स्थित अपनी अकादमी से जुड़ने के लिए कहा। प्रदीप जी (सांगवान) भी अमित सर के शिष्य थे और उन्होंने प्रिंस को फिटनेस में मदद की।'' एक समय ऐसा भी था जब प्रिंस अपनी पीठ पर रेत की बोरी बांधकर धान के खेतों में दौड़ते थे ताकि उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत बन जाए। रामनिवास ने कहा, ''प्रदीप ने उसका बहुत मार्गदर्शन किया और अमित सर ने उसके खेल में सुधार किया। मैं डीपीएल (दिल्ली प्रीमियर लीग) और नयी दिल्ली टीम को कैसे भूल सकता हूं। अगर डीपीएल नहीं होता, तो मुझे नहीं लगता कि मेरे बेटे की प्रगति इतनी तेज़ होती। इसलिए मैं डीडीसीए और विजय दहिया सर का भी आभारी हूं।

ललित को रजत और सुनील को मिला कांस्य पदक

बिश्केक (किर्गिस्तान), एजेंसी

ललित ने मंगलवार को यहाँ 2026 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक जीता। उन्होंने 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक हासिल किया, जबकि नितेश 97 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग के फाइनल में पहुँच गए। पूर्व चैंपियन सुनील कुमार ने अपने पदकों की सूची में एक और कांस्य पदक जोड़कर भारतीय दल के लिए इस दिन को बेहद सफल बना दिया।

ललित, जिन्होंने सेमीफाइनल में चीन के हुओयिंग शी को हराया था, फाइनल में उज्बेकिस्तान के इख्तियार बोतिरोव के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया, लेकिन 0-9 से हारने से खुद को नहीं बचा सके। 87 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में, सुनील कुमार ने पहले राउंड में चार अंक गंवाने के बाद शानदार वापसी की और उज्बेकिस्तान के मुखम्मदकोदिर रसुलव को 5-4 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता। इससे पहले, नितेश ने 97 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर यह सुनिश्चित कर लिया कि वे 2025 की एशियाई चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में सुधार करेंगे। 23 वर्षीय नितेश, जिन्होंने पिछले साल कांस्य पदक जीता था।

तमीम इकबाल होंगे बीसीबी के नए अध्यक्ष

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को अमीनुल इस्लाम की अगुआई वाले बीसीबी बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स को भंग करने के बाद तमीम इक़बाल को नया बीसीबी (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला उस पांच सदस्यीय जांच समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया, जिसने पिछले साल अक्टूबर में हुए बीसीबी चुनाव से जुड़े विभिन्न आरोपों की जांच की थी।

37 साल के पूर्व बांग्लादेश कप्तान तमीम अब 11 सदस्यीय एड हॉक कमेटी की अगुआई करेंगे। इस कमेटी में पूर्व बांग्लादेश कप्तान मिन्हाजुल आबेदीन और पूर्व क्रिकेटर एवं टीवी कमेंटेटर अतहर अली ख़ान भी

तमीम इक़बाल

शामिल हैं। कमेटी के अन्य सदस्य राशना इमाम, मिर्ज़ा येसिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, इसराफिल ख़सरू, तंजिल चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफ़ीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा हैं। सरकार की जांच समिति ने खेल मंत्रालय में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अपनी सिफारिशें पेश कीं, जहां उन्होंने बीसीबी चुनाव से जुड़े अपने निष्कर्षों को विस्तार से साझा किया। सरकार की जांच समिति ने अपनी सिफारिशें खेल मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पेश कीं, जहां उन्होंने बीसीबी चुनावों को लेकर अपनी जांच के निष्कर्ष विस्तार से साझा किए।

एनएससी के स्पोर्ट्स डायरेक्टर मोहम्मद अमीनुल अहेसान ने कहा, "नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल की ज़िम्मेदारी के तहत हमने आईसीसी को सूचित किया है कि यह बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स सही तरीके से गठित नहीं हुआ है और अपने काम को भी सही ढंग से पूरा करने में सक्षम नहीं है। हमने आईसीसी को इस बोर्ड को भंग करने के अपने फैसले के बारे में भी जानकारी दे दी है। बंगलादेश क्रिकेट या किसी भी खेल में एनएससी की अहम भूमिका होती है।

कश्मकश | **स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा**

आत्मघाती गोल से गिरोना ने विलारियाल को हराया

गिरोना (स्पेन), एजेंसी।

विलारियाल को आत्मघाती गोल के कारण गिरोना से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा। विलारियाल अगर इस मैच में जीत जाता तो वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो जाता। एटलेटिको मैड्रिड को बार्सिलोना से अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अर्नाउ के क्रॉस का शॉट पाउ नवारो पर लगा और गेंद उनके ही गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल में चली गई। विलारियल 30 मैच में 58 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वह दूसरे नंबर पर काबिज रियाल मैड्रिड (69) से नौ अंक और शीर्ष पर स्थित बार्सिलोना (76) से 18 अंक पीछे है। गिरोना 37 अंक के साथ दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गया है। वह ओसासुना, एस्पेनयोल और एथलेटिक बिलबाओ से एक अंक पीछे है।

गोलकीपर को छकाने में गिर पड़े दोनों टीम के फुटबालर।

नेपोली ने खिताब की उम्मीदें रखी जीवंत

■ तूरिन (इटली), एजेंसी। स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थानर पर था। इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया। इस जीत से युवेंटस ने चौथे स्थान पर काबिज कोमो से अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया। कोमो को उडिनीस ने गोलरहित से ड्रॉ पर रोका।